RNI NO.: MAHHIM/2010/41894

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

# हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net | वर्ष 14 ■ अंक 217 ■ पुणे, मंगलवार 24 जून 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00 | संरक्षक : आरएन सिंह

ईरान पर अमेरिकी हमला, युद्ध की समाप्ति या शुरुआत

पेज-4

यूपी में अब कम छात्र संख्या वाले स्कूलों का भी होगा समायोजन

पेज-6

अमावस्या का दिन पितरों की शांति, पितृ दोष निवारण के लिए सर्वश्रेष्ठ

पेज-8

ऋषभ पंत ने दोनों पारियों में शतक जड़कर लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

पेज-9

**पहलगाम हमला**

## गिरफ्तार आरोपियों ने एक आतंकी पहचाना

**महानगर नेटवर्क**

**श्रीनगर**

पहलगाम हमले के तीन आतंकियों में से एक की पहचान हो गई है। रविवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) की गिरफ्त में आए दो आरोपियों ने बताया है कि हमला करने वाले तीन आतंकियों में से एक का नाम सुलेमान शाह है। बाकी दो पाकिस्तानी आतंकियों के नामों का खुलासा फिलहाल नहीं किया गया है।

सुलेमान भी उसी आतंकी नेटवर्क का हिस्सा है, जिसमें वे आतंकी शामिल थे, जिनकी तस्वीर पहलगाम हमले के बाद सामने आई थी। इन आतंकियों में हाशिम मूसा, तल्हा भाई और जुनैद थे। हालांकि जुनैद एनकाउंटर में मार दिया गया था। जुनैद के मोबाइल फोन में ही इन आतंकियों के फोटो मिले थे। उस फोटो में सुलेमान शाह की फोटो भी है, जिसे कई पीड़ित परिवारों ने पहचान भी लिया है।

**गिरफ्तार किए गए आरोपियों को रिमांड में लेगी पुलिस**

पहलगाम हमले के दो महीने बाद रविवार को नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) ने पहलगाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया था। NIA की जांच में खुलासा हुआ है कि इन दोनों ने हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को पनाह दी थी।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार हैं। पूछताछ में दोनों ने आतंकियों की पहचान बताई और यह भी पुष्टि की कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (LeT) से जुड़े हुए थे। दोनों को सोमवार को जम्मू के कोर्ट में पेश किया गया, जहां से 5 दिन की NIA रिमांड में भेज दिया गया।

NIA के मुताबिक, परवेज और बशीर ने हमले से पहले इन तीनों आतंकियों को हिल पार्क स्थित एक अस्थायी ढोक (झोपड़ी) में जानबूझकर ठहराया था। उन्होंने उन्हें खाना और अन्य सुविधाएं मुहैया कराई थीं।

सूत्रों का कहना है कि दोनों को रिमांड पर लेकर NIA टीम हाइड आउट यानी आतंकियों के छिपने वाली जगह जा सकती है। जिससे उनके भागने की रूट मैपिंग भी की जा सके।

**ईरान-इजराइल की लड़ाई जारी**

# ईरान का साथ देगा रूस!

**महानगर नेटवर्क**

**मॉस्को**

इजराइल और ईरान के बीच कई दिनों से चल रहे संघर्ष के चलते दुनिया में तीसरे विश्व युद्ध का खतरा बढ़ गया है। वहीं ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद रूस ने सोमवार को ईरान को हरसंभव मदद देने का वादा किया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बढ़ते तनाव के बीच रूस ने कहा है कि वह ईरान को हर तरह की मदद देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ईरान को किस तरह की मदद चाहिए, यह फैसला तेहरान को करना है। पेसकोव ने कहा कि हमने ईरान को मध्यस्थता की पेशकश की है। यह हमारी तरफ से एक ठोस मदद है। ईरान को जो भी जरूरत होगी, हम उसके अनुसार मदद करने को तैयार हैं। रूस ने ईरान और इजराइल के बीच चल रहे तनाव को लेकर भी अपना पक्ष साफ किया है। पेसकोव ने कहा कि रूस का यह रुख भी ईरान के लिए समर्थन का एक अहम तरीका है। उन्होंने कहा कि हमने इस मुद्दे पर खुलकर अपना पक्ष दुनिया के सामने रखा है। यह भी ईरान के प्रति हमारे समर्थन का संकेत है। पेसकोव ने यह भी बताया कि हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बातचीत में ईरान का मुद्दा कई बार उठा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन और ट्रंप की हाल की बातचीत में ईरान का जिक्र कई बार हुआ है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हुए अमेरिकी हमलों की कड़ी निंदा की है। पुतिन ने कहा कि आप ऐसे समय रूस आए हैं जब आपके देश और पूरे क्षेत्र में हालात काफी तनावपूर्ण हैं। उन्होंने अमेरिकी हमलों को गलत ठहराते हुए कहा कि रूस ईरानी जनता की हर संभव मदद करने की कोशिश कर रहा है।

## इजराइल ने ईरान के सैकड़ों सैनिक मारे

इजराइली सेना ने सोमवार दोपहर तेहरान में ईरानी सेना की यूनिट इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) से जुड़े ठिकानों पर हमले किए। इजराइली सेना ने इसमें सैकड़ों सैनिकों के मारे जाने का दावा किया है। सेना ने एविन जेल, इजराइल डिस्ट्रक्शन घड़ी, IRGC के बासिज फोर्स के हेडक्वार्टर और इंटरनल सिक्योरिटी हेडक्वार्टर को टारगेट किया था। इससे पहले इजराइल ने ईरान के फोर्डो न्यूक्लियर साइट पर हमला किया था। यह हमला ठीक उसी जगह किया गया, जहां रविवार को अमेरिका ने बस्टर बम गिराए थे। इजराइल डिफेंस फोर्स (IDF) ने ईरान के फोर्डो न्यूक्लियर साइट पर हमले की पुष्टि की है। IDF ने कहा कि उसने सुबह अंडरग्राउंड फोर्डो न्यूक्लियर साइट तक पहुंचने वाले रास्ते पर हमला किया है, जिसका मकसद साइट तक पहुंचने वाले रास्ते को बंद करना था। अब ईरान ने अमेरिका पर हमले की धमकी दी है।

### सीरिया के अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमला

सीरिया के पश्चिमी हसाका प्रांत के एक इलाके में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे को निशाना बनाया गया है। इसके बाद मिडिल ईस्ट में और कोहराम मचने की आशंका बढ़ गई है। क्योंकि अमेरिका ने पहले ही कहा था कि अगर उसके लोगों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई तो कड़ा जवाब दिया जाएगा।

### युद्ध की शुरुआत आपने की, खत्म हम करेंगे...

ईरान सैन्य केंद्रीय कमान ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लेते हुए कहा कि परमाणु ठिकानों पर हमलों ने युद्ध का मैदान खोल दिया है। आपने शुरुआत की है, तो अब कड़ी जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार रहिए। ईरानी सेना के मेजर जनरल अब्दुलरहीम मौसवी ने भी सख्त शब्दों में अमेरिकी हमलों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने इजरायल को रोकने के बजाय हमारे ऊपर हमले किए।

# उपचुनाव के परिणाम घोषित

गुजरात में AAP-BJP ने एक-एक सीट, केरल में कांग्रेस, पंजाब में आप और बंगाल में TMC जीती

**महानगर नेटवर्क**

**नई दिल्ली**

चार राज्यों की 5 विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव का रिजल्ट आ चुका है। गुजरात की कडी सीट से भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र चावड़ा जीते। उन्होंने कांग्रेस के रमेश चावड़ा को हराया। विसावदर पर AAP के गोपाल इटालिया जीते। भाजपा के कीर्ति पटेल दूसरे नंबर पर रहे। केरल में UDF उम्मीदवार कांग्रेस के आर्यदन शौकत को जीत मिली। उन्होंने CPIM के एम.स्वराज को हराया। पंजाब की लुधियाना वेस्ट AAP के खाते में आई, यहां संजीव अरोड़ा जीते। कांग्रेस के भारत भूषण आसु दूसरे नंबर पर रहे। पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट पर TMC प्रत्याशी अलिफा अहमद जीतीं। उन्होंने भाजपा के आशीष घोष को हराया। इन सभी पांचों सीटों पर 19 जून को वोटिंग हुई थी। वहीं, कालीगंज सीट के लिए जारी काउंटिंग के बीच कृष्णानगर थाना क्षेत्र के बाराचंदगर इलाके में एक विस्फोट हुआ। घटना में 9 साल की बच्ची की मौत हो गई। पश्चिम बंगाल की CM ममता बनर्जी ने बच्ची की मौत पर दुख ज ताया। उन्होंने X पोस्ट में लिखा- पुलिस दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी।

### केजरीवाल बोले- मैं राज्यसभा नहीं जा रहा

लुधियाना से संजीव अरोड़ा के चुनाव जीतने पर वे राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देंगे। उनकी खाली हुई राज्यसभा सीट पर अरविंद केजरीवाल के राज्यसभा जाने की अटकलें हैं। हालांकि, अरोड़ा के चुनाव जीतने के बाद दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने स्पष्ट किया कि पार्टी की ओर से राज्यसभा में किसे भेजा जाना है यह फैसला AAP की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (PAC) लेगी, मैं राज्यसभा नहीं जा रहा हूं।

## Short News एक नजर

### 11 राज्यों में ब्लास्ट की धमकियां भेजने वाली लड़की अरेस्ट

**अहमदाबाद।** देश भर में कई जगह बम धमाकों की धमकियां देने वाली महिला को चेन्नई से अरेस्ट किया है। अहमदाबाद साइबर क्राइम यूनिट ने बताया कि महिला ने अपने प्रेमी को फंसाने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों में बम धमकी वाले ईमेल भेजे थे। इन मेल में गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ब्लास्ट की धमकी भी शामिल थी।

### यूट्यूबर ज्योति की न्यायिक हिरासत बढ़ी

**हिसार।** पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यू-ट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की हिसार कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (VC) के जरिए पेशी हुई। कोर्ट ने सुनवाई के बाद ज्योति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अब मामले की अगली सुनवाई 7 जुलाई को होगी।

### पेट्रोल 120 लीटर तक पहुंच सकता है

**नई दिल्ली।** ईरान की संसद ने हाल ही में अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब

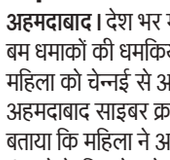

में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का प्रस्ताव पास किया है। अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होता है तो इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम पर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये तेल व्यापार का अहम रास्ता है। इस खबर के सामने आने के बाद क्रूड ऑयल के दाम बढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गए हैं।

### आंध्र प्रदेश के पूर्व CM जगन पर FIR

**हैदराबाद।** आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ हिट एंड रन मामले में FIR दर्ज हो गई है। यह जानकारी गुंटूर जिले के SP एस सतीश कुमार ने रविवार देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। SP ने बताया कि पूर्व CM की कार ने 5 दिन पहले रोड शो के दौरान 53 साल के व्यक्ति को कुचल दिया था। अस्पताल ले जाते वक्त उनकी मौत हो गई।

# एयर इंडिया की जयपुर-दुबई फ्लाइट के कॉकपिट में खराबी

**महानगर नेटवर्क**

**नई दिल्ली/जयपुर**

देश की एयरलाइन्स की फ्लाइट में तकनीकी खामी आने और फ्लाइट के कैंसिल होने का सिलसिला जारी है। सोमवार को एयर इंडिया एक्सप्रेस की दो फ्लाइट और इंडिगो की एक फ्लाइट में प्रॉब्लम आई। वहीं, रविवार को एयर इंडिया की फ्लाइट से पक्षी टकराने के चलते अगली फ्लाइट कैंसिल कर दी गई।

**1. एयर इंडिया एक्सप्रेस की जयपुर से दुबई की फ्लाइट :** सोमवार को एयर इंडिया एक्सप्रेस की जयपुर से दुबई की फ्लाइट में टेक ऑफ से ठीक पहले कॉकपिट

में तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद रनवे एरिया से पायलट ने फ्लाइट को फिर से एप्रन में पहुंचाया। इसमें 130 पैसेंजर्स सवार थे। 5 घंटे तक फ्लाइट को ठीक करने की कोशिश की गई। फिर भी सफलता नहीं मिली। इसके बाद दुबई की इस फ्लाइट को रद्द करने का फैसला लिया गया।

**2. दिल्ली से जम्मू जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट बिना लैंडिंग वापस लौटी :** एयर इंडिया एक्सप्रेस की दिल्ली-जम्मू-श्रीनगर फ्लाइट जम्मू एयरपोर्ट पर लैंड किए बिना दिल्ली लौट गई। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट नंबर IX-2564 को श्रीनगर से पहले जम्मू में उतरना था। मौसम और रनवे साफ थे, लेकिन पायलट को उचित लैंडिंग पॉइंट नहीं मिला।

**3. इंडिगो की इंदौर से भुवनेश्वर की फ्लाइट :** सोमवार को इंदौर से भुवनेश्वर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6E 6332 (एयरबस A320 नियो विमान) तकनीकी खराबी के चलते रनवे के बीच से लौट आई।

## सपा ने तीन विधायकों को दिखाया बाहर का रास्ता

**महानगर नेटवर्क**

**लखनऊ**

समाजवादी पार्टी ने राज्यसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में क्रास वोटिंग करने वाले तीन विधायकों पर डेढ़ वर्ष बाद कार्रवाई की है। पार्टी ने रायबरेली के ऊंचाहार से विधायक मनोज पांडेय, अयोध्या के गोसाईगंज से विधायक अभय सिंह और अमेठी के गौरीगंज विधायक राकेश प्रताप सिंह को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। समाजवादी पार्टी ने सोमवार को एक्स हैंडल पर इनके निष्कासन की जानकारी दी और लिखा कि इनको जनहित में बाहर किया गया। हालांकि क्रास वोटिंग करने वाले अन्य पार्टी के चार विधायकों और राज्यसभा के मतदान में अनुपस्थित रहने वाली एक विधायक पर अभी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। माना जा रहा है कि पंचायत चुनाव की रणनीति के तहत यह फैसला किया गया है।

## 'तेल की कीमतों को मत बढ़ाना, मैं सब कुछ देख रहा हूं'

**न्यूयॉर्क।** ईरान-इजरायल युद्ध की वजह से इंटरनेशनल मार्केट में तेल की कीमतें आसमान छू चुकी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार (23 जून, 2025) को तेल की कीमतों को नीचे रखने की इच्छा व्यक्त की है।

उन्होंने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'सभी लोग तेल की कीमतों को कम रखें, मैं देख रहा हूं। आप दुश्मन के हाथों में खेल रहे हैं, ऐसा मत कीजिए।' इसके अलावा ट्रंप ने अमेरिकी ऊर्जा विभाग को संबोधित करते हुए एक और पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने उसे 'ड्रिल, बेबी, ड्रिल' करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा 'मेरा मतलब अभी है।'

# मुंबई में बीमार दादी को कूड़े में फेंका

**महानगर संवाददाता**

**मुंबई**

मुंबई में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बुजुर्ग महिला कूड़े के ढेर पर पड़ी मिली। कैंसर से पीड़ित इस महिला को उसके पोते ने कथित तौर पर कूड़े में फेंक दिया था। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और 60 साल की इस महिला के परिवार की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना शनिवार को तब सामने आई, जब मुंबई पुलिस ने शहर की आरे कॉलोनी में सड़क पर कूड़े के ढेर के पास 60 वर्षीय यशोदा गायकवाड़ को बेहद कमजोर हालत में पाया।

### महिला कूपर अस्पताल में भर्ती

जांच करने पर महिला ने पुलिस को बताया कि उसका पोता उसे वहीं छोड़ गया था। हालांकि महिला सुबह ही मिल गई थी, लेकिन पुलिस शाम 5:30 बजे ही उसे अस्पताल में भर्ती करवा पाई। उसकी हालत को देखते हुए कई अन्य अस्पतालों ने उसे भर्ती करने से मना कर दिया था, जिसके बाद उसे कूपर अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला स्किन कैंसर से पीड़ित है।

### महिला के परिवार की तलाश जारी

बुजुर्ग महिला ने अपने परिवार के सदस्यों के दो पते बताए हैं। पहला पता मलाड और दूसरा कांदिवली बताया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिवार के बारे में विस्तृत जानकारी का इंतजार है। रिश्तेदारों का पता लगाने के लिए उसकी तस्वीर सभी पुलिस थानों में शेयर की गई है। लेकिन पोते ने ऐसा अमानवीय काम क्यों किया, यह स्पष्ट नहीं है।

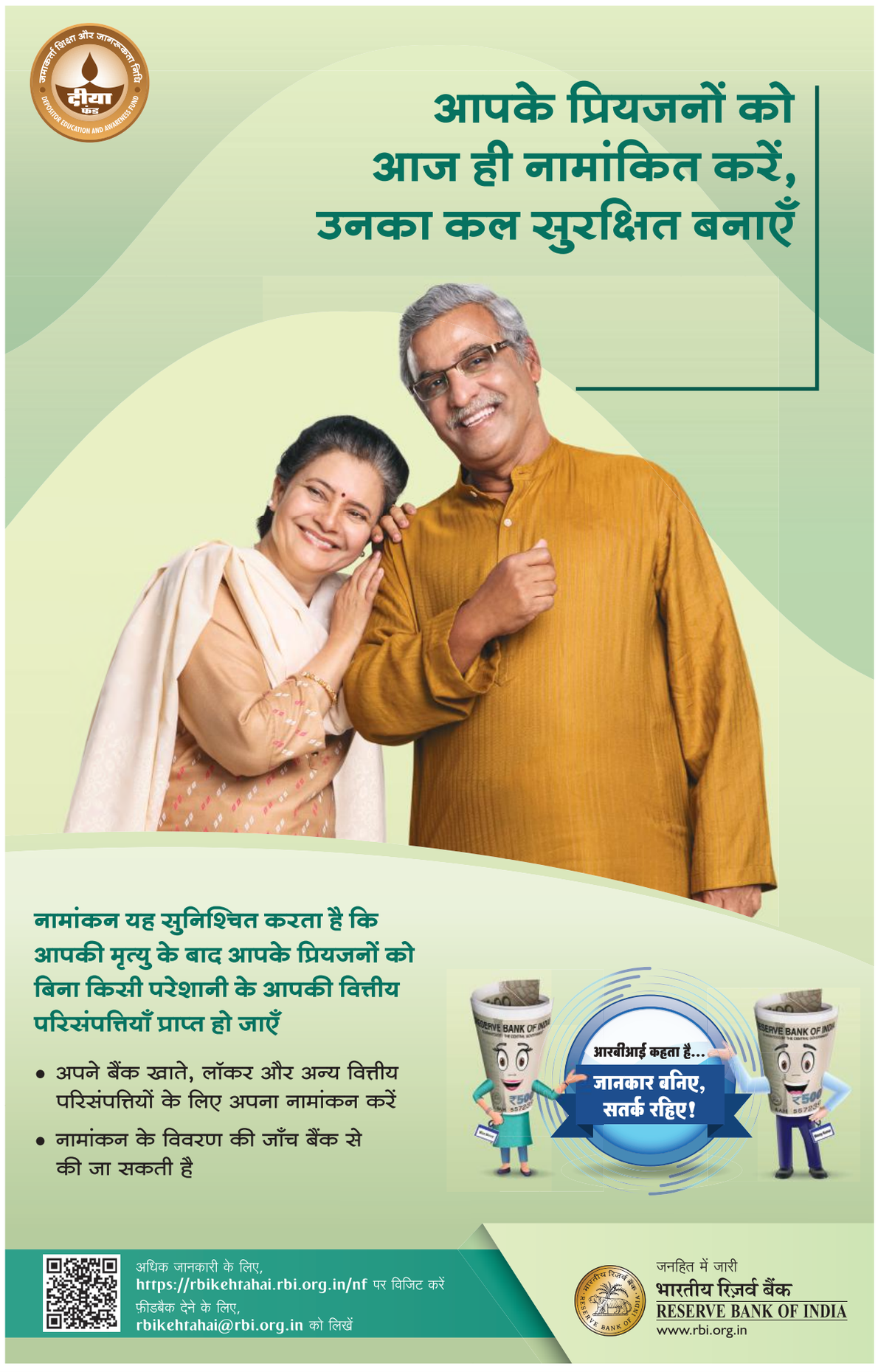

## वर्गीकृत विज्ञापन

चाहिए....!

अंधेरी पूर्व एमआयडीसी के लिए हेल्पर्स चाहिए।

ड्युटी 8 घंटा।

वेतन रोज 500/-

संपर्क-9619291288

नोटिस विज्ञापनों में प्रकाशित दावों का इस अखबार से कोई लेना-देना नहीं है। पाठकों से निवेदन है कि विज्ञापन आजमाने से पहले कृपया अपने स्तर पर पुष्टि कर स्वयं को संतुष्ट कर लें।

- संपादक


## पुलिस ने देह व्यापार का भंडाफोड़ किया

**मुंबई।** मुंबई पुलिस ने शहर में एक आवासीय परिसर पर छापेमारी करके देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है और दो नाबालिग लड़कियों और एक युवती को बचा लिया है। पुलिस ने एक महिला शमा शाहनवाज पटेल को हिरासत में भी लिया है।

# मनपा चुनाव : मतदाता सूची को तैयार करने में लगाए गए 2100 शिक्षक

**अपने मूल कार्यालय में रह कर ऑनलाइन बनानी होगी मतदाता सूची**

महानगर संवाददाता

मुंबई

चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर मनपा शिक्षा विभाग में कार्यरत 2100 शिक्षकों को मतदाता सूची तैयार करने का काम सौंपा है। स्कूल खुलने के बाद कई शिक्षक स्कूल में जाने के बजाय मतदाता सूची पुनर्निरीक्षण के काम में लगे थे। मनपा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शिक्षकों को अपने कार्यालय में रह कर ऑनलाइन मतदाता सूची का काम करना होगा। इस कार्य के लिए स्थानीय मतदाता पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) कार्यालय में शामिल होने की कोई आवश्यकता नहीं है। भारतीय चुनाव आयोग जल्द ही मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनर्निरीक्षण कार्यक्रम घोषित करने वाला है। इसके लिए महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्र स्तर के अधिकारी (बीएलओ) और मतदान केंद्र स्तर के अधिकारी पर्यवेक्षकों (बीएलओ पर्यवेक्षकों) की नियुक्ति करने का निर्देश दिया था। जिला चुनाव अधिकारी के नाते मनपा आयुक्त ने मुंबई शहर जिले और मुंबई उपनगरीय जिले के लिए मतदान केंद्र स्तर के अधिकारी और मतदान केंद्र स्तर के अधिकारी पर्यवेक्षकों की नियुक्ति करने का निर्देश दिया था।

# प्राक्कलन समिति बेहद डायनेमिक : देवेंद्र फडणवीस

- विधान भवन में प्राक्कलन समितियों का राष्ट्रीय सम्मेलन

महानगर संवाददाता

मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि संसद और विधानसभाओं की प्राक्कलन समिति बेहद डायनेमिक तरीके से काम करने वाली समितियां है। कमेटियों का सिस्टम बहुत महत्वपूर्ण है। इससे प्रशासन पर भी अंकुश बना रहता है। कोई भी सिस्टम चलता है तो उसमें दोष आ जाता है,इन्हें कैसे दूर किया जाए और आगामी पीढ़ियों के लिए नए मानक कैसे तैयार किए जाएं, इस पर विचार किया गया तो यह संगोष्ठी सार्थक सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री सोमवार को विधानभवन में आयोजित संसद और राज्य तथा केंद्र शासित प्रदेश विधानमंडल प्राक्कलन समितियों के राष्ट्रीय परिषद के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इस मौके पर लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति डॉ. हरिवंश, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरे, विधानसभा उपाध्यक्ष अण्णा बनसोडे, महाराष्ट्र विधानसभा की प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष अर्जुन खोतकर और संसद की प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल मौजूद थे।

### समितियां रखती है सरकार पर अंकुश

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को सर्वोत्तम संविधान देने का काम डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर ने दिया। महाराष्ट्र उनकी कर्मभूमि है। इसी संविधान के कारण हम सब यहां मौजूद हैं और लोकतंत्र के वाहक के रूप में काम कर रहे हैं। मैं यहां मुख्यमंत्री के रूप में उपस्थित हूं, लेकिन मैंने 6 साल तक प्राक्कलन समिति के सदस्य के रूप में भी काम किया है। इस दृष्टि से सदस्य के तौर पर भी यहां उपस्थित हूं। फडणवीस ने कहा कि हमारी सरकार संसद के प्रति उत्तरदायी है। इसका मतलब यह नहीं कि केवल अधिवेशन में इसे सिद्ध करना पड़ता है, इससे बढ़कर हमारी समितियां सरकार पर अंकुश लगाने का काम करती है।

### भारत दुनिया का जीवंत लोकतंत्र : ओम बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि यह कार्यक्रम प्राक्कलन समिति की विरासत का सम्मान है। 75 साल की यात्रा में लोकतंत्र गौरवशाली हुआ है। हमने जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास किया है। भारत दुनिया की जीवंत लोकतंत्र है।

### प्राक्कलन समिति का काम बहुत प्रभावी: शिंदे

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि विकास के लिए खर्च किया गया हर एक रुपया आम आदमी तक पहुंचना चाहिए और इस संबंध में संसद की प्राक्कलन समिति का काम बहुत प्रभावी है। शिंदे ने कहा कि गरीबों का कल्याण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एजेंडा है और वे हमेशा कहते हैं कि हर रुपया गरीबों तक पहुंचना चाहिए। इस संबंध में प्राक्कलन समितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और प्रशासन की दक्षता, मितव्ययिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करती हैं। कार्यक्रम को महाराष्ट्र विधानपरिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरे, महाराष्ट्र विधानसभा की प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष अर्जुन खोतकर और संसद की प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल ने संबोधित किया।

# वसई - विरार में निर्माणाधीन साइट से सड़क पर कीचड़

**मनपा की लापरवाही बनती जारही जानलेवा**

महानगर संवाददाता

वसई

वसई-विरार शहर में चल रहे सैकड़ों निर्माण कार्यों ने सड़कों पर कीचड़ और मलबे का ऐसा जाल बिछा दिया है,जिससे आम जनता के लिए आवागमन एक जानलेवा चुनौती बन गया है। निर्माण स्थलों से ट्रकों द्वारा मलबा ले जाते समय सड़कों पर गिर रही मिट्टी और कीचड़ ने पूरे इलाके को फिसलन भरा और गंदा बना दिया है। बरसात के मौसम में यह समस्या और भी विकराल रूप धारण कर लेती है,जिससे दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ गया है।

शहर के कई इलाकों में निर्माणाधीन स्थलों के गेट से लेकर सड़कों पर कीचड़ और मिट्टी का साम्राज्य है। स्थानीय निवासियों की मानें तो दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह किसी दुःस्वप्न से कम नहीं है। राहुल सिंह, स्थानीय निवासी, ने बताया, "कई बार दोपहिया वाहन चालक इस कीचड़ में फिसल कर गिर चुके हैं। हर दिन दुर्घटना का डर सताता रहता है।" यह स्थिति स्पष्ट रूप से बिल्डरों की घोर लापरवाही और महानगरपालिका के नियमों की धज्जियां उड़ाने का प्रमाण है। वसई-विरार महानगरपालिका ने पहले भी बिल्डरों को निर्माण स्थलों पर ग्रीन पर्दा लगाने और सुरक्षा मानदंडों का पालन करने की हिदायत दी थी। लेकिन, बिल्डर इन नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। उनकी लापरवाही कम होने का नाम नहीं ले रही है, जिससे नागरिकों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है।

# वर्सोवा ब्रिज से समुद्र मे गिरा टैंकर

- चालक की हुई मौत

महानगर संवाददाता

काशिमीरा

घोडबंदर रोड़ स्थित वर्सोवा ब्रिज पर हुई दुर्घटना में एक टैंकर समुद्र में गिरने से टैंकर चालक की मौत हो गयी हैं। मिली जानकारी के अनुसार यह टैंकर गुजरात से मुंबई की तरफ के मार्ग से आ रहा था। इस टैंकर के आगे एक ट्रेलर जा रहा था इन दोनों की टक्कर होने से टैंकर चालक का संतुलन बिगड़ गया एवं वह टैंकर ब्रिज की लोहे की रेलिंग तोड़ कर समुद्र में गिर गया। घटना के बाद काशिगांव पुलिस एवं फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और टैंकर चालक का शव समुद्र से बाहर निकल लिया गया। बताया जा रहा है कि टैंकर ठाणे की तरफ जा रहा था। काशिगांव पुलिस इस दुर्घटना की जांच कर रही है,यह भी मालूम किया जा रहा है की टैंकर चालक के साथ अन्य कोई और भी इस टैंकर में सवार था क्या। इस दुर्घटना के बाद भाजपा महासचिव अनिल भोसले ने कहां की यह ब्रिज काफी व्यस्त ब्रिज है,यहां पर दिन रात वाहनों का आवागमन होते रहता हैं। इस ब्रिज पर पहले भी इस तरह की घटना हो चुकी है। यहां पर एक स्कूल बस भी दुर्घटनाग्रस्त हुई थी,उस बस में काफी स्कूली बच्चे थे। गमीनत यह रही की उनमें किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। भोसले ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से मांग की है की इस ब्रिज पर सुरक्षा के हिसाब से अच्छी रेलिंग लगाई जाएं जिससे इस प्रकार की दुर्घटना के वक्त वाहन समुद्र में गिर सके ।

# वर्क फ्रॉम होम के नाम पर लाखों की ठगी

**एक आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार**

**वसई।** 'वर्क फ्रॉम होम' का झांसा देकर लाखों रुपए की साइबर ठगी करने वाले एक शातिर अपराधी को बोलींज पुलिस अंतर्गत गुन्हे प्रकटीकरण पथक ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान विशाल जगतसिंह खुबड (28, निवासी रामपुरा गांव, दिल्ली) के रूप में हुई है। यह मामला 8 अक्टूबर से 15 अक्टूबर के बीच का है, जब विरार पश्चिम के म्हारंबलपाड़ा निवासी शिकायतकर्ता नीलेश पाटिल को एक महिला ने खुद को 'UAN-JNJ' कंपनी का प्रतिनिधि बताकर 'वर्क फ्रॉम होम' का ऑफर दिया। शिकायतकर्ता को शुरुआत में छोटे टास्क दिए गए और कुछ पैसों का रिटर्न भी मिला, जिससे उनका विश्वास बढ़ गया। इसके बाद, 'गोल्ड बिडिंग', 'प्लैटिनम बिडिंग', और 'डबल प्लैटिनम टास्क' जैसी आकर्षक योजनाओं के नाम पर उनसे कुल 9,65,577 रुपए ठग लिए गए। नीलेश पाटिल द्वारा भेजी गई यह रकम फेडरल बैंक, बंधन बैंक और आरबीएल बैंक जैसे विभिन्न खातों में ट्रांसफर की गई थी। बोलींज पुलिस की टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति से दिल्ली में दबिश दी। कई पते फर्जी निकले, लेकिन लगातार आठ दिनों की कड़ी निगरानी और तकनीकी के बाद आखिरकार विशाल जगतसिंह खुबड को दिल्ली से धर दबोचा गया।

## एक्ट्रेस के साथ धोखाधड़ी

**मुंबई।** वर्ली पुलिस ने एक्ट्रेस गार्गी पटेल की शिकायत 45 हजार की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। शिकायत के मुताबिक एक शख्स ने उनके घर का पुराना समान खरीदने की रुचि दिखाई, जिसके बाद अधिक पैसे अकाउंट में भेजे जाने का बहाना कर आरोपी ने एक्ट्रेस के साथ धोखाधड़ी की है। पुलिस में दर्ज की गई शिकायत के मुताबिक नकली मोबाइल टेक्स्ट मैसेज बनाकर आरोपी ने एक्ट्रेस गार्गी पटेल से 45,000 रुपये की ठगी की है। पीड़ित महिला ने मुंबई पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि आरोपी युवक ने पहले नकली मैसेज भेजकर उनके बैंक खाते में पैसे जमा होने का झूठा दावा किया और फिर इसी बहाने से उनसे व उनके पति से कुल 45,000 रुपये उनके वर्कर और डॉक्टर के नाम पर दूसरे दूसरे अकाउंट में मंगवाए।

# वसई में जन्मदिन की पार्टी में खूनी झड़प

**एक की मौत, एक घायल**

**वसई।** रविवार रात वसई पश्चिम के उमेला पापड़ी स्थित राम मोहन लोहिया नगर में एक जन्मदिन की पार्टी में हुई खूनी झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुखद घटना शराब पीने को लेकर हुए मामूली विवाद के बाद हुई, जिसने खुशी के माहौल को मातम में बदल दिया। मृतक की पहचान आकाश मिलिंद पवार के रूप में हुई है, जबकि राहुल धर्म भुरकुड़ (27) घायल हुए हैं। पुलिस ने इस मामले में मनीष रमेश पांडे (37) को मुख्य आरोपी बनाया है और उसकी तलाश में जुटी हुई है। यह घटना रविवार, 22 जून की रात लगभग 8:30 बजे की है। घायल राहुल भुरकुड़ के दोस्त महेश का जन्मदिन मनाने के लिए बब्लू खान भांगर दुकान,पापड़ी एमआईडीसी के पास एक पार्टी का आयोजन किया गया था। पार्टी में शराब पीने के दौरान ही राहुल और मनीष रमेश पांडे के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते यह बहस झगड़े में बदल गई और मनीष पांडे ने कथित तौर पर राहुल के पेट में चाकू से हमला कर दिया।

# भारतीय सद् विचार मंच द्वारा नि :शुल्क नोटबुक वितरण

महानगर संवाददाता

मुंबई

सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्था भारतीय सद्विचार मंच द्वारा दत्तक ली गयी बस्ती जिवदानी नगर,काजूपाड़ा (घोड़बंदर रोड, ठाणे ) के छात्रों (पहली कक्षा से बारहवीं कक्षा) को निशुल्क नोटबुक वितरित की गई। दहिसर(पूर्व) में स्थित भारतीय सद्विचार मंच सभागार में संस्था संस्थापक, मुख्य मार्गदर्शक डॉ.राधेश्याम तिवारी की अध्यक्षता, मुख्य अतिथि आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली और संस्था के अध्यक्ष डॉ. शिवश्याम तिवारी के मुख्य संयोजन में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में शिक्षाविद् डॉ. हृदयनारायण मिश्रा, समाजसेवी श्रीकांत पाण्डेय, वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ.आर.के.चौबे, वरिष्ठ पत्रकार विनोद यादव,शिवपूजन पाण्डेय, समाजसेवी हरिशंकर तिवारी, संस्था के शिक्षक प्रकोष्ठ के संयोजक हरिप्रसाद पाण्डेय ,पूर्व महामंत्री बी.पी. मिश्रा, युवा समाजसेवी ललित शुक्ला, यशीन पाठक,संस्था शुभेच्छु दीपक खेर, गुरुदेव मिश्रा और विनोद (पप्पू) तिवारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था महामंत्री नागेन्द्र मिश्रा और उपाध्यक्ष पं.कमलाशंकर मिश्रा ने आभार व्यक्त किया। संस्था कार्यकारिणी के पदाधिकारी महेंद्रकुमार मिश्रा,मनोज चतुर्वेदी, हेमन्त पाण्डेय,गणेशप्रसाद पाण्डेय,बी.एम.गुप्ता, शाखा प्रभारी रत्नेश दुबे, रामप्रकाश तिवारी,उमेश सिंह,डॉ.मनोज मिश्रा,अजय तिवारी, सूर्यप्रकाश(संतोष) मिश्रा और संस्था की शाखा काजूपाड़ा के संयोजक प्रमोद तिवारी और सचिन मोरे ने कार्यक्रम को सफल सफल बनाने में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में आयोजित स्नेह भोज में काजूपाड़ा से आये सभी नागरिक, छात्र,छात्राएं और कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिऔर शुभेच्छुगण शामिल हुए।

# गोरेगांव फिल्म स्टूडियो में लगी आग

**टीवी सीरियल अनुपमा का सेट जलकर खाक**

महानगर संवाददाता

मुंबई

सोमवार को मुंबई में आग लगने की तीन घटनाएं घटी। तीनों ही घटनाओं में सुदैव से कोई हताहत नहीं हुआ। पहली घटना गोरेगांव पश्चिम में फिल्म स्टूडियो में घटी, जबकि उसके बाद घाटकोपर पश्चिम में एक चाल में घटी, वहीं सुबह के समय ही मरीन लाइन में एक इमारत में आग लगने की घटना घटी। तीनों ही आग की घटनाओ में सुदैव से कोई हताहत नहीं हुआ सम्पत्ति का बड़ा नुकसान हुआ। आग लगने की पहली घटना गोरेगांव (पश्चिम) स्थित फिल्म सिटी में अनुपमा स्टूडियो में भीषण आग लग गई। इस आग में शूटिंग के लिए बनाया गया पूरा सेट सामान और अन्य उपकरण जलकर खाक हो गए। करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद अग्निशमन दल ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। समय रहते आग पर नियंत्रण पाने से बड़ा हादसा टल गया, लेकिन स्टूडियो को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। स्टूडियो की मरम्मत का काम अब शुरू करना पड़ेगा, जिससे चल रहे शूटिंग कार्यक्रम पर असर पड़ेगा। बता दें कि अनुपमा को राजन शाही ने प्रोड्यूस किया है।

### मरीन लाइन के पास लगी आग, कोई हताहत नहीं

मरीन लाइन स्टेशन के पास भगवानदास टोलानी मार्ग पर स्थित नीलकंठ निरंजन बिल्डिंग में सोमवार सुबह आग लगने की घटना सामने आई। जानकारी के मुताबिक, ग्राउंड प्लस सात मंजिला इस इमारत की छठीं मंजिल पर स्थित एक कार्यालय में सुबह 10:55 बजे आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड, पुलिस, बेस्ट और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने का प्रयास तुरंत शुरू कर दिया गया। फिलहाल इस घटना में किसी के घायल होने की कोई जानकारी नहीं है।आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

## जानवरों की हड्डियां ले जाते दो आरोपी गिरफ्तार

**भिवंडी।** शहर के धामणकर क्षेत्र में एक ट्रक से अवैध रूप से जानवरों की हड्डियां ले जाते हुए दो आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। इस मामले में शहर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, ट्रक क्रमांक MH-16- AE-4059) में बड़ी मात्रा में जानवरों की हड्डियां ले जाई जा रही थीं, जिनका कोई वैध दस्तावेज या अनुमति नहीं थी। वाहन में सवार व्यक्तियों की पहचान सलीम रफीक कुरेशी निवासी दरगाह रोड़ और अबु सौद इकबाल अहमद अंसारी के रूप में हुई है। अबु सौद पेशे से वाहन चालक है और मूल रूप से मालेगांव का निवासी है। इस मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 325, 271 एवं महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम 1956 के कलम 5,5(अ),5(ब),5(क),6,9,9(अ) के तहत केस दर्ज किया ग है। जांच में सामने आया है कि आरोपी बिना किसी वैध अनुमति के जानवरों के अवशेष, विशेष रूप से हड्डियां, लेकर जा रहे थे। वाहन को तुरंत जब्त कर लिया गया है और बरामद हड्डियों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

# गंदगी एवं बदबू में जीने को मजबूर गणेश देवल नगर के रहवासी

**भायंदर।** भायंदर ( पश्चिम ) स्थित गणेश देवल नगर के लोग गंदगी एवं बदबूदार माहौल में जीने को मजबूर है। गणेश देवल नगर एवं जय बजरंग नगर के बीच में एक बड़ा नाला है। यह नाला गंदगी से भरा पड़ा है, एवं यहां पर दुर्गंध फैली हुई है। हालही में मनपा द्वारा यहां पर ठेकेदार के माध्यम से इस नाले की सफाई कराई गयी थी, परन्तु ठेकेदार द्वारा यहां पर सफाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गयी है। ठेकेदार तो यहां पैसा कमाने के चक्कर में था परन्तु यहां की देख रेख करने वाले मनपा अधिकारी एवं कर्मचारीयों की भी इस मामलें में उदासीनता समझ से परे हैं। यहां के स्थानीय रहवासी एवं पूर्व नगरसेवक पंकज पांडेय ने मनपा अधिकारियों एवं ठेकेदार की मिली भगत का आरोप लगाया हैं। पंकज पांडेय ने आरोप लगाया की इस नाले की सफाई को सिर्फ 10 दिन के करीब हुआ हैं उसके बावजूद यहां पर गंदगी भरी पड़ी हैं। इस नाले के बगल में रहने वाले लोग इस गंदगी की वजह से हमेशा बिमार रहते हैं। इतनी बड़ी महानगरपालिक में भी आज लोग ग्रामीण क्षेत्रों से भी बुरी स्थिति में रहने को मजबूर हैं। वहीं ठेकेदार के काम करने के तरीके से भी अंदाजा लग रहा हैं की उसने किस गुणवत्ता का काम किया हैं ।

छत्तीसगढ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, कोटा
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(तृतीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 170286 निविदा सूचना क्र. 07/व.ले.लि./ ई-प्रोक्युरमेंट/2025-26 दि. 20-06-2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 07-07-2025 17:30 बजे तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम - बिलासपुर जिले के लोवर मनियारी व्यपवर्तन योजना के ऊंचाई में वृद्धि एवं नहर लाईनिंग कार्य।

अनुमानित लागत - ₹ 356.66 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 27-06-2025 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

हस्ता/-
कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कोटा
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

G-252601720/3


## पूर्व सीमा शुल्क अधिकारी की पत्नी गिरफ्तार

**ठाणे।** ठाणे की पुलिस ने पारिवारिक विवाद में संपत्ति हस्तांतरण करने के लिए कथित जालसाजी करने के आरोप में पूर्व सीमा शुल्क अधिकारी मबूद खान की पत्नी को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी अधिकारियों ने सोमवार को दी। ठाणे शहर पुलिस का नौपाड़ा पुलिस स्टेशन मामले की जांच कर रहा है। संबंधित संपत्तियां ठाणे जिले के दावला गांव और रायगढ़ जिले के कर्जत में हैं। नौपाड़ा पुलिस ने फिरोजा माबूद खान को वसीयत में हेराफेरी करने, फर्जी स्टांप पेपर बनाने और उसका उपयोग करने, मजिस्ट्रेट का मुहर एवं हस्ताक्षर बनाने और उस पर राज्य का प्रतीक और सत्यमेव जयते अंकित करने के मामले में गिरफ्तार किया है।

# रिपब्लिकन पार्टी ऑफ़ इंडिया का राष्ट्रीय कार्यकारिणी सम्मेलन संपन्न

महानगर संवाददाता

मुंबई

भारत रत्न डॉ. बी. आर. अंबेडकर द्वारा स्थापित की गई रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय कार्यकारिणी सम्मेलन विगत दिनों सोलापुर में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. राजेंद्र गवई द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार सम्मेलन में पार्टी के अंतर्गत होने वाले चुनाव की घोषणा की गई। 1 जुलाई से प्रारंभ पार्टी की सदस्यता 1 अगस्त तक ली जा सकती है। जिला रिपाई अध्यक्ष का चुनाव 15 अगस्त से 1 सितंबर के बीच किया जाएगा। इसी तरह राज्य रिपाई अध्यक्ष का चुनाव 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर के बीच किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 9 दिसंबर के पूर्व होगा। गवई ने बताया कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने सदस्यता के लिए आधार कार्ड का होना जरूरी किया है।

## डॉ. संजय लाखे-पाटिल ने पार्टी छोड़ी

**मुंबई।** स्थानीय निकाय चुनावों से पहले मराठवाड़ा में शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका देते हुए डॉ. संजय लाखे-पाटिल ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में जालना निर्वाचन क्षेत्र से टिकट देने का वादा किए जाने के बाद उन्होंने पिछले साल कांग्रेस छोड़ दी थी और उद्धव ठाकरे के गुट में शामिल हो गए थे। लेकिन पार्टी अध्यक्ष ठाकरे ने उन्हें आखिरी समय में बाहर कर दिया। पाटिल ने आरोप लगाया कि ठाकरे समूह के सांसद संजय राऊत और यूबीटी अध्यक्ष ने अपने निजी एजेंडे के कारण उन्हें चुनाव नहीं लड़ने दिया।

# दिवाली के बाद मुंबई मनपा चुनाव होने की संभावना

## प्रभाग रचना का अंतिम ड्राफ्ट अब सितंबर में

## पिछले आदेश में संशोधन, बढ़ाए गए चरण

महानगर संवाददाता

मुंबई

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव में थोड़ा विलंब हो सकता है। सोमवार को महाराष्ट्र शासन के नगर विकास विभाग की तरफ से प्रभाग रचना को लेकर जारी आदेश में संशोधन किया गया है। नए आदेश के अनुसार प्रभाग रचना (वार्ड रचना) को अंतिम मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेजने की जिम्मेदारी मनपा आयुक्त से लेकर नगर विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव व प्रधान सचिव को दे दी गई है। साथ ही अब अगस्त के बजाय सितंबर में राज्य चुनाव आयोग को प्रभाग रचना का अंतिम प्रस्ताव भेजा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में महानगरपालिका, महानगरपालिका और नगर पंचायतों के आम चुनाव चार महीने के भीतर कराने का आदेश दिया है। नए आदेश के अनुसार चुनाव के लिए वार्ड संरचना योजना तैयार करने की प्रक्रिया सितंबर के अंत तक जारी रहेगी।

दिवाली अक्टूबर में है। चूंकि उस दौरान चुनाव होने की संभावना नहीं है, इसलिए महानगरपालिका के चुनाव दिवाली के बाद होने की संभावना है। नगर विकास विभाग ने सोमवार को अपने पिछले आदेश में संशोधन किया। पिछले आदेश में कहा गया था कि वार्ड संरचना के लिए अंतिम प्रस्ताव महानगरपालिका आयुक्त के माध्यम से चुनाव आयोग को भेजा जाएगा। इसके बजाय अब अंतिम प्रस्ताव अगस्त के बजाय सितंबर में नगर विकास विभाग की तरफ से चुनाव आयोग को भेजा जाएगा। चूंकि प्रक्रिया के चरण भी बढ़ाए गए हैं, इसलिए इस प्रक्रिया में और देरी होने की संभावना है। राज्य में पिछले कुछ दिनों से स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है। नगर विकास विभाग ने पिछले 10 जून को प्रभाग रचना के आदेश जारी किए थे। इसके बाद प्रभाग रचना का तिथिवार कार्यक्रम घोषित किया था। 11 जून से यह प्रक्रिया शुरू हो गई है। पिछले कार्यक्रम के अनुसार अंतिम प्रभाग संरचना योजना 12 अगस्त से 18 अगस्त के बीच चुनाव आयोग को मंजूरी के लिए भेजी जानी थी। सोमवार को घोषित नए कार्यक्रम के अनुसार इसे 16 सितंबर से 22 सितंबर के बीच चुनाव आयोग को भेजा जाएगा। आयोग के पास इसे मंजूरी देने पर फैसला लेने के लिए 2 अक्टूबर तक का समय है।

# कार के लेन-देन को लेकर दोस्त की हत्या

- कामशेत पुलिस के हद्द में मिला शव
- मुंबई में दर्ज था मिसिंग केस

**मुंबई।** मानखुर्द में रहने वाले मोहम्मद सलीम अब्दुल करीम वाहिद अंसारी की गुमशुदगी की जांच करते हुए पुलिस ने उसकी हत्या करने वाले दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक को आखिरी बार पिंपरी-चिंचवड़, पुणे क्षेत्र में अपनी कार एमएच 03 इएस 1507 के साथ देखा गया था,जिसके बाद से परिजनों से उसका संपर्क टूट गया था। जिसकी शिकायत पर मानखुर्द पुलिस ने 19 जून को रात गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस उपायुक्त ज़ोन 6 समीर शेख के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मधु घोरपडे ने पुलिस की तीन टीम गठित कर मामले की जांच शुरू की। कार की आखिरी लोकेशन पुणे के भोसरी इलाके में मिली,जिसके बाद टीम ने घटनास्थल के आसपास जांच की तो, इसी दौरान कामशेत पुलिस क्षेत्र में टोल नाके के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई। जब पुलिस टीम ने शव का मिलान किया तब पता छापा की वह मोहम्मद सलीम अब्दुल करीम वाहिद अंसारी का शव है। जांच में सामने आया कि अंसारी की हत्या उसके ही मित्र ने कार के लेन-देन को लेकर की थी। पुलिस ने मृतक के मित्रों के मोबाइल नंबरों की तकनीकी जांच, मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे के टोल नाकों और निजी सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपी की पहचान की और उसे लातूर से गिरफ्तार कर लिया गया।

# आज से अगले पांच दिनों तक समुद्र में उठेंगी ऊंची लहरें

## समुद्री के किनारे न जाने की मनपा ने नागरिकों दी सलाह

महानगर संवाददाता

मुंबई

मंगलवार से 28 जून (शनिवार) तक लगातार पांच दिनों तक समुद्र में बड़ी ऊंची लहरें उठने वाली हैं। मनपा प्रशासन ने समुद्र किनारों पर मौज मस्ती करने जाने वाले नागरिकों को सलाह दी है कि समुद्री किनारो पर न जाएं। संभावित दुर्घटना से बचने की अपील की गई है। मनपा प्रशासन ने इस साल के मानसून के दौरान जून से सितंबर के बीच कुल 19 बार समुद्र में बड़ी लहरें उठने की संभावना है। बड़ी लहरों का मतलब है कि समुद्र में लहरों की ऊंचाई 4.5 मीटर से अधिक होगी। इस संबंध में मनपा के आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जानकारी जारी की गई है,जिसमें इस दौरान समुद्री किनारों पर जाकर मौज मस्ती करने वालों को चेतावनी दी

है कि खुद का बचाव करें और समुद्र के अंदर से जाने से बचें। मनपा के आपदा विभाग द्वारा दी गई जानकारी में इस बार सबसे ऊंची लहर 26 जून को उठने वाली हैं, जिसकी ऊंचाई 4 . 75 मीटर होगी। मनपा प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि इन सभी दिनों में समुद्र किनारे पर न जाएं और किसी भी आपात स्थिति से बचने के लिए प्रशासन द्वारा जारी की गई सभी सूचनाओं का पालन करें।

| | | | |
|---|---|---|---|
| 24 जून, मंगलवार | सुबह 11:15 बजे | लहरों की ऊंचाई | 4.59 मीटर |
| 25 जून, बुधवार | दोपहर 12 :05 बजे | लहरों की ऊंचाई | 4.71 मीटर |
| 26 जून, गुरुवार | दोपहर 12 :55 बजे | लहरों की ऊंचाई | 4.75 मीटर |
| 27 जून, शुक्रवार | दोपहर 1:40 बजे | लहरों की ऊंचाई | 4.73 मीटर |
| 28 जून, शनिवार | दोपहर 2 :26 बजे | लहरों की ऊंचाई | 4.64 मीटर |

# 100 प्रतिशत परिणाम की हैट्रिक

**मुंबई।** महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल ने इस वर्ष फरवरी-मार्च में दसवीं की सालाना परीक्षा आयोजित की थी। इस परीक्षा के घोषित परिणामों में धारावी स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) का परिणाम 100% रहा है। इससे पहले भी पिछले दो वर्षों में इस विद्यालय का दसवीं का परिणाम 100% रहा है। इस वर्ष भी 100% परिणाम की परंपरा को कायम रखते हुए विद्यालय ने दसवीं के परिणाम में 100% की हैट्रिक हासिल की है। इस विद्यालय के अंग्रेजी माध्यम से परीक्षा में शामिल 60 में से सभी 60 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। इनमें से 32 विद्यार्थियों ने डिस्टिंक्शन (उत्कृष्ट) श्रेणी में 16 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में और शेष विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी में सफलता प्राप्त की है। नसरीन सानपोई नामक छात्रा ने 92% अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, ऐसी जानकारी विद्यालय की प्राचार्य स्वाति प्रमोद होलमुखे ने दी।

विद्यार्थियों की इस सफलता में उनके कक्षा शिक्षक, सहायक शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान है। साथ ही, तीनमाही पालक बैठकें, हर शनिवार को पालकों को शिक्षकों से मिलने की खुली छूट, और विद्यार्थियों के लिए 1 जून से शुरू की गई अतिरिक्त कक्षाएं—इन सबका परिणाम है यह 100% सफलता, ऐसा भी प्राचार्य स्वाति होलमुखे ने कहा। इस सफलता के लिए बाबूराव माने ने सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों, उनके माता-पिता, कक्षा शिक्षकों, अन्य शिक्षकों और विद्यालय की प्राचार्य स्वाति होलमुखे का विशेष रूप से अभिनंदन किया है।

# दावोस के 46 एमओयू में से 15 को जमीन आवंटित: सामंत

## महायुति सरकार में मुख्यमंत्री रोजगार निर्माण को बड़ी सफलता

महानगर संवाददाता

मुंबई

राज्य के उद्योग व मराठी भाषा मंत्री डॉ. उदय सामंत ने कहा कि दावोस में 15,72,654 करोड़ के एमओयू किए गए थे, इनमें से कुल 46 एमओयू में से 15 उद्योग को जमीन आवंटित की जा चुकी है। 7 परियोजनाओं के लिए भूखंड वितरण का काम जारी है। 20 परियोजनाओं को पर्यायी भूखंड की प्रक्रिया शुरू है तथा 4 परियोजनाएं का काम प्राथमिक स्तर है। उन्होंने कहा कि इन सभी प्रक्रियाओं पर काम चल रहा है और घोषित निवेश निश्चित रूप से साकार होगा। यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में सामंत ने कहा कि महायुति सरकार के शासनकाल में मुख्यमंत्री रोजगार निर्माण को बड़ी सफलता मिली है। वर्ष 2020-21 में 15 हजार के लक्ष्य में 4148 और वर्ष 2021-22 में 6 हजार के लक्ष्य में 5023 नए उद्यमी बने। महायुति के तीन साल के शासनकाल में कुल 50 हजार नए उद्यमी तैयार हुए। वर्ष 2022-23 में 12,326, 2023-24 में 19,800 तथा 2024-25 में अभी तक 22,843 नए उद्यमी तैयार हुए।

### स्थानीय उद्यमियों का बड़ा निवेश

सामंत ने कहा कि स्थानीय उद्यमियों की तरफ से भी बड़ा निवेश किया गया। 2024 में विस्तार के लिए स्थानीय उद्यमियों की तरफ से 96,681 करोड़ का निवेश किया गया। वर्ष 2025 के लिए 1,27,322 करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह निवेश महाराष्ट्र को औद्योगिक रूप से मजबूत करेगा। उद्योग मंत्री ने कहा कि शहद ग्राम योजना पहले चरण में 10 गांवों में क्रियान्वित की जा रही है। ग्रामीण किसानों और मधुमक्खी पालन के लिए रोजगार सृजन पर 5 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा योजना के तहत महाराष्ट्र में 30,650 लाभार्थियों को कर्ज का वितरण किया गया है। सिलाई और राजमिस्त्री के लिए आवेदन अस्थाई रूप से निलंबित किए गए हैं। अन्य क्षेत्रों में कर्ज का वितरण जारी है।

### बारसू में आरामको के ग्रीन सिग्नल का इंतजार

कोकण के बारसू में ग्रीन रिफाइनरी परियोजना के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उद्योग मंत्री ने कहा कि कहा कि वहां मिट्टी परीक्षण का काम हो चुका है। कंपनी आरामको की तरफ से हरी झंडी मिलने के बाद प्रोजेक्ट आगे बढ़ेगा, हालांकि स्थानीय लोगों को विश्वास में लेकर ही काम आगे बढ़ाया जाएगा। कोकण के यूबीटी नेता भास्कर जाधव की नाराजगी और राजनीति से संन्यास लेने की खबरों पर उदय सामंत ने कहा कि वे अनुभवी नेता हैं और उन्हें राजनीति से संन्यास के बारे में सोचना नहीं चाहिए।

### सातारा में 3500 एकड़ में औद्योगिक गलियारा

उद्योग मंत्री ने नए औद्योगिक कारिडोर और परियोजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सातारा में 3500 एकड़ में औद्योगिक गलियारा, कोकण में 2,500 एकड़ का औद्योगिक गलियारा बनाया जाएगा। पुणे के पुरंदर में स्थानीय लोगों को विश्वास में लेकर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने के लिए जमीन का अधिग्रहण प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। नागपुर, छत्रपति संभाजी नगर और कोकण में विभिन्न भूमि अधिग्रहण का काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि गडचिरोली में 75 हजार से 1 लाख करोड़ की स्टील परियोजना, छत्रपति संभाजी नगर में 56,000 करोड़ की वाहन निर्माण परियोजना, पुणे में महिंद्रा का 10,000 करोड़ का विस्तार के अलावा रायगड में रिलायंस की 30,000 करोड़ की विस्तार योजना लगाई जाएगी।

# मनपा चुनाव से पहले उद्धव को लग सकता है झटका

- पूर्व मंत्री भास्कर जाधव ने दिया राजनीति से संन्यास लेने के संकेत
- मैं नाराज नहीं हूं : जाधव

महानगर संवाददाता

मुंबई

पूर्व मुख्यमंत्री और यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे को मनपा चुनाव से पहले एक बड़ा झटका लग सकता है। पूर्व मंत्री और यूबीटी के विधायक भास्कर जाधव ने राजनीतिक संन्यास लेने का संकेत दिया है। भास्कर जाधव के राजनीतिक संन्यास के संकेत के बाद राज्य की राजनीति में विभिन्न तरह की चर्चा शुरू हो गई है। यूबीटी में हलचल तेज हो गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भास्कर जाधव पार्टी नेतृत्व के कार्यशैली नाराज चल रहे है। इसलिए उन्होंने सार्वजनिक मंच से संन्यास लेने का संकेत दिया है,जाधव के संकेत के बाद यूबीटी जाग गई और उन्हें मनाने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। यूबीटी के प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि भास्कर जाधव पार्टी से नाराज नहीं हैं, उनसे हमने खुद बात की है पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भास्कर जाधव को मातोश्री बुलाया है,उनके

एकनाथ शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में जाने की चर्चा है। इधर राजनीति गरमाने के बाद भास्कर जाधव खुद मीडिया के सामने आए और अपने संन्यास वाले बयान पर स्पष्टीकरण दिया। भास्कर जाधव ने कहा,मैं नाराज नहीं हूं। जो बातें मेरे मन में नहीं होतीं, मैं उनका खुलासा भी नहीं करता अगर कोई लगातार मेरे बारे में बात कर रहा है,तो मैं उसका जवाब नहीं देता हूं। जाधव ने कहा कि पिछले आठ अलग-अलग चुनाव जीतने के बाद मैंने अपनी निजी राय को रखते हुए राजनीति से संन्यास लेने की बात कही थी,लेकिन मेरे बयान को नाराजगी के रूप में लिया गया।

# 38 फरार और वांछित आरोपी पकड़ाए

## छिपकर रह रहे थे आरोपी

**मुंबई।** मुंबई पुलिस ने फरार आरोपियों को ढूंढने के लिए विशेष अभियान चलाया है। जिसके तहत 11 जून से 20 जून के दौरान, ज़ोन 4 पुलिस के आदेशानुसार, ज़ोन 04 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न पुलिस थानों की सहायता से वांछित व फरार आरोपियों को पकड़ने हेतु एक विशेष अभियान चलाया गया। इस विशेष कार्रवाई के लिए ज़ोन 04 के प्रत्येक पुलिस थाने में एक टीम का गठन किया गया था। साथ ही, इन टीमों को वांछित और फरार आरोपियों की तलाश के लिए निर्धारित एसओपी से अवगत कराया गया था। इस अभियान के दौरान पुलिस को कुल 38 आरोपियों को पकड़ने में सफलता मिली, जिनमे वांछित आरोपी 34 शामिल हैं, जिसमें शरीर संबंधी अपराधों के 13, संपत्ति संबंधी अपराधों के 9 और अन्य अपराधों के 12 और चार फरार आरोपी जिनपर शरीर संबंधी अपराधों के दो, संपत्ति संबंधी एक और अन्य अपराधों के एक मामले शामिल हैं। विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि इनमें से कुछ आरोपी वर्ष 1989, 1993 और 2007 के गंभीर मामलों में वांछित आरोपी भी शामिल हैं। अभियान में शामिल पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम ने सराहनीय कार्य करते हुए एक उत्कृष्ट सफलता दर्ज की। मुंबई पुलिस की यह कार्यवाही न केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है, बल्कि फरार अपराधियों को पकड़ कर न्याय प्रक्रिया को गति भी प्रदान की है।

# मुंबईकरों के लिए अलग 'वाकिंग प्लाजा'

महानगर संवाददाता

मुंबई

फुटपाथों पर फेरीवालों का कब्जा है, जिससे पैदल चलना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में मुंबई महानगरपालिका ने मुंबईकरों और पर्यटकों के लिए अलग से फुटपाथ का पूरा उपयोग 'वाकिंग प्लाजा' के रूप में करने का फैसला किया है। यह कोलाबा निर्वाचन क्षेत्र के प्रकाश पेठे मार्ग पर दीपक जोग चौक (मंत्रालय के पास) से भाई बंदरकर चौक (बधवार पार्क) तक पर्यटकों के लिए अलग रास्ता होगा। मुंबई महानगरपालिका के ए वार्ड की ओर से एक ठेकेदार की नियुक्ति भी कर दी गई है और इस प्लाजा का 40 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। महानगरपालिका ने दिसंबर तक प्लाजा का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

### मुंबई नगर निगम द्वारा 40 प्रतिशत कार्य पूरा

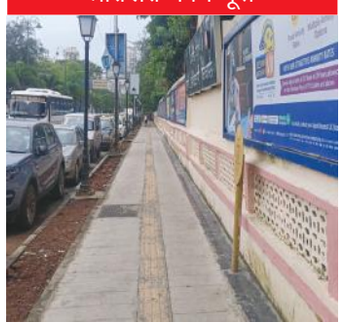

### पांच करोड़ रुपए खर्च कर रही मनपा

इस कार्य पर लगभग पांच करोड़ रुपए खर्च कर रही है। जिसके लिए पर्यटन विभाग और जिला नियोजन विकास समिति से निधि स्वीकृत की गई है। इस काम के लिए सुर्या इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन को नियुक्त किया गया है। पैदल मार्ग के अंतर्गत सड़क, फुटपाथ पर अनधिकृत निर्माण हटाना, स्टैम्प कंक्रीट का फुटपाथ बनाना, सौंदर्यीकरण करना, थ्री-डी पेंटिंग, दिशा सूचक बोर्ड लगाना और सजावटी पौधे लगाने जैसे कार्य किए जा रहे हैं। यह मार्ग सामान्यतः वाहनों और पैदल यात्रियों से व्यस्त रहता है। स्वतंत्र मार्ग बनने के बाद पर्यटक इस इलाके में आराम से घूम सकेंगे। पार्किंग समस्या का समाधान करने का भी प्रयास किया जा रहा है। इस वाकिंग प्लाजा पर किसी भी प्रकार के अवैध फेरीवालों और अतिक्रमण को रोकने के लिए निगरानी रखी जाएगी।

# शराब के लिए नहीं दिया पैसा, पत्नी की कर दी हत्या

**मुंबई।** गोरेगांव इलाके में पति द्वारा शराब के लिए पैसे मांगने पर पत्नी के इनकार से नाराज पति ने पत्नी की हत्या कर दी। मृतक महिला का नाम गौशिया वसीम शेख है। मामले में बांगुर नगर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। घटना वाले दिन भी वसीम ने गौशिया से शराब के लिए पैसे मांगे, लेकिन गौशिया के इनकार करने पर उसने गुस्से में आकर गौशिया का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया।


**PUBLIC NOTICE**

Public Notice is hereby given that Mr. Godrej Kharshedji Palsetia is intending to buy Flat No. B-1204 situated at Jiten Cooperative Housing Society, Rajkumar Corner, Near Azad Nagar Metro Station, Andheri (West), Mumbai - 400 053 from Karim Sherali Daya. Any person having any objection or any lien or any interest or charge and or any kind of interest are required to file their written objections within 14 days from the receipt of the notice.
Written objections filed after 14 days will not be considered.
Dated this day 24/06/2025
Sd/-
**Advocate Prashant Surve**
703 A Wing, D.N. Nagar Deep Society., J.P. Road, Andheri (W), Mumbai - 53.

**CHANGE OF NAME & DOB**

I, **RATNABAI** Mother of No. **2801513P**, Rank: **HAV**, Name **JADHAV BAJARANG DUNDAPA** Unit **6 MARATHA LI** Residing At Vill: Basarge BK, Post: Basarge BK, Teh: Gadhinglaj, Dist.: Kolhapur, State Maharashtra Pin 416506 have changed my name from **RATNABAI** to **RATNABAI DUNDAPA JADHAV** and date of birth **18/11/1961** to **01/01/1964** vide Affidavit dated 21.06.2025 before the Y. M. Khokalekar, Advocate & Notary, Belagavi (Karnataka)



**पश्चिम रेलवे**

**बायो टैंक माउंटिंग ब्रैकेट्स की आपूर्ति और प्रतिस्थापन**

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कैरिएज मरम्मत कार्यशाला, पश्चिम रेलवे, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई – 13 द्वारा **निविदा सूचना क्र. : डब्ल्यूआर/पीएल/एमई/ईएसटी/632480 दिनांक : 19.06.2025 आमंत्रित की जाती हैं. स्थान के साथ कार्य का नाम : बायो टैंक माउंटिंग ब्रैकेट्स (जे ब्रैकेट्स) की आपूर्ति और प्रतिस्थापन. अनुमानित लागत : ₹30,36,704.04. ईएमडी : ₹ 60,700/-. ई-बोलियां ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 10.07.2025 को 14.30 बजे तक. ई-निविदाएं खुलना : 10.07.2025 को 15.00 बजे. बोली प्रपत्र तथा अन्य विवरण जैसे कि शुद्धिपत्र आदि वेबसाइट www.ireps.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं. अधिक जानकारी के लिए मुख्य कार्यशाला प्रबंधक के कार्यालय से कामकाजी समय के दौरान संपर्क करें. 0296**

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly



**ठाणे महानगरपालिका, ठाणे**

मलनि:सारण विभाग
निविदा सूचना

ठाणे महानगरपालिका हद्दीतील मलवाहिनी देखभाल दुरुस्ती या लेखाशिर्षका अंतर्गत मुंब्रा प्रभाग समिती अंतर्गत मलवाहिनींची देखभाल व दुरुस्ती करणे या एक कामाकरीता ऑनलाईन निविदा मागविण्यात येत आहेत.सविस्तर निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र संकेत स्थळ https:/mahatendrs.gov.in वर दि. २५/०६/२०२५ ते दि.०२/०७/२०२५ पर्यंत उपलब्ध असतील. सदर निविदा ई टेंडरींग पध्दतीने दि.०२/०७/२०२५ रोजी १६.००वाजता स्विकारण्यात येतील. प्राप्त निविदा शक्य झाल्यास दि.०३/०७/२०२५ रोजी १७.०० वाजता उपस्थित निविदाकार अथवा त्यांचे प्रतिनिधी समक्ष उघडण्यात येतील. कोणतीही एक अथवा सर्व निविदा कोणतेही कारणे न दाखविता नाकारणेचा अधिकार महापालिका आयुक्त यांनी राखून ठेवला आहे.

ठामपा/पिआरओ/ मलनि:सारण/३६९/२०२५-२६ **सही/-**
दि. २३/०६/२०२५ कार्यकारी अभियंता
Pls visit our official web-site ठाणे महानगरपालिका, ठाणे
www.thanecity.gov.in



**बृहन्मुंबई महानगरपालिका**

जल अभियंता विभाग / ओ.सी. डिविजन
**क्रमांक : डि.एचई /ओपीएस/2036 दिनांक : 23.06.2025**

**ई-निविदा सूचना**

| | |
|---|---|
| विभाग | जल अभियंता |
| डिविजन | उप जल अभियंता (संचालन) / ओ.सी. डिविजन |
| विषय व बोली क्रमांक | ओ.सी. डिविजन में मोडकसागर बांध स्थित निरीक्षण विश्रामगृह की मरम्मत हेतु सलाहकार/वास्तुविद की नियुक्ति<br>अनुमानित लागत : ₹ 2,40,02,002.00 (जीएसटी को छोड़कर)<br>ईएमडी की राशि : ₹ 2,40,100.00<br>**(बोली क्रमांक : 2025_एमसीजीएम_1191683)** |
| ऑनलाइन निविदा बिक्री | 24.06.2025 को 11:00 बजे से 01.07.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक |
| लिफाफा ए, बी और लिफाफा सी जमा करना (ऑनलाइन) | 01.07.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक |
| लिफाफा ए खोलने की तिथि | 04.07.2025 को 16:00 बजे के बाद |
| लिफाफा बी खोलने की तिथि | 04.07.2025 को 16:00 बजे के बाद |
| लिफाफा सी खोलने की तिथि | 15.07.2025 को 11:00 बजे के बाद |
| वेबसाइट | http://mahatender.gov.in |
| ए) संपर्क अधिकारी का नाम | श्री पी. के. जाधव, कार्यकारी अभियंता (निर्माण)<br>श्री एम. के. पवार, सहायक अभियंता (निर्माण)-II |
| बी) दूरभाष | 25431905 (विस्ता. 203) |
| सी) मोबाइल | 99205 24832 / 99209 27767 |
| डी) ई-मेल आईडी | ee01constocdiv.he@mcgm.gov.in |

विस्तृत निविदा सूचना पोर्टल (https://mahatender.gov.in) पर उपलब्ध है.
**यह निविदा दस्तावेज अहस्तांतरणीय है.**
बृहन्मुंबई महानगरपालिका के पास किसी भी समय बिना कोई कारण दर्शाए उपरोक्त विषय हेतु प्राप्त किसी भी अथवा सभी आवेदन को निरस्त करने अथवा किसी भी आवेदन को स्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है.

हस्ता./-
(पी. वी. शेठ)
पीआरओ/774/विज्ञा./2025-26 **उप जल अभियंता (संचालन)**

**छतों को साफ रखें, पुराने सामान/कबाड/बेकार चीजों को हटा दें**


# सायन और बेलासिस ब्रिज के कामों का अतिरिक्त आयुक्त ने लिया जायजा

## रेलवे के अधिकारी भी रहे मौजूद, समय पर काम पूरा करने का निर्देश

**मुंबई।** मनपा प्रशासन दो महत्वपूर्ण पुलों के पुनर्निर्माण का कार्य शुरू किया है। इसमें सायन रेलवे ओव्हर ब्रिज,जो सायन के पूर्व और पश्चिम हिस्सों को जोड़ता है और बेलासीस रेलवे ओव्हर ब्रिज, जो तारदेव,नागपाड़ा और मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन को जोड़ता है। मनपा अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर ने सोमवार को दोनों प्रोजेक्ट साइट का दौरा कर प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान ऐसे बिंदुओं की पहचान की गई,जहां एक साथ काम कर समय पर दोनों ओव्हर ब्रिज का काम पूरा किया जा सके। रेलवे पटरी के ऊपर का हिस्सा रेलवे विभाग द्वारा तैयार किया जाएगा,जबकि अप्रोच रोड का काम मनपा द्वारा किया जाएगा। अभिजीत बांगर ने रेलवे और मनपा के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने पर जोर दिया ताकि काम में किसी प्रकार की देरी न हो। बांगर ने निर्देश दिया कि विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाए और ऐसे कार्यों की पहचान की जाए, जिन्हें एक साथ किया जा सके ताकि समय की बचत हो। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि निर्माण कार्य से नागरिकों को न्यूनतम असुविधा हो और ट्रैफिक व्यवस्था में भी सुधार किया जाए। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता और गति पर विशेष ध्यान देने को कहा। रेलवे और मनपा के अधिकारियों को निर्देश दिया कि नागरिकों की सुविधा के लिए सतर्क रहकर काम करें।


**पनवेल महानगरपालिका**
**ता. पनवेल, जि. रायगड ४१० २०६**

दूरध्वनी कार्यालय:- ०२२-२७४५८०४०/४१/४२ फॅक्स नं.: ०२२-२७४५२२३३
आयुक्त कार्यालय : ०२२-२७४५२३३९ उपायुक्त कार्यालय : ०२२-२७४५५७५१
ई-मेल :- panvelcorporation@gmail.com वेबसाईट: www.panvelcorporation.com

**जा.क्र/प.महा/पर्या./ ३९२५/प्र.क्र. ०५/१९५/२०२५** **दिनांक : २३/०६/२०२५**

**जाहीर निविदा**

पनवेल महानगरपालिकेमार्फत Development and maintenance of garden and roadside plantation in the municipal Area for Miyawaki Plantation at Pisarve Village. या कामाकरिता जाहीर ई- निविदा मागविण्यात येत आहेत.

| अ.क्र. | कामाचा तपशील |
|---|---|
| १ | Development and maintenance of garden and roadside plantation in the municipal Area for Miyawaki Plantation at Pisarve Village. |

सदर निविदा महाराष्ट्र शासनाच्या www.mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर दि.२४/०६/२०२५ रोजी प्रसिध्द होईल. सदर निविदा संकेतस्थळावर दि.०३/०७/ २०२५ पर्यंत उपलब्ध राहील. इच्छुक निविदाधारकांनी याची नोंद घ्यावी.

**सही/-**
**उपायुक्त (पर्यावरण)**
**पनवेल महानगरपालिका**

# आपातकाल विस्मृत न हो

अंग्रेजों से आजाद होने के बाद भारत लोकतांत्रिक देश तो बन गया, लेकिन ठीक 25 साल बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से थोपी गई इमरजेंसी में लोकतंत्र की धज्जियां उड़ गई थी। 25 जून,1975 की आधी रात अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए इंदिरा ने तानाशाही का ऐसा नमूना पेश किया, जो उस पीढ़ी के लोग अब भी नहीं भूल पाए हैं। बीते साल 25 जून को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के तुरंत बाद ओम बिरला ने आपातकाल की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा, जिसमें आपातकाल को 'प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला' बताया गया। इस कदम के बाद सदन में कांग्रेस सांसदों ने विरोध किया। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि पांच दशक पुराने इस काले दौर का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए। संयोगवश, इंडिया ब्लॉक के सदस्यों ने एक दिन पूर्व 24 जून को सदस्य के रूप में शपथ लेते समय संविधान की प्रतियां उठाई थीं। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या कांग्रेस आपातकाल को सही मानती है या फिर यह चाहती है कि लोकतंत्र को कलंकित करने और संविधान का निरादर करने वाले इस तानाशाही भरे कदम का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए? क्या कांग्रेस कांग्रेस चाहती है कि आपातकाल पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। लेकिन आपातकाल के भुगतभोगी आम लोगों और नेताओं का मानना है कि अतीत की भूलों को विस्मृत करने से उनके दोहराए जाने का खतरा बढ़ जाता है। वास्तव में कांग्रेस और उसके नेता आपातकाल की गलती को स्वीकार नहीं करते। अगर वह अपनी गलती स्वीकार करते तो वह यह कहने की हिम्मत जुटाते कि 49 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से देश पर आपातकाल थोपने और राजनीतिक विरोधियों, मीडिया एवं जनता के खिलाफ दमन का चक्र चलाना एक भूल थी। कांग्रेस को आपातकाल की याद दिलाना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि पिछले कुछ समय से वह संविधान के खतरे में होने का फर्जी हौवा खड़ा कर उसके प्रति प्रतिबद्धता जताने में लगी हुई है। यह ठीक है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का संख्या बल बढ़ा है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वह दबे-छिपे स्वर में आपातकाल को सही ठहराने की कोशिश करती दिखने लगे। उसकी यह कोशिश तो आपातकाल के स्मरण को और अधिक आवश्यक ठहराती है। यदि वह संविधान के प्रति इतनी ही अधिक प्रतिबद्ध है तो फिर यह क्यों नहीं स्वीकार करना चाहती कि इंदिरा गांधी ने अपनी संसद सदस्यता खारिज किए जाने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को निष्प्रभावी करने के लिए आपातकाल का सहारा लिया और इस क्रम में इसी संविधान को कुचला और उसकी प्रस्तावना को मनमाने तरीके से बदल दिया। नयी पीढ़ी तो आपातकाल की विभीषिका से बिल्कुल अपरिचित है। बातचीत के क्रम में इस पीढ़ी ने आपातकात शब्द जरूर सुना होगा लेकिन 25-26 जून, 1975 की रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल के दंश की कई पीढ़ियां भुक्तभोगी हैं। आपातकाल के दौरान पूरा देश कारागार में परिवर्तित हो गया था। विपक्ष के सभी नेताओं को रात में ही जगा कर नज़दीकी जेल में ज़बरन उन्हें डाल दिया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस और जमात-ए-इस्लामी सहित 26 संगठनों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। आपातकाल के मुखर आलोचक रहे फिल्मी कलाकारों को भी इसका दंश झेलना पड़ा। किशोर कुमार के गानों को रेडियो और दूरदर्शन पर बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। देव आनंद को भी अनौपचारिक प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था। आपातकाल की कहानी को बार-बार दोहराना इसलिए भी जरूरी है कि आज की युवा पीढ़ी कम से कम यह जान ले कि जो आजादी और स्वतंत्रता उसे अनायास मिली है, सहज सुलभ है, वह दरअसल कितने बलिदानों से मिली है और उसे कायम रखने के लिए कितनी लड़ाइयां हुई हैं! लोगों को पता चलना चाहिए कि संविधान की हत्या किसे कहते हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के शब्दों में, ''आपातकाल की घोषणा ने देश की लोकतांत्रिक संरचना को हिला कर रख दिया। लोकतांत्रिक व्यवस्था के कमज़ोर पक्षों पर व्यापक विचार विमर्श हुआ और देश ने दोबारा कभी भी इसे नहीं लगाए जाने का प्रण किया। यह प्रतिज्ञा तभी बनी रहेगी जब देश बार बार उस आपातकाल से मिलने वाले सबक को याद करता रहेगा। ख़ास कर, युवाओं को आज़ाद भारत के उस काले अध्याय की जानकारी और उससे मिले सबक को जानना होगा।''देश में आपातकाल लागू होने के बाद कई त्रासद घटनाएं हुईं। दिल्ली का तुर्कमान गेट कांड भी इनमें एक था। मुस्लिम बहुल उस इलाके को संजय गांधी ने दिल्ली के सौंदर्यीकरण के नाम पर खाली करा दिया। यह काम लोगों की सहमति से नहीं, बल्कि जबरन किया गया गया। बुल्डोजर से लोगों के घर ढहाए गए। जिन्होंने विरोध किया, उन्हें जेलों में ठूंस दिया गया। विरोध के दौरान पुलिस ने लाठियां बरसाईं और आंसू गैस के गोले छोड़े। पुलिस ने गोलियां भी चलाईं। चार लोगों की जान चली गई। संजय गांधी ने तब तक परिवार नियोजन का अभियान छेड़ दिया था। सड़क से भिखारियों, झोपड़पट्टी के लोगों और राहगीरों को पकड़ कर जबरन नसबंदी के टार्गेट पूरे किए जाने लगे। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में 18 अक्टूबर 1976 को नसबंदी अभियान का विरोध कर रहे आंदोलकारियों पर पुलिस ने सीधी फायरिंग कर दी थी। जिसमें 42 बेगुनाहों की मौत हो गई थी। मृतकों की स्मृति में यहां शहीद चौक बना हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी के दौरान देशभर में 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी। तत्कालीन अटार्नी जनरल नीरेन डे ने तब सुप्रीम कोर्ट में यह कुबूल किया था कि जीने का अधिकार स्थगित है। यदि स्टेट आज किसी की जान भी ले ले तो भी उसके खिलाफ कोई व्यक्ति कोर्ट की में नहीं जा सकता। ऐसे मामलों को सुनने के कोर्ट के अधिकार खत्म कर दिए गए हैं।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

*मुन्ना बनने चले थे, मुन्नी बने मुनीर*
*दो नावों में बैठकर,कौन गया है तीर*
*कौन गया है तीर, खीर खाने को धाए*
*अपनी ही जनता में गिन-गिन गाली खाए*
*कह सुरेश ईरान-चीन को लागे चुन्ना*
*भिखमंगे की जाति बनोगे कैसे मुन्ना*

**25 जून 1975, आपातकाल**

# लोकतंत्र का काला अध्याय है आपातकाल

25 जून, 1975 दिल्ली के रामलीला मैदान की रैली को असफल बनाने के लिए सरकार ने उस रविवार टीवी पर एक बहुचर्चित फिल्म प्रदर्शित करने की घोषणा भी की। लेकिन रैली अभूतपूर्व रही जो जबरदस्त जनाक्रोश का प्रकटीकरण था। विपक्ष एकजुट हो इंदिराजी से त्यागपत्र की मांग कर रहा था। लेकिन सत्तारूढ़ दल के अध्यक्ष और अन्य चाटुकार 'इंडिया इज इंदिरा, इंदिरा इज इंडिया' का नारा बुलंद कर रहे थे।

जब-जब जून आता है,भारत का हर लोकतंत्र प्रेमी लोकतंत्र को कलंकित करने वालों के काले कारनामों को स्मरण कर सहम उठता है। उसे भुलाये नहीं भूलता, 23 जून, 1953 का वह दिन जब श्रीनगर जेल में राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए डॉ. मुकर्जी का बलिदान हुआ था। दूसरी घटना है 12 जून 1975 को एक ओर गुजरात विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस को भारी पराजय का मुह देखना पड़ा था तो उसी दिन इलाहबाद हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित कर दिया था। उन्हें छह साल तक चुनाव लड़ने के अयोग्य करार दिया था। उस समय लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में छात्र आंदोलन चरम पर था। 25 जून, 1975 दिल्ली के रामलीला मैदान की रैली को असफल बनाने के लिए सरकार ने उस रविवार टीवी पर एक बहुचर्चित फिल्म प्रदर्शित करने की घोषणा भी की। लेकिन रैली अभूतपूर्व रही जो जबरदस्त जनाक्रोश का प्रकटीकरण था। विपक्ष एकजुट हो इंदिराजी से त्यागपत्र की मांग कर रहा था। लेकिन सत्तारूढ़ दल के अध्यक्ष और अन्य चाटुकार 'इंडिया इज इंदिरा, इंदिरा इज इंडिया' का नारा बुलंद कर रहे थे। इसीलिए लोकतंत्र की रक्षा का ढ़ोंग करते हुए इंदिराजी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए 25 जून,1975 की आधी रात को मंत्रिमंडल की मंजूरी के बिना देश में आपातकाल घोषित करा दिया। हर नियम, मर्यादा को ताक पर रखकर विपक्ष के सभी बड़े नेता जेलों में डाल दिये गये। देश भर के असंख्य राजनैतिक कार्यकर्ता मीसा के तहत जेल भेज दिये गये। प्रेस पर सेंसर लागू कर दिया गया यानि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को बंधक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई। आज जो लोग दिनभर मीडिया से सोशल मीडिया तक सरकार और उसके नेता के बारे में कुछ भी कहते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध तथा अघोषित आपातकाल का राग अलापते हैं, उन्हें लोकतंत्र की कथित देवी द्वारा प्रेस पर लादे सेंसरशिप से आंखें मूंदना अभिनय है या अज्ञानता? तब सेंसर अधिकारी की अनुमति के बाद ही कोई समाचार छप सकता था। सरकार विरोधी समाचार छापने पर गिरफ्तारी होती थी। पंजाब केसरी से इंडियन एक्सप्रेस तक कई समाचार पत्रों का प्रकाशन रोकने के लिए बिजली के कनैक्शन काट दिए गए। पुणे के 'साधना' और अहमदाबाद के 'भूमिपुत्र' पर मुकदमे लादे गये तो बड़ोदरा के 'भूमिपुत्र' के संपादक को गिरफ्तार कर लिया गया। कई अन्य पत्रकारों को भी मीसा और डीआईआर के तहत गिरफ्तार किया गया था। आपातकाल में प्रशासन और पुलिस के उत्पीड़न की असंख्य कहानियां है। पार्क में प्रातः व्यायाम करने वालों को संघी घोषित कर जेल भेजा गया तो देश की राजधानी में बस स्टैंड पर बससेवा के बारे में अपनी राय व्यक्त करने वाले को उनके घर से उठाकर जेल भेज दिया गया। जिस क्षेत्र में माननीया का पोस्टर बेशक हवा से ही हट जाता, क्षेत्र के अधिकारी की जान सांसत में आ जाती थी। लोकतंत्र के उस प्रहसन में अव्यस्क किशोर तक जेल की चारदिवारी की शोभा बढ़ाते नजर आये। गिरफ्तारी और उन्हें कहां रखा गया है, इसकी सूचना उनके रिश्तेदारों, मित्रों और सहयोगियों को नहीं दी जाती थी। यपुर की महारानी गायत्री देवी और ग्वालियर की राजमाता विजयाराजे सिंधिया को असामाजिक और बीमार बंदियों के साथ रखा। मृणाल गोरे, दुर्गा भागवत को पागलों के बीच रखा। राजनैतिक महिला बंदियों के साथ दुर्व्यवहार और गंदे मजाक किये जाते थे। बंदियों को तंग करने, उनको कोठरी में अकेले रखने, इलाज न कराने आदि के हजारों मामले बाद में शाह आयोग के सामने आये। आपातकाल के उस काले दौर में केवल राजनीतिक असहमति के कारण मीसा के अंतर्गत जेल में बंदी बनाया गया तो उन्होंने अपनी प्रथम पुत्री का नाम ही मीसा रखा। आश्चर्य यह कि आज मीसा और उनके पिताही नहीं, बंधु भी आपातकाल के खलनायकों के वंशजों से बलगहिया कर रहे है। जो कार्यकर्ता प्रचार सामग्री तैयार करते, बांटते अथवा अकारण बंदी बनाए निर्दोष कार्यकर्ताओं के परिवारों से सम्पर्क करते उनपर पुलिस अत्याचार आम बात थी। उनसे सत्याग्रहियों और भूमिगत कार्यकर्ताओं के ठिकानें और उनकी गतिविधियों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए उन्हें अमानवीय यातनाएं दी जाती थी। किसी को भी संघी घोषित कर थाने में घंटों खड़ा रखना, डराना-धमकाना, हफ्तों पूछताछ आम बात थी। पिटाई, हड्डियों तक तोड़ना जैसे हंसी खेल था। दिल्ली के जसवीर सिंह को उल्टा लटकाकर उसके बाल नोंचे गए। बेंगलुरू में जॉर्ज फर्नांडिस के भाई लारेंस फर्नांडिस को इतना पिटा गया कि वे कई वर्षों तक सीधे खड़े नहीं हो पाते थे। अनेक लोगों को क्रूरता से गुप्त चोटें तक दी गईं। लोकतंत्र का मुखौटा लगाये तानाशाही का दमनचक्र छात्रों से मजदूरों तक सभी पर चला। अनुशासित करने के नाम पर नागरिक अधिकारों का हनन किया। हर तरफ एक खास किस्म के आतंक का वातावरण बना 'लोकतंत्र की देवी और उनके युवराज' की जय जयकार का चलन आरंभ किया गया। बिना किसी संवैधानिक दायित्व के युवराज का शासन पर नियंत्रण था। आपातकाल में जहां संवैधानिक मर्यादाओं को तार-तार किया गया वहीं युवराज के इशारे पर परिवार नियोजन अभियान को बदनाम कर उसे गहरी चोट पहुंचाई। उस काल में अनेक स्थानों पर वृद्धों तथा अविवाहित युवकों की जबरन नसबंदी का परिणाम है कि बाद की किसी सरकार में जनसंख्या वृद्धि रोकने के तरीकों पर विचार तक नहीं किया। हमारी किसी भी दल से सहमति, सहानुभूति अथवा विरोध हो सकता है लेकिन उस दौर के कथित नायकों द्वारा अपनी कुर्सी बचाने के लिए लोकतंत्र के साथ किए गए खिलवाड़ को न केवल याद रखना चाहिए अपितु उस मानसिकता का विरोध करना चाहिए। होना तो यह चाहिए था कि यदि कोर्ट ने इन्दिराजी को किसी मामले में दोषी ठहरा दिया था तो उन्हें शालीनता से निर्णय को स्वीकार कर पद त्याग देना चाहिए था। लेकिन उन्होंने संविधान में मनमाने परिवर्तन किए तथा लोकतंत्र को धता बताते हुए विपक्षी ही नहीं अपने दल के लोकतंत्र समर्थक नेताओं को भी सींखचों के पीछे पहुंचा दिया।

**- डॉ. विनोद बब्बर**

# ईरान पर अमेरिकी हमला, युद्ध की समाप्ति या शुरुआत

रविवार, 22 जून, 2025 को तड़के अमेरिका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों,फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर बी-2 स्टील्थ बॉम्बर से सटीक और भयंकर हमले कर वैश्विक खलबली मचा दी। यह हमला इरान पर न केवल एक सैन्य प्रति क्रिया थी बल्कि इसके विश्व राजनीति के निहितार्थ भी थे। यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की 'अमेरिका पहले' नीति और इसराइल के साथ मजबूत गठबंधन को दोहराता है, साथ ही पिछले दो दशकों से मध्य पूर्व के अनंत युद्धों से दूर रहने की अमेरिकी रणनीति को यह कदम पूरी तरह पलट देता है और देश को फिर से युद्ध की स्थिति में ला खड़ा करता है। इस अभियान में 30,000 पाउंड के बंकर-बस्टर बमों का उपयोग हुआ जो फोर्डो जैसे अभेद्य पर्वतीय ठिकानों को नष्ट करने में सक्षम थे। यह एक ऐसी क्षमता है जो केवल अमेरिका के पास उपलब्ध जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर (भारी हथियार भेदक) के माध्यम से संभव थी। इसराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, जो पिछले 15 वर्षों से ईरान को इसराइल के लिए सबसे बड़े खतरे के रूप में देखते रहे हैं, ने आज सुबह अपने कार्यालय से अंग्रेजी में ट्रम्प की प्रशंसा की, यह दर्शाते हुए कि यह कदम उनकी लंबी लड़ाई की जीत है। हालांकि, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने इसराइल के उस आंकलन पर सवाल उठाए हैं कि ईरान कितनी जल्दी परमाणु हथियार बना सकता है या उसने ऐसा निर्णय लिया है या नहीं। इस हमले ने क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को भी हिला दिया है, और 40,000 से अधिक अमेरिकी सैनिकों की तैनाती वाले इस क्षेत्र में उच्च सतर्कता की स्थिति पैदा हो गई है, क्योंकि पेंटागन ईरानी प्रतिशोध के लिए तैयार है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने पिछले सप्ताह चेतावनी दी थी कि अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप का जवाब 'अमेरिका को अपूरणीय क्षति'से होगा। ईरान की प्रतिरोधक क्षमता बहुआयामी और मजबूत है, जो उसे प्रभावी जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम बनाती है। इसके पास उन्नत बैलिस्टिक मिसाइलें, ड्रोन और

नौसैनिक शक्ति हैं, जो अमेरिकी सैन्य ठिकानों, युद्धपोतों और क्षेत्रीय सहयोगियों को निशाना बना सकती हैं। इसके मिसाइल बेस बहरीन, कतर, और संयुक्त अरब अमीरात जैसे अमेरिकी सहयोगी देशों के करीब स्थित हैं जो त्वरित हमले की सुविधा प्रदान करने में सक्षम हैं। होर्मुज नहर, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का 25 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का 20प्रतिशत नियंत्रित करती है, को बंद करने या समुद्री माइन्स लगाने की क्षमता ईरान के पास है, जिससे पेट्रोल की कीमतें आसमान छू सकती हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा, ईरान असिमेट्रिक युद्ध रणनीति में माहिर है और अपने प्रॉक्सी समूहों, जैसे हिजबुल्लाह, हमास, और हूती विद्रोहियों के माध्यम से क्षेत्रीय हमले कर सकता है। ईरान की यह बहुआयामी सैन्य क्षमता इसे लंबे समय तक संघर्ष में टिकाए रखने की ताकत देती है।

**हूती विद्रोहियों की भूमिका**

यमन में हूती विद्रोही जो ईरान के सबसे मजबूत सहयोगियों में से एक हैं, इस संकट में एक निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। शनिवार, 21 जून, 2025 को हूतियों ने लाल सागर में अमेरिकी जहाजों पर हमले की धमकी दी थी जो उनकी सैन्य तैयारी और इरादे को दर्शाता है। इनके पास ड्रोन और मिसाइल हमलों की उन्नत क्षमता है, जो उन्हें लाल सागर के महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्गों को बाधित करने में सक्षम बनाती है। यह बाधा न केवल ऊर्जा (तेल) आपूर्ति को प्रभावित करेगी, बल्कि वैश्विक शिपिंग उद्योग को भी गहरी चोट पहुंचाएगी। ईरान इन विद्रोहियों को हथियार, तकनीकी सहायता और वित्तीय सहयोग प्रदान कर सकता है, जिससे उनकी सैन्य गतिविधियाँ और प्रभावशीलता में वृद्धि होगी। हूतियों का यह कदम (कदम) अमेरिकी नौसैनिक गतिविधियों को चुनौती देगा और क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा ) सकता है।

**मुस्लिम देशों की संभावित भूमिका**

मुस्लिम राष्ट्रों की प्रतिक्रिया इस संघर्ष में जटिल पहलू जोड़ती है जो उनके राजनीतिक, धार्मिक और आर्थिक हितों पर निर्भर करेगी। ईरान के निकट सहयोगी सीरिया, इराक और लेबनान समर्थन में खड़े हो सकते हैं, खासकर हिजबुल्लाह के माध्यम से सैन्य और रसद सहायता प्रदान करके। तुर्की और कतर कूटनीतिक समर्थन दे सकते हैं, जबकि जन दबाव के कारण सीमित सैन्य सहायता संभव है। दूसरी ओर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात, ईरान के क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी, अमेरिका के साथ गठबंधन बनाए रखेंगे लेकिन घरेलू जनता के विरोध को देखते हुए खुली सैन्य कार्रवाई से बच सकते हैं। बड़े मुस्लिम देश पाकिस्तान और इंडोनेशिया कूटनीतिक मध्यस्थता की भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन अमेरिका विरोधी भावनाओं से जन आक्रोश बढ़ेगा, जो आतंकवादी गतिविधियों को प्रेरित कर सकता है। यह विभाजन मुस्लिम जगत में एकता की कमी उजागर करेगा, जो संघर्ष को और जटिल बनाएगा।

**चीन और रूस - रुख क्या होगा ?**

चीन और रूस, ईरान के प्रमुख रणनीतिक सहयोगी, इस घटना पर कड़ा रुख अपना संकते हैं और अमेरिका के खिलाफ मोर्चा खोल सकते हैं। दोनों ने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की आलोचना की और शांति की अपील की है। वे ईरान को सैन्य सहायता, जैसे उन्नत मिसाइल प्रणालियाँ (रूस का एस-400) और ड्रोन तकनीक प्रदान कर सकते हैं, खासकर अगर ईरान की सैन्य क्षमता कमजोर पड़े। यह सहायता प्रतिनिधि समूहों या गुप्त चैनलों के माध्यम से हो सकती है।

**- जयसिंह रावत**

# उमर अब्दुल्ला की पाकिस्तान परस्ती!

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार की उस योजना को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें सिंधु प्रणाली की पश्चिमी नदियों के अतिरिक्त जल को जम्मू-कश्मीर से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान भेजने के लिए नहर बनाने की बात की गई थी। वर्तमान संदर्भों में उमर का कहना है कि यह पानी अभी सिर्फ जम्मू-कश्मीर के लिए है, क्योंकि जब हमें जरूरत थी तब किसी ने हमारी मदद नहीं की थी। पठानकोट स्थित शाहपुर कंडी बैराज के लंबे विवाद का हवाला देते हुए उमर ने पंजाब को याद दिलाया कि 45 वर्षों तक इस मुद्दे पर जम्मू-कश्मीर को नुकसान उठाना पड़ा। कई सालों तक उन्होंने हमें रुलाया, अब जब हमारे पास थोड़ा अतिरिक्त पानी है, तो हम क्यों दें? इस वक्तव्य के साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि 113 किमी लंबी प्रस्तावित नहर को फिलहाल उनकी सरकार मंजूरी नहीं देगी। कहना होगा कि इस एक निर्णय से साफ दिखाई दे रहा है कि अप्रत्यक्ष रूप से जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को भारत के लोगों की नहीं, जम्मू कश्मीर का बहाना लेकर पाकिस्तान की फिक्र ज्यादा है। वस्तुतः यहां पाकिस्तान को लेकर उनकी चिंताएं इतनी अधिक समझ आ रही हैं कि वे जम्मू कश्मीर की नदियों में बहते पानी का उपयोग देश के अन्य राज्यों में होने नहीं देना चाहते, जबकि केंद्र की मोदी सरकार यह साफ कर चुकी है कि पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि के प्रभावी निलंबन के बाद वह इस अतिरिक्त जल का उपयोग उत्तर भारत के राज्यों में करना चाहती है। दूसरी ओर उमर अब्दुल्ला की नीयत जो स्पष्ट कर रही है, वह यही है कि जब अन्य राज्यों को पानी देने के लिए प्रस्तावित नहर बनेगी ही नहीं, तब आखिर भारत जल के तेज बहाव को अपने यहां कब तक रोककर रख पाएगा, ऐसी परिस्थितियों में आखिरकार उसे पानी को बहाना ही होगा और ऐसे में उसके पास सिर्फ एक ही विकल्प रहेगा कि उस जल को वह पाकिस्तान की तरफ बहा दे। स्वभाविक है कि जिस उद्देश्य से भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और सिंधु जल संधि को रोका वह विफल हो जाएगा। पाकिस्तान में भारत के विरोध में एक ओर आतंकवादी पनपते रहेंगे तो दूसरी ओर उन्हें जैसे पहले पानी मिलता था वैसे भी आगे भारत की ओर से पानी मिलता रहेगा। अब यहां केंद्र सरकार की इस संदर्भ में बनाई गई योजना को समझने की बात है। सिंधु नदी के पानी का पूरा इस्तेमाल करने के लिए भारत ने अपनी अंतर-बेसिन जल हस्तांतरण योजना की दिशा में बड़ा काम करना शुरू कर दिया है। 113 किलोमीटर लंबी नहर बनाने की तैयारी चल रही है। जिसमें कि जम्मू-कश्मीर की नदियों को आपस में जोड़ने का काम होगा और इस राज्य के साथ ही पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में पानी ले जाने के लिए यह नहर चिनाब नदी को रावी-ब्यास-सतलुज नदी प्रणाली से जोड़ेगी। इससे पूर्वी (रावी, ब्यास, सतलुज) और पश्चिमी (सिंधु, झेलम, चिनाब) नदियों के पानी का सही उपयोग हो सकेगा।

**- डॉ. मयंक चतुर्वेदी**

आज का कार्टून

साभार

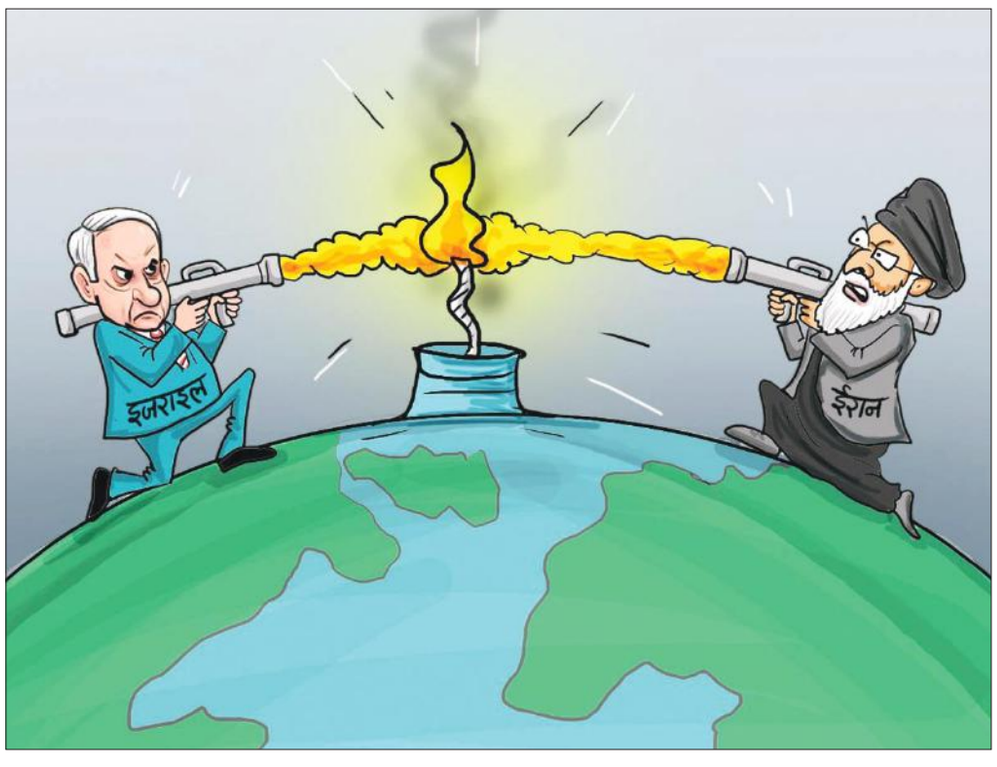


# प्रकृति संवाहक हमारे आदिवासी जिन्हें वोट बैंक मानते हैं राजनैतिक दल

अधिकांश आदिवासी प्रकृति के साथ न्यूनतम आवश्यकताओ में जीवन यापन करते हैं। वे सामन्यतः समूहों में रहते हैं और उनकी संस्कृति अनेक दृष्टियों से आत्मनिर्भर होती है। आदिवासी संस्कृतियाँ परंपरा केंद्रित होती हैं। भारत में हिंदू धर्म की संस्कृति इनमें पाई जाती है। विश्व में उत्तर और दक्षिण अमरीका, अफ्रीका,आस्ट्रेलिया,एशिया तथा अनेक द्वीपों और द्वीप समूहों में आज भी आदिवासी संस्कृतियों के अनेक रूप पाये जाते हैं। संविधान के अनुच्छेद 342 के अनुसार भारत में आदिवासियों को परिभाषित किया गया है और उन्हें विशेषाधिकार दिये गये हैं जिससे वे भी देश की मूल धारा के साथ बराबरी से विकास कर सकें ।

आदिवासी जनजातियाँ देश भर में, मुख्यतया वनों और पहाड़ी इलाकों में फैली हुई हैं। पिछली जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या का लगभग 8.6% अर्थात देश में कोई बारह करोड़ जनसंख्या आदिवासी हैं। आदिवासी शब्द का प्रयोग सबसे पहले अमृतलाल विठ्ठलदास ठक्कर ने किया था जिन्हें ठक्कर बापा के नाम से जाना जाता है। मध्य प्रदेश में अनेक जनजातीय आबादी रहती है। भील, गोंड, कोल, बैगा, भारिया, सहरिया, आदि, मध्य प्रदेश के मुख्य आदिवासी समूह हैं । इनकी बोली स्थानीयता से प्रभावित है । सामान्यतः स्वयं बनाई हुई झोपड़ियों के समूह में ये जन जातियां जंगलो के बीच में रहती है। अलग अलग जन जातियों के त्यौहार जैसे गल, भगोरिया, नबाई, चलवानी, जात्रा, आदि मनाये जाते हैं जिनमें मांस, स्वयं बनाई गई महुये की मदिरा , ताड़ी का सेवन स्त्री पुरुष करते हैं । सामूहिक नृत्य किया जाता है। विवाह की रीतियां भी रोचक हैं जिनमें अपहरण,भाई-भाई,नटरा, घर जमाई, दुल्हन की कीमत (देपा सिस्टम), आदि प्रमुख हैं। परंपरागत रूप से पुरुष सिर पर पगड़ी , अंगरखा, बंडी या कुर्ता, धोती ,गमछा पहनते हैं, और महिलाएं साड़ी, चोली और घाघरा पहनती हैं। पिथौरा चित्रकला भील जनजाति की विश्व प्रसिद्ध लोक चित्रकला है। ये जन जातियां गीत संगीत , ढ़ोल नगाड़ो के शौकीन होते हैं। भील बांसुरी बजाने में माहिर होते हैं। होली दिवाली मेले मड़ई हाट बाजार में उत्सवी माहौल रहता है। आदिवासियों में से समय समय पर अनेक क्रांतिकारियों का योगदान समाज में रहा है । बिरसा मुंडा , मुंडा विद्रोह/उलगुलान का महानायक , जयपाल सिंह मुण्डा - महान राजनीतिज्ञ, सुबल सिंह - चुआड़ विद्रोह के नायक और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रथम शहीद थे , टंट्या भील - भारत के रोबिन्हुड कहे जाते थे । रानी लक्ष्मीबाई की सेनापति झलकारी बाई , सिद्धू मुर्मू और कान्हू मुर्मू- संताल विद्रोह के नायक रहे हैं । तिलका माँझी - पहाड़िया विद्रोह के नायक , गंगा नारायण सिंह - भूमिज विद्रोह और चुआड़ विद्रोह के महानायक , जगन्नाथ सिंह - चुआड़ विद्रोह के नायक , दुर्जन सिंह - चुआड़ विद्रोह के नायक , रघुनाथ सिंह - चुआड़ विद्रोह के महानायक थे । बुधू भगत -भारतीय इतिहास में प्रसिद्ध क्रांतिकारी के रूप में जाने जाते हैं। इनकी लड़ाई अंग्रेज़ों, ज़मींदारों तथा साहूकारों द्वारा किए जा रहे अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध थी। तेलंगा खड़िया - आदिवासी समाज के स्वतंत्रता सेनानी थे। आजादी के बाद से उल्लेखनीय सामाजिक कार्यों के लिये आदिवासीयों में से सर्व श्री करिया मुंडा को पद्म भूषण, मंगरू उईके, रामदयाल मुण्डा ,गंभीर सिंह मुड़ा , तुलसी मुंडा को पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है . भोपाल में जन जातीय संग्रहालय बनाया गया है, जहाँ विभिन्न दीर्घाओ में आदिवासी संस्कृति को दर्शाया गया है। कांग्रेस देश में सबसे पुरानी राजनैतिक पार्टी है, इससे आदिवासियों का गहरा पुराना नाता है। । मंगरू उईके मण्डला के प्रमुख आदिवासी नेता रहे हैं जो अनेक बार यहां से कांग्रेस के सांसद थे । उन्हें पदमश्री से सम्मानित भी किया गया था। मोहन लाल झिकराम मंडला का नेतृत्व कर चुके लोकप्रिय नेता थे । मंडला डिंडोरी के आदिवासी करमा नर्तक दल दिल्ली के गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होते रहे हैं। ये नृत्य दल फ्रांस आदि देशों में भी अपनी कला का प्रदर्शन कर चुके हैं।

**- विवेक रंजन श्रीवास्तव**

# स्कूली वाहनों में सीसीटीवी अनिवार्य

## पुणे में स्कूल जाने वाले बच्चों की सुरक्षा हेतु पुलिस और आरटीओ का संयुक्त अभियान

- 31 जुलाई तक की समयसीमा
- नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई
- पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक

**महानगर नेटवर्क**

**पुणे**

पुणे शहर में स्कूली छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुणे पुलिस और उप प्रादेशिक परिवहन विभाग (आरटीओ) ने संयुक्त रूप से कमर कस ली है। अब स्कूल बस, वैन और ऑटो रिक्शा जैसे सभी शालेय वाहनों में 31 जुलाई 2025 तक सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही, महिला सुरक्षा, वाहन चालकों की नेत्र जांच और पुलिस सत्यापन जैसे नियम भी सख्ती से लागू किए जा रहे हैं।16 जून से स्कूलों की शुरुआत के बाद लगातार मिल रही शिकायतों जैसे क्षमता से अधिक छात्रों की ढुलाई, सुरक्षा उपायों की कमी और नियमों के उल्लंघन को ध्यान में रखते हुए, पुणे पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें आरटीओ को सख्ती से नियमों की पालना और कार्रवाई के निर्देश दिए गए। पुणे आरटीओ के उप प्रादेशिक परिवहन अधिकारी स्वप्नील भोसले ने स्पष्ट किया कि, "31 जुलाई के बाद यदि किसी वाहन में नियमों का उल्लंघन पाया गया तो उस पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।" उन्होंने यह भी कहा कि स्कूल प्रबंधन समितियों को इस विषय में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। पुणे पुलिस और आरटीओ विभाग की ओर से संयुक्त जांच अभियान चलाया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों और चालकों पर तत्काल जुर्माना और अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सभी स्कूलों को 'शालेय परिवहन समिति' और 'विद्यार्थी सुरक्षा व भौतिक सुविधा समिति' के माध्यम से निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। पुलिस विभाग ने यह स्पष्ट किया है कि बच्चों की सुरक्षा अत्यंत संवेदनशील विषय है, अतः इस अभियान की सख्ती से अनुपालना सुनिश्चित की जाएगी। अभिभावकों से भी अपील की गई है कि वे सतर्क रहें और यह सुनिश्चित करें कि उनके बच्चों के परिवहन में सभी नियमों का पालन हो रहा है या नहीं। यह पहल पुणे शहर में छात्र परिवहन को सुरक्षित, मर्यादित और उत्तरदायी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

### कौन-कौन से नियम अनिवार्य किए गए ?

- 31 जुलाई 2025 तक सभी शालेय वाहनों में सीसीटीवी लगाना आवश्यक।
- 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की ढुलाई हेतु महिला सहायक अनिवार्य।
- बालिका विद्यालयों में चलने वाले वाहनों में महिला कर्मचारी होना अनिवार्य।
- सभी चालक-वाहकों की वार्षिक नेत्र जांच आवश्यक, प्रमाणपत्र साथ रखना अनिवार्य।
- सभी चालकों व सहचालकों का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य।
- ऑटो रिक्शा में अधिकतम केवल 5 छात्रों की ही अनुमति।
- स्कूल समितियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वाहन क्षमता से अधिक छात्र न ले जा रहे हों।

ठाकरे बनाम शिंदे गुट

# पुणे में जोरदार बैनरबाजी व्यंगचित्रों के जरिए तंज

**महानगर नेटवर्क**

**पुणे**

महाराष्ट्र में शिवसेना के दो गुटों—शिंदे गट और ठाकरे गट—के बीच जारी वर्चस्व संघर्ष अब सड़कों पर उतर आया है। वर्धापन दिवस के बाद दोनों गुटों के नेताओं के तीखे बयान सामने आने के बाद अब पुणे में शिंदे गुट ने बैनरबाजी के जरिए उद्धव ठाकरे पर करारा व्यंगात्मक वार किया है।

डेक्कन चौक परिसर में लगाए गए इन बैनर्स ने पूरे शहर में चर्चा का विषय बना लिया है। इन बैनर्स में उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के व्यंगचित्र अंकित किए गए हैं, जिसमें दोनों नेताओं के हालिया बयानों को केंद्र में रखकर तंज कसे गए हैं।

उद्धव ठाकरे ने अपने भाषण में "Common, kill me" कहते हुए विरोधियों पर निशाना साधा था, तो वहीं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इसका जवाब देते हुए कहा था, "मरे हुओं को क्या मारना?" इन्हीं बयानों को आधार बनाकर शिंदे गुट के कार्यकर्ताओं ने बैनर पर उद्धव ठाकरे का एक व्यंगचित्र बनवाया है, जिसके नीचे लिखा है "Common, kill me", वहीं दूसरी ओर शिंदे का व्यंगचित्र दिखाकर लिखा है – "वो बोलने में व्यस्त हैं, हम काम में मग्न हैं।" इस बैनरबाजी से पुणे का राजनीतिक माहौल गर्मा गया है।

स्थानीय स्तर पर आगामी महापालिका चुनावों की पृष्ठभूमि में शिंदे गुट की यह सक्रियता, शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखी जा रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह पोस्टर वॉर आगामी दिनों में और तेज हो सकता है, जिससे शिवसेना के दोनों गुटों के बीच टकराव की तीव्रता और बढ़ेगी।

# राज्य महिला आयोग के निर्देश पर संरक्षण अधिकारी ने की त्वरित कार्रवाई

पीड़िता महिला और बेटी को बेघर होने से मिला राहत
न्यायालय से मिला अंतरिम आदेश, विधिक सहायता भी सुनिश्चित

**महानगर नेटवर्क**

**पुणे**

राज्य महिला आयोग द्वारा संज्ञान में लिए गए एक संवेदनशील मामले में वडगाव मावळ के संरक्षण अधिकारी श्री प्रवीण नेहरकर की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के चलते एक विधवा महिला और उसकी नाबालिग बेटी को बेघर होने से राहत मिली है।

यह मामला शुक्रवार, 13 जून को राज्य महिला आयोग द्वारा वडगाव मावळ के संरक्षण अधिकारी को सौंपा गया था। इस महिला के पति का निधन वर्ष 2023 में हो गया था, जिसके बाद महिला और उसकी नाबालिग पुत्री पूरी तरह निराधार हो गईं। मावळ-मुळशी के उपविभागीय दंडाधिकारी के एक आदेश के कारण उन्हें अपने घर से बाहर निकलने की नौबत आ गई थी। जैसे ही संबंधित दस्तावेज जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, पुणे के कार्यालय से प्राप्त हुए, श्री नेहरकर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 17 जून को पीड़िता की पारिवारिक स्थिति का विवरण (DIR) तैयार किया और उसी दिन वडगाव मावळ न्यायालय में प्रस्तुत किया। वकील की अनुपस्थिति के बावजूद श्री नेहरकर ने स्वयं पीड़िता का पक्ष प्रभावी रूप से रखा। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने उसी दिन शाम 6 बजे तक अंतरिम राहत का आदेश पारित किया, जिससे पीड़िता को तत्काल राहत मिली।

इसके बाद श्री नेहरकर ने अगले ही दिन विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से पीड़िता को विधिक सहायता उपलब्ध करवाई, जिससे उसकी कानूनी लड़ाई को मजबूती मिल सके। न्यायालय ने न केवल अंतरिम राहत दी, बल्कि अगली सुनवाई की तिथि भी तुरंत निर्धारित की, ताकि पीड़िता को शीघ्र न्याय मिल सके।

# छात्रों को पढ़ाई के साथ कला और खेल में भी निपुणता हासिल करनी चाहिए:शिरोले

## गुणवंत छात्रों का सत्कार और करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम संपन्न

**पुणे।** "छात्रों की सफलता केवल अच्छे अंकों पर आधारित न होकर, उनकी रुचि व समझ के विषयों के चुनाव पर भी निर्भर करती है," ऐसा मत विधायक सिद्धार्थ शिरोले ने व्यक्त किया। वे सम्यक विहार, विकास केंद्र, बोपोडी में आयोजित 10वीं और 12वीं के गुणवंत छात्रों के सत्कार व करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सांस्कृतिक महोत्सव समिती, पूर्व उपमहापौर सुनीता वाडेकर व मित्र परिवार द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों को 'गुणवंत विद्यार्थी पुरस्कार' प्रदान किए गए और शैक्षणिक उपयोगी वस्तुएं वितरित की गईं। इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों में समिती अध्यक्ष परशुराम वाडेकर, पूर्व अपर जिल्हाधिकारी शरद जाधव, रोटरी क्लब अध्यक्ष प्रा. पी.एन. अय्यर, वैद्यकीय संचालक डॉ. झिमरा इस्रायल, RPI युवा नेता शैलेंद्र चव्हाण, कंप्यूटर संस्थान संचालक किरण लोखंडे, संजय सोनवणे आदि उपस्थित थे।

प्रा. अय्यर व डॉ. इस्रायल ने छात्रों को करियर व जीवन कौशल से जुड़ी उपयोगी जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन ॲड. ज्ञानेश जावीर ने किया और आभार सुनीता वाडेकर ने माना। राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

# शनिवारवाड़ा से स्वारगेट तक होगा 'चार लेन भूमिगत मार्ग'

नितिन गडकरी ने दिया सकारात्मक आश्वासन
परियोजना को आगे बढ़ाने हेतु संबंधित विभागों की बैठक लेंगे

**पुणे।** पुणे शहर के मध्यवर्ती हिस्से में वर्षों से बनी हुई भीषण ट्राफिक समस्या का स्थायी समाधान निकालने हेतु प्रस्तावित शनिवारवाड़ा से स्वारगेट तक का 'चार लेन भूमिगत मार्ग' एक महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में उभर रहा है। इस महत्वाकांक्षी प्रकल्प के लिए केंद्र सरकार के आर्थिक सहयोग की आवश्यकता बताई गई है।

इसी संदर्भ में पुणे के विधायक हेमंत रासने ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से निधि (फंड) उपलब्ध कराने की मांग की, जिस पर गडकरी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित करने का आश्वासन दिया।नितिन गडकरी हाल ही में पुणे दौरे पर थे।

उन्होंने शनिवारवाड़ा के मुख्य प्रवेशद्वार तथा काकासाहेब गाडगील पुतले के समीप प्रस्तावित मार्ग का स्थळ दौरा कर संपूर्ण परियोजना की माहिती ली। इस अवसर पर महाराष्ट्र के उच्च व तंत्रशिक्षण मंत्री चंद्रकांत पाटील भी उपस्थित थे। विधायक रासने ने गडकरी को एक विस्तृत निवेदन सौंपते हुए इस प्रकल्प को अमल में लाने हेतु केंद्र सरकार से विशेष सहयोग की मांग की। वर्तमान में शिवाजी रोड एवं बाजीराव रोड शहर के सबसे प्रमुख और व्यस्त मार्गों में गिने जाते हैं। रोजाना लाखों वाहनों की आवाजाही इन मार्गों से होती है, जिससे जाम की समस्या अत्यंत गंभीर बन चुकी है। दोनों मार्ग उत्तर-दक्षिण दिशा को जोड़ने वाले महत्त्वपूर्ण लिंक हैं और भविष्य में 'लिंक कॉरिडोर' के रूप में विकसित किए जा सकते हैं। इस संदर्भ में विधायक हेमंत रासने ने कहा, "करीब 2.5 किलोमीटर लंबाई के इस चार लेन भूमिगत मार्ग से ट्राफिक जाम की समस्या का स्थायी समाधान मिलेगा।

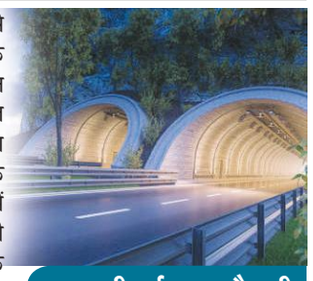

### शुरू की गई DPR तैयारी

इस प्रकल्प के लिए राज्य सरकार के सार्वजनिक बांधकाम विभाग ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर विस्तृत प्रकल्प अहवाल (DPR) तैयार करना शुरू किया है, तथा परियोजना के वित्तीय प्रस्ताव को राज्य के वित्त विभाग को भेजा गया है।मराठा साम्राज्य की वीरगाथा के प्रतीक श्रीमंत बाजीराव पेशवा द्वारा निर्मित शनिवारवाड़ा को उसके गौरवशाली स्वरूप में पुनः विकसित करने हेतु केंद्र सरकार के स्तर से विशेष आर्थिक सहायता मिले, ऐसी विनती भी विधायक हेमंत रासने ने इस अवसर पर की।

## पीएमपी की आय बढ़ी, लेकिन यात्रियों की संख्या घटी

**पुणे।** पुणे महानगर परिवहन महामंडल (पीएमपीएमएल) द्वारा यात्री किराए में की गई बढ़ोतरी के कारण 'पीएमपी' की आय दो सप्ताह में बढ़ी है, लेकिन यात्रियों की संख्या औसत की तुलना में कम होने की बात सामने आई है। किराया वृद्धि के बाद से दो सप्ताह में औसतन 15 हजार से अधिक यात्री कम हुए हैं। मई में पीएमपी के यात्रियों की औसत संख्या 10 लाख 14 हजार 793 थी, औसत दैनिक आय 1 करोड़ 42 लाख 29 हजार 664 रुपये थी। 1 जून से किराया वृद्धि के बाद 15 जून तक यात्रियों की औसत संख्या 9 लाख 99 हजार 830 हो गई। दो सप्ताह में 2 करोड़ 11 लाख 85 हजार 64 रुपये की औसत आय हुई।

# पुणे और सोलापुर मंडलों के विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों की बैठक

**पुणे।** धर्म वीर मीना, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने पुणे और सोलापुर मंडलों के विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों के साथ सोमवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय पुणे के कॉन्फ्रेंस हॉल में पुणे और सोलापुर के माननीय सांसदों के साथ बैठक की। संसद सदस्य श्रीमती सुप्रिया सुले (बारामती), श्री श्रीरंग अप्पा बारणे (मावल), श्री ओमप्रकाश भूपालसिंग राजेनिम्बलकर (धाराशिव), श्री धैर्यशील राजसिंह मोहिते पाटिल (माढ़ा), डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे (शिरूर), श्री भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे (शिर्डी), श्री नीलेश ज्ञानदेव लंके (अहमदनगर), श्री विशालदादा प्रकाशबापू पाटिल (सांगली), श्रीमती रजनी अशोकराव पाटिल (बीड), श्री नितिन लक्ष्मणराव जाधव पाटिल (सतारा), श्री शिवाजी बंडप्पा कल्गे (लातूर), श्रीमती माया नारोलिया (होशंगाबाद) और श्रीमती मेधा कुलकर्णी (राज्यसभा पुणे) ने बैठक में भाग लिया।श्रीमती सुप्रिया सुले को सर्वसम्मति से समिति का अध्यक्ष चुना गया। इससे पहले महाप्रबंधक ने सांसदों का शॉल और श्रीफल से स्वागत किया। मीना ने परियोजनाओं को पूरा करने में उनके सहयोग और प्रेरणा की सराहना की और आगे कहा कि उनके मार्गदर्शन में सम्मानित यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। श्री मीना ने मध्य रेल की उपलब्धियों के अलावा प्रतिष्ठित जी.बी. पंत शील्ड और प्रथम और द्वितीय नवाचार पुरस्कारों के रूप में प्राप्त मान्यता पर भी प्रकाश डाला।

# पुणे में 29 वर्षीय उच्चशिक्षित गर्भवती महिला ने की आत्महत्या

ससुराल में दहेज प्रताड़ना और मानसिक शोषण से थी परेशान

**पुणे।** महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी पुणे से एक बार फिर दहेज प्रताड़ना का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। दहेज को लेकर ससुरालवालों द्वारा लगातार किए जा रहे मानसिक और शारीरिक अत्याचार से तंग आकर एक 29 वर्षीय गर्भवती महिला ने आत्महत्या कर ली। महिला ने अपने घर में पंखे से ओढ़नी बांधकर फांसी लगा ली। यह घटना पुणे के हांडेवाडी रोड क्षेत्र में शुक्रवार की रात घटी। मृतका का नाम दीपिका प्रमोद जाधव (उम्र 29) बताया गया है, जो उच्च शिक्षित थी और एक निजी कंपनी में नौकरी कर रही थी। दीपिका ने कृषि विषय में स्नातक की डिग्री हासिल की थी। उसका पति प्रमोद एक सरकारी कार्यालय में लिपिक के पद पर कार्यरत है। इस घटना के संबंध में दीपिका के पिता की शिकायत पर कालेपडल पुलिस थाने में दीपिका की सास द्वारका जाधव के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और घरेलू हिंसा के गंभीर आरोपों के तहत मामला दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले दीपिका ने कोंढवा पुलिस थाने में अपने पति, सास और ननद के खिलाफ प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई थी।

## बचाए गए नदी में फंसे कॉलेज के छात्र

फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई से बचाया गया

**पुणे।** नदी में फंसे एक कॉलेज छात्र को दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से बचा लिया गया। यह घटना सोमवार सुबह डीपी रोड पर पंडित फार्म के पास हुई।

इस घटना में बचाया गया युवक 20 वर्ष का है। नागरिकों ने एरंडवाने अग्निशमन विभाग के एरंडवाने स्टेशन को सूचना दी कि डीपी रोड पर पंडित फार्म के पास मुथा नदी के तल में एक युवक फंसा हुआ है और पानी का बहाव तेज है। इसके बाद अग्निशमन विभाग के स्टेशन प्रमुख राजेश जगताप और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। कर्मचारियों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। चूंकि बांध के जलग्रहण क्षेत्र में बारिश हो रही है, इसलिए पानी तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवक नदी के किनारे पर एक किनारे को पकड़े हुए था क्योंकि पानी के बहाव में उसके बह जाने की संभावना थी। कर्मचारियों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। अग्निशमन विभाग के मुख्य नियंत्रण कक्ष के अनुसार, नदी के तल में फंसे युवक को रस्सी के सहारे बचाया गया। इस घटना में बचाया गया युवक मूल रूप से अहिल्यानगर का रहने वाला है। वह पढ़ाई के लिए पुणे आया हुआ है। उसके मामा एरंडवाने क्षेत्र में रहते हैं। वह वर्तमान में अपने मामा के पास रह रहा है। अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने उसे पानी से बाहर निकाला। इस घटना की जानकारी मामा को दी गई।

# पुणे रेलवे स्टेशन का नाम महान बाजीराव पेशवा के नाम पर रखा जाए

**महानगर नेटवर्क**

**पुणे**

भाजपा सांसद मेधा कुलकर्णी ने की मांग

पुणे रेलवे स्टेशन पर भाजपा सांसद मेधा कुलकर्णी ने कहा "पुणे रेलवे स्टेशन का नाम बदला जाना चाहिए", उन्होंने कहा, "पुणे रेलवे स्टेशन का नाम महान बाजीराव पेशवा के नाम पर रखा जाना चाहिए। साथ ही, इस रेलवे स्टेशन का जीर्णोद्धार करते समय इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि पुणे का इतिहास इस क्षेत्र में दिखाई दे"। मेधा कुलकर्णी ने कुछ समय पहले एक निजी चैनल से बात की थी। इस मौके पर उन्होंने कहा, "पुणे रेलवे स्टेशन का जीर्णोद्धार करना बहुत जरूरी है। साथ ही, इस रेलवे स्टेशन या रेलवे स्टेशन के आसपास के इलाके को देखने पर कहीं भी पुणे या पुणे के गौरवशाली इतिहास का प्रतिबिंब नहीं दिखता है। इसलिए, इस रेलवे स्टेशन का जीर्णोद्धार करते समय पुणे के इतिहास को दर्शाने का ध्यान रखा जाना चाहिए। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी यही अवधारणा है।

" भाजपा के राज्यसभा सांसद ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी की अवधारणा है कि देश में रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डे ऐसे होने चाहिए जो उस शहर, हमारे देश के इतिहास को दर्शाते हों। यही काम अब पुणे में भी किया जाना चाहिए। पुणे रेलवे स्टेशन का नवीनीकरण करते समय, स्टेशन क्षेत्र में पुणे का इतिहास प्रतिबिंबित होना चाहिए।

'दगडूशेठ' गणपति ट्रस्ट की पहल

# वारकरियों की सेवा हेतु तीन सुसज्ज एम्बुलेंस पुणे से रवाना

**पुणे।** श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई सार्वजनिक गणपती ट्रस्ट एवं सुवर्णयुग तरुण मंडल की ओर से पालकी सोहला में सहभागी वारकरियों की सेवा हेतु तीन सुसज्ज एम्बुलेंस पुणे से रवाना की गईं। यह सेवा संतश्रेष्ठ ज्ञानेश्वर महाराज, जगद्गुरु तुकाराम महाराज और संत सोपानकाका की पालकियों के साथ-साथ चलेगी। 'जय गणेश रुग्णसेवा अभियान' के अंतर्गत आरंभ हुए इस उपक्रम का यह 36वां वर्ष है। गणपति मंदिर के सामने विधिवत पूजन के साथ इस सेवा की शुरुआत की गई। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुनील रासने, उपाध्यक्ष एवं उपक्रम के संयोजक डॉ. रामचंद्र उर्फ बालासाहेब परांजपे, कोषाध्यक्ष महेश सूर्यवंशी, विधायक एवं महासचिव हेमंत रासने, ज्ञानेश्वर रासने समेत ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ. बालासाहेब परांजपे ने जानकारी दी कि सासवड मार्ग से जाने वाली संत ज्ञानेश्वर महाराज की पालखी, लोणी मार्ग से जाने वाली संत तुकाराम महाराज की पालखी और संत सोपानकाका की पालखी के साथ ये एम्बुलेंस तैनात रहेंगी।

## ओमकार घाटगे का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शाखा में प्रवेश

**महानगर नेटवर्क**

**पुणे**

सांगली जिले से आए हुए और जेठेज़ अॅकॅडमी, पुणे की साक्षी शाखा में पढ़ाई करने वाले ओमकार घाटगे ने अपनी मेहनत और सही मार्गदर्शन की बदौलत देश के टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों में से एक VIT वेल्लोर में Artificial Intelligence (AI) जैसे अत्यधिक माँग वाले कोर्स में प्रवेश प्राप्त किया है।ओमकार के पिता श्री शिवानंद घाटगे भारतीय सेना में कार्यरत हैं। उनके घर में अनुशासन और देशसेवा की भावना शुरू से ही रही है। उनकी माता तेजश्री घाटगे एक गृहिणी हैं, लेकिन पढ़ाई के प्रति बेहद सजग हैं। ओमकार की पढ़ाई, समय पर किया गया अभ्यास और मानसिक समर्थन – यह सब उसके माता-पिता ने पूरी निष्ठा से प्रदान किया।

ओमकार की सफलता के पीछे जेठेज़ अॅकॅडमी का बड़ा योगदान है, जो गुणवत्ता, अनुशासन और सफलता का प्रतीक है। IIT-JEE, NEET, MHT-CET और NDA जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए समर्पित मार्गदर्शन, व्यक्तिगत ध्यान, टेस्ट सीरीज़ और टेक्निकल अप्रोच से पढ़ाई की पद्धति – ओमकार के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध हुई। उसने विषयों की गहरी समझ, संकल्पनाओं की स्पष्टता और परीक्षा की उपयुक्त रणनीति के आधार पर अपनी सफलता की नींव रखी।व्यक्तित्व विकास जैसे कार्यक्रमों की वजह से जेठेज़ अॅकॅडमी के विद्यार्थी केवल परीक्षाएँ ही नहीं पास करते, बल्कि जीवन में भी सफल होते हैं। प्रो. आनंद जेठे सर कहते हैं।"सिर्फ पढ़ाई से सफलता नहीं मिलती, उसके लिए सही सोच, अच्छा वातावरण और दृढ़ता जरूरी है।

# 'एआई' कैमरों से मापी गई 5 लाख वारकरियों की भीड़

**पुणे।** आलंदी से संत ज्ञानेश्वर महाराज और देहू से संत तुकाराम महाराज की पालकियां दो दिन पुणे में ठहरी थीं। इस बार पुणे पुलिस ने पहली बार पालकी सोहले के दौरान भीड़ की गणना करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence - AI) तकनीक का उपयोग किया।

प्रयागराज के कुंभ मेले में पहले इस तकनीक का प्रयोग हो चुका है, उसी तर्ज पर पुणे में भी 'एआई' का उपयोग किया गया। पुणे पुलिस द्वारा लगाए गए 'एआई' कैमरों के अनुसार इस वर्ष कुल 5 लाख वारकरी पालकी सोहले के दौरान पुणे में पहुंचे। इन कैमरों को विश्रांतवाडी, संचेती चौक, गुडलक चौक, भैरवनाथ मंदिर, गाडीतल और दिवे घाट जैसे प्रमुख स्थानों पर लगाया गया था। 'एआई' तकनीक से प्राप्त जानकारी के अनुसार, संत ज्ञानेश्वर महाराज की पालकी के साथ 2 लाख 95 हजार वारकरी पुणे पहुंचे थे।

# खड़की मेट्रो स्टेशन का हुआ लोकार्पण

**महानगर नेटवर्क**

**पुणे**

पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ के यात्रियों के लिए मेट्रो सफर अब और भी सुविधाजनक बनने जा रहा है। पिंपरी चिंचवड़ महानगरपालिका से लेकर स्वारगेट तक के मेट्रो मार्ग पर स्थित अत्यंत महत्वपूर्ण खड़की मेट्रो स्टेशन आज से यात्रियों के लिए सेवा में शामिल हो गया है। खड़की मेट्रो स्टेशन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह खड़की रेलवे स्टेशन के बिल्कुल समीप स्थित है।

यात्रियों को मेट्रो से सीधे रेलवे स्टेशन तक पहुंचने के लिए अलग मार्ग विकसित किया गया है। इससे मेट्रो और रेलवे सेवाओं का समन्वय होकर यात्रियों को तेज, सुविधाजनक और समयबचत वाला सफर मिलेगा।

इस नए स्टेशन के शुरू होने से खड़की, पुणे विश्वविद्यालय, औंध, आईटी पार्क, खड़की कैंटोनमेंट, खड़की बाजार, रेंज हिल, औंध रोड, ऑर्डनेंस फैक्ट्री हॉस्पिटल और मूळा रोड जैसे क्षेत्रों में रहने या काम करने वाले नागरिकों को मेट्रो से यात्रा करना और अधिक आसान हो जाएगा। इस समय पुणे में दो मेट्रो मार्ग पिंपरी-स्वारगेट और वनाज-रामवाड़ी संचालित हैं। इन दोनों का संचालन महा-मेट्रो द्वारा किया जा रहा है और इनका विस्तार कार्य भी तेजी से जारी है। इसके साथ ही शिवाजीनगर से हिंजवडी के बीच का मेट्रो मार्ग PMRDA द्वारा PPP (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर बनाया जा रहा है, जो जल्द ही यात्रियों के लिए शुरू होगा। खड़की मेट्रो स्टेशन के उद्घाटन के बाद स्थानीय नागरिकों ने हर्ष और संतोष व्यक्त किया। उनका कहना है कि इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि ट्रैफिक जाम से मुक्ति और सुरक्षित यात्रा की सुविधा भी मिलेगी।

**महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड** के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड ऑफिस नं. 12, अ और ब, सी.टी.एस. नं. 40/1, बी 2, संगम प्रोजेक्ट फेस 1, डॉ आंबेडकर रोड, आर.टी.ओ के पास पुणे-411001, से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित. ● फोन नंबरः 020-26059198 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

# CM योगी से बोली बच्ची आप मेरा स्कूल में एडमिशन करा दीजिए

महानगर संवाददाता
लखनऊ

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में 'जनता दर्शन' का आयोजन किया। जनता दर्शन में वाशी नाम की एक छोटी सी बच्ची ने सीएम योगी से कहा कि आप मेरा स्कूल में एडमिशन करवा दीजिए। इस पर सीएम योगी ने पूछा कि वह किस स्कूल में जाना चाहती है और किस कक्षा में दाखिला लेना चाहती है। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों को लड़की का उसके मनचाहे स्कूल में दाखिला कराने का निर्देश दिया। सीएम योगी का रिएक्शन वायरल हो रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ से मिलने वाली वाशी ने पूरी बातचीत के बारे में बताते हुए कहा कि मैं योगी जी से मिली। मैंने उनसे कहा कि मुझे किसी स्कूल में दाखिला दिला दें। उन्होंने कहा कि वह ऐसा करेंगे। वाशी ने आगे बताया कि मैं मुरादाबाद से आई हूं। उन्होंने मुझे बिस्किट और चॉकलेट दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान यहां प्रदेश भर से लगभग 65 से अधिक पीड़ित पहुंचे। मुख्यमंत्री हर पीड़ित के पास स्वयं पहुंचे, समस्या सुनी, प्रार्थना पत्र लिया और उन्हें अहसास कराया कि हर समस्या में सरकार साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के हर नागरिक की सेवा, सुरक्षा और सम्मान सरकार की पहली प्राथमिकता है। सरकार विगत 8 वर्ष से इसी उद्देश्य से कार्य कर रही है। जनता दर्शन में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, शिक्षा, आवास, आंगनबाड़ी, कब्जा आदि से जुड़े अनेक मामले आए, जिस पर प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया।

### बच्चों को दुलारा, चॉकलेट भी दी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में आए बच्चों को दुलार किया। उन्होंने बच्चों से बातें कीं, पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। सीएम योगी ने चॉकलेट-टॉफी प्रदान कर बच्चों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

## नवविवाहिता को जलाकर मार डाला

**गाजीपुर।** उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में दहेज की मांग पूरी न होने पर एक नवविवाहिता को जलाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि पति, सास, ससुर और परिवार के अन्य सदस्यों ने दहेज के लिए महिला को प्रताड़ित किया। महिला की मौत हो गई। मृतका के भाई ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई। मामला नंदगंज थाना क्षेत्र के सौरम गांव का है। मृतका गुड़िया की शादी 25 अप्रैल 2024 को मुकेश यादव से हुई थी। शुरुआती दिनों में सब ठीक रहा। लेकिन जल्द ही पति मुकेश, सास प्रमिला, ससुर वीरेंद्र और परिवार के अन्य सदस्यों ने दहेज के लिए गुड़िया को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। मारपीट और मानसिक उत्पीड़न के साथ-साथ उसका मोबाइल भी छीन लिया गया, जिससे वह मायके वालों से संपर्क नहीं कर पाई। घटना से चार दिन पहले गुड़िया के भाई रोहन यादव को फोन पर बताया गया कि वह थोड़ा जल गई है।

# यूपी में अब कम छात्र संख्या वाले स्कूलों का भी होगा समायोजन

महानगर संवाददाता
बहराइच

### शिक्षाधिकारियों से मांगी गई लिस्ट

यूपी के बेसिक शिक्षा परिषद में हो रहे नित नए प्रयोग में अब एक नया प्रयोग भी सामने आया है। इसमें शिक्षकों, शिक्षामित्र के साथ कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों का भी समायोजन होगा। इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। समायोजन की प्रक्रिया चल रही है। विद्यालयों के समायोजन पर शिक्षक संगठनों व ग्राम प्रधानों ने आपत्ति दर्ज करते हुए इसे छात्र हितों के विपरीत बताया है। वहीं बेसिक विभाग के अधिकारी इसे छात्र हितैषी बता रहे हैं। बेसिक शिक्षा परिषद में कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों को इस विद्यालय के निकटवर्ती विद्यालय में पेयरिंग (समायोजित) किया जा रहा है। इस संबंध में सचिव बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से आदेश जारी किया गया हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों से

जिले के विद्यालयों से लिस्ट मांगी है। 50 छात्रों से कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों को इसके लिए चयनित किया गया है। इसके विरुद्ध उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने आंदोलन करने की घोषणा कर दी है। कहा कि आर पार का शांतिपूर्ण आंदोलन होगा। बेसिक शिक्षक संवर्ग को समाप्त नहीं होने देंगे। 27 जून को जिले के बीआरसी पर बीईओ के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। जूनियर शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष विद्या विलास पाठक में कहा कि अनुच्छेद 21 में 6 से 14 वर्ष के बच्चों को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार है। आरटीई अधिनियम की धारा 6 के अनुसार हर गांव के एक किलोमीटर के भीतर प्राथमिक विद्यालय अनिवार्य है।

### विद्यालय वर्तमान समय में जिले में संचालित किए जा रहे हैं

बहराइच के बीएसए आशीष कुमार सिंह ने बताया कि कम छात्र संख्या वाले बेसिक विद्यालयों को निकट के विद्यालयों से पेयरिंग किया जा रहा है। इससे शिक्षा के स्तर में काफी सुधार होगा। शिक्षा के अधिगम स्तर में वृद्धि होने के साथ ही बच्चों के लिए बेहतर शैक्षिक वातावरण बनेगा। बच्चों को प्रतिस्पर्धात्मक माहौल मिलेगा। बंद किए जाने वाले विद्यालय में साइंस लैब, लाइब्रेरी आदि बनाकर भवनों का इस्तेमाल किया जाएगा।

## शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

### आपत्तिजनक तस्वीरें की वायरल, आरोपी गिरफ्तार

**बलिया।** उत्तर प्रदेश के बलिया में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार किया गया है। बलिया पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और आपत्तिजनक फोटो वायरल करने के मामले में वांछित अभियुक्त विष्णुकांत यादव उर्फ बीरन यादव को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के खिलाफ थाना भीमपुरा में मुकदमा संख्या 92/2025 के तहत धारा 69, 352, 351(2) बीएनएस और 67 आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज था। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के नेतृत्व में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक के अगुवाई में थाना उभांव की पुलिस टीम के साथ यह सफलता हासिल की। विवेचना के दौरान पता चला कि अभियुक्त विष्णुकांत यादव, निवासी डफलपुरा, थाना भीमपुरा ने पीड़िता को शादी का लालच देकर दुष्कर्म किया और उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल कर दीं। बीते 12 जून 2025 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम पशुहारी में संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश के दौरान अभियुक्त को किडिहरापुर रेलवे स्टेशन से सुबह 5 बजे गिरफ्तार किया।

## बदायूं के नुमाइश मेले में लगी भीषण आग

**बदायूं।** उत्तर प्रदेश के बदायूं में सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित गांधी ग्राउंड के मैदान में लगे मेले में आज सुबह भीषण आग लग गई। शहर के बीचों बीच लगे मेले में भीषण आग की चपेट में लगभग 25 से ज्यादा दुकानें आ गई। इसके बाद अफरा-तफरा सी मच गई। गांधी मैदान में लगे मेले में भीषण आग ने कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। दुकानें के अंदर रखे कुछ सिलेंडर में धमाके हुए, जिससे दहशत फैल गई। मौके पर मौजूद फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में जुट गई। आग को बेकाबू होते देख दमकल कर्मियों ने फायर ब्रिगेड की तीन और गाड़ियां मौके पर बुलाईं। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

## शादी तय होते ही बेवफा हो गई प्रेमिका

### बौखलाए प्रेमी ने कर दी हत्या; फिर खुद भी मार ली गोली

महानगर संवाददाता
कन्नौज

यूपी के कन्नौज में एक युवक का गांव की युवती से काफी समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। दोनों चोरी-छिपे मुलाकात करते थे। एक दिन लड़की के घर वालों को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने बेटी की दूसरी जगह शादी तय कर दी। शादी तय होने के बाद प्रेमिका भी बेवफा हो गई, उसने प्रेमी से बात करनी बंद कर दी। इसके कारण प्रेमी पूरी तरह से टूट गया और बौखलाहट में अपने पिता की लाइसेंसी बंदूक लेकर प्रेमिका के घर पहुंच गया। प्रेमिका को देखते ही प्रेमी के खून सवार हो गया, फिर उसने गोली मारकर

हत्या कर दी। इसके बाद वह मौके से फरार हुआ, लेकिन कुछ दूरी पर पहुंचने के बाद प्रेमी ने खुद भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

घटना सौरिख क्षेत्र में सोमवार तड़के हुई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कुठला गांव निवासी देवांशु (22) का पड़ोस के गांव सुल्तानपुर की रहने वाली दीप्ति से प्रेम-प्रसंग था। करीब 15 दिन पहले दीप्ति के परिजन ने उसकी शादी कहीं और तय कर दी थी, जिससे देवांशु नाराज था। जैसे-जैसे उसकी शादी की तारीख नजदीक आ रही थी, वैसे-वैसे प्रेमिका भी बेवफा होती जा रही थी। दीप्ती ने प्रेमी देवांशु से बात करनी तक बंद कर दी थी। जिससे वह पूरी रह से टूट गया था। उसके अंदर गुस्सा बढ़ता जा रहा था। देवांशु सोमवार तड़के करीब तीन बजे अपने पिता की लाइसेंसी बंदूक लेकर दीप्ति के घर पहुंचा।

उन्होंने बताया कि देवांशु ने घर में सो रही दीप्ति के सीने में गोली मारकर मौके से फरार हो गया और कुछ दूर जाकर खुद को भी गोली मार ली, जिससे उसकी भी मौत हो गई।

## फिल्मी स्टाइल में बैंक अफसरों को अगवा करने वाले बदमाश गिरफ्तार

### पैर में लगी पुलिस की गोली

**बस्ती।** यूपी के बस्ती में फिल्मी स्टाइल में बैंक अफसरों को अगवा कर बंधक बनाने वाले बदमाशों को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया है। एनकाउंटर के दौरान एक बदमाश को पैर में गोली लगी है। इन दोनों बदमाशों ने शनिवार की शाम घर लौट रहे बैंक अफसरों को असलहे के बल पर अगवा कर लिया था। बदमाश, अफसरों को कब्रिस्तान के पास ले गए थे। वहां उन्होंने अफसरों की पिटाई की और उनके एटीएम से रुपए ट्रांसफर कराए।

बदमाशों ने दोनों के एटीएम कार्ड ले लिए और उसमें जितने रुपये थे, निकाल लिए या कहीं ट्रांसफर कर लिया। उसके बाद परिजनों को फोन कराकर उनके खाते में रुपये मंगाकर निकालते-ट्रांसफर करते रहे। फिरौती वसूलने के बाद बदमाशों ने रविवार शाम अफसरों को छोड़ा था। देर रात पीड़ितों ने थाने पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी थी। जानकारी मिलते ही पुलिस बदमाशों की तलाश में जुट गई थी। सोमवार को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

बड़ौदा यूपी बैंक जीतिपुर के शाखा प्रबंधक रवि तिवारी, फील्ड अफसर राशिक के साथ शनिवार को शाम ब्रांच बंद कर कार से घर के लिए निकले थे। करीब 5.30 बजे श्रृंगिनारी के पास बाइक सवार कुछ बदमाशों ने इन्हें रोक लिया। अपहरण कर एक श्मशान के पास ले गए। वहां पर दोनों अधिकारियों को बदमाशों ने बंधक बना लिया। दोनों अधिकारियों के साथ मारपीट करते हुए फिरोती की रकम मंगाई। यह रकम उन्होंने अफसरों के एटीएम कार्ड और क्रेडिट कार्ड से निकाल ली। बदमाश इन दोनों को रविवार शाम मुक्त किया था। उसके बाद दोनों अधिकारी थाने पहुंचे।

एसपी अभिनंदन ने सोमवार को घटना स्थल को देखा। इस मामले के खुलासे के लिए एसपी ने कई पुलिस की स्पेशल टीम गठित की। पुलिस टीम ने आसपास के इलाके के सीसीटीवी कैमरों को खंगाल डाला। इस दौरान फुटेज से बदमाशों की पहचान हो गई। इसी दौरान मुखबिर के जरिए पुलिस को बदमाशों की भनक भी लग गई। सूचना के आधार पर सिकंदरपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के हैदराबाद में पुलिस ने घेराबंदी की। पुलिस के मुताबिक खुद को घिरता देख बदमाशों ने गोली चला दी। जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी।

## हमसफर एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश नाकाम

महानगर संवाददाता
गोरखपुर

### ट्रैक पर रखा मिला लोहे का टुकड़ा

यूपी की राजधानी लखनऊ में एक बड़ा रेल हादसा टल गया। मल्हौर स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर एक भारी-भरकम लोहे का ढांचा रखा था। आनंद विहार से गोरखपुर जा रही हमसफर एक्सप्रेस (12572) के लोको पायलट को जैसे ही यह दिखा, उसने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक ली। घटना सोमवार तड़के 3:40 बजे हुई। लोको पायलट ने समय रहते खतरा भांप लिया और तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका। घटना की सूचना तुरंत इंजीनियरिंग कंट्रोल लखनऊ को दी गई। मौके पर पहुंचे RPF, सिविल पुलिस और रेलवे अफसरों ने जांच शुरू की। रेलवे ट्रैक से हटाया गया स्ट्रक्चर होल्डिंग जैसा प्रतीत हो रहा है, जिसका नंबर 1087/8-10

है और जो डाउन लाइन पर गिरा मिला। प्रथम दृष्टया इसे किसी गहरी साजिश से जोड़कर देखा जा रहा है, क्योंकि ट्रैक पर इस तरह भारी वस्तु का पहुंचना सामान्य नहीं माना जा रहा। आरपीएफ और गोमतीनगर पुलिस की टीम ने मामला दर्ज कर लिया है। संबंधित धाराओं में एफआईआर लिखी गई है और जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

मामले की जांच अमरनाथ चौरसिया (उपनिरीक्षक) को सौंपी गई है। इससे पहले गरीब रथ स्पेशल ट्रेन पलटाने की साजिश की गई थी। रहीमाबाद के पास रेल ट्रैक पर मोटा लकड़ी का बोटा आम के पते और भगवा कपड़े में लपेट कर रखा गया था। रात में ही आरपीएफ ओर रेलवे अधिकारियों ने ट्रैक साफ कराया था। इससे करीब एक घंटे तक डाउन ट्रैक बाधित रहा था। गैंगमैन की तहरीर पर रहीमाबाद कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था।

## भाई ने कुल्हाड़ी से बहन की कर दी हत्या

### शव को भूसे में छिपाकर फरार, ऐसे हुआ खुलासा

**कौशांबी:** उत्तर प्रदेश के कौशांबी में सोमवार की सुबह किसी बात से नाखुश भाई ने छोटी बहन की कुल्हाडी से मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को भूसा में छिपाकर फरार हो गया। काम से लौटकर दोपहर में आए पिता ने बेटी की खोजबीन किया तो उसे खून के छीटो दिखे, जिसे वह भूसा घर तक पहुंचा और उसमें से शव को बाहर निकाला। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। कोखराज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत बालकमऊ गांव निवासी केशलाल जो मेहनत मजदूरी कर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करता है। रोज कि तरह वह सोमवार की सुबह काम पर चला गया। दोपहर में लौटकर भोजन करने घर आया, तो जलता चूल्हा देख

वह बेटी राजदुलारी (16) की खोजबीन शुरू किया। तभी उसने चूल्हे के पास खून के पड़े थक्के को देखा। तब वह अनहोनी की आशंका से खून के छीटो के सहारे भूसा घर तक जा पहुंचा। जहां बेटी की खून से लथपथ शव भूसा में दबा पाया। बता दें कि घर पर उसका बेटा अमर सिंह और बेटी राज दुलारी थे। बेटी खाना बना रही थी, इस दौरान बहन भाई के बीच किसी बात को लेकर कहा सुनी हुई। जिससे गुस्से में अमर सिंह ने कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ कई वार कर दिया। वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिरकर तड़पने लगी। कुछ देर बाद ही मौके पर मौत हो गई।

### यूपी में सुबह-सुबह एनकाउंटर

## मंगल सूत्र लुटेरे ने पुलिस टीम पर चलाई गोली

**गोरखपुर।** यूपी के गोरखपुर में सोमवार की सुबह-सुबह पुलिस और मंगल सूत्र लूट के एक आरोपी के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने लुटेरे को घेरा तो लूट आरोपी ने सरेंडर करने की बजाए पुलिस टीम पर गोली चला दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की जिसमें आरोपी को पैर में एक गोली लग गई। गोली लगने के बाद आरोपी वहीं गिर गया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। आरोपी के पास से पुलिस ने लूटा गया मंगलसूत्र, तमंचा, कारतूस और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक को बरामद कर लिया है। पति के साथ जा रही महिला का मंगल सूत्र लूटने की इस घटना को गोरखपुर के गगहा इलाके में अंजाम दिया गया था। पकड़े गए बदमाश की पहचान बड़हलगंज के परसिया गांव निवासी राजबहादुर यादव के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, बीते 16 जून को एक महिला अपने पति के साथ रिश्तेदारी में जा रही थी। रास्ते में गगहा कस्बे के पास पीछे से आए बाइक सवार ने झपट्टा मारकर मंगलसूत्र लूट लिया था। अचानक हुई इस घटना से पति-पत्नी सकते में आ गए। उन्होंने तत्काल पुलिस को इस मामले जानकारी दी। महिला की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस मामले की छानबीन कर ही रही थी कि सोमवार की सुबह सूचना मिली कि घटना में शामिल आरोपी मंगलसूत्र बेचने जा रहा है। सूचना के बाद पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी और पुलिस ने उसे दबोच लिया।गोली लगने के बाद गिरे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

**जवाबी फायरिंग में घायल**

## बाबतपुर एयरपोर्ट पर बेंगलुरु की फ्लाइट पकड़ने पहुंचे थे मुरुगन

### होल्ड एरिया में बेहोश, वाराणसी में गरमाया मामला

**वाराणसी।** उत्तर प्रदेश के वाराणसी से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। कर्नाटक का एक परिवार काशी भ्रमण के लिए वाराणसी आया हुआ था। काशी भ्रमण पूरी करने के बाद एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट पकड़ने परिवार रविवार को बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचा था। इसी दौरान परिवार का एक व्यक्ति बेहोश होकर गिर गया। यात्री के बेहोश होते ही परिजन घबरा गए। वहीं, एयरपोर्ट पर हलचल बढ़ गई। आनन-फानन मेंउन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां यात्री की तबीयत अभी स्थिर बताई जा रही है। दरअसल, बाबतपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन के होल्ड एरिया में रविवार की सुबह को यह हादसा हुआ। एक विमान यात्री के अचेत होकर गिरने के बाद उन्हें प्राथमिक उपचार कर अस्पताल रेफर किया गया। बाबतपुर एयरपोर्ट पर बेहोश हुए यात्री का शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। यात्री की तबीयत स्थिर बताई जा रही है। कर्नाटक के बेंगलुरु निवासी मुरुगन कांडासामी पत्नी, भाभी समेत 6 परिजनों के साथ काशी भ्रमण पर आए हुए थे। रविवार सुबह वे परिजनों के साथ एयरपोर्ट पहुंचे। उन्हें सुबह 8:35 बजे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान आईएक्स- 2716 से बेंगलुरु वापस जाना था। बोर्डिंग पास लेने के बाद वह होल्ड एरिया में प्रवेश करने जा रहे थे।

## दारोगा जी ने की 'चोरी'! कपड़ों के चार थैले उठाकर चल दिए

महानगर संवाददाता
मेरठ

### SSP ने ले लिया ये एक्शन

उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले की ट्रैफिक पुलिस एक बार फिर शर्मनाक आरोपों की वजह से सुर्खियों में है। मेरठ के हापुड़ अड्डे स्थित भगत सिंह मार्केट की एक रेडीमेड गारमेंट्स दुकान से चोरी करते हुए एक टीएसआई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। दुकान के मालिक सीताराम सिंघल ने आरोपी टीएसआई सुमित वशिष्ठ के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद उसे लाइन हाजिर कर दिया गया है। ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

यह घटना 10 जून की बताई जा रही है। भगत सिंह मार्केट स्थित सिंघल

गारमेंट्स की दुकान पर खरीदारी के लिए भारी भीड़ जुटी थी। इसी दौरान ट्रैफिक पुलिस में तैनात टीएसआई सुमित वशिष्ठ दुकान में घुसा और काउंटर के पास खड़ा हो गया। दुकान के कर्मचारी जब अपने काम में व्यस्त थे, उसी समय उसने मौका देखकर चार थैले उठाए और चुपचाप दुकान से निकल गया। इन थैलों में गारमेंट्स भरे थे। दुकान मालिक ने बाद में जब सीसीटीवी फुटेज खंगाला, तो सुमित वशिष्ठ की चोरी की करतूत सामने आ गई। वायरल वीडियो में वह साफ तौर पर थैले ले जाता दिखाई दे रहा है। मामला गरमाने के बाद आरोपी टीएसआई को लाइन हाजिर कर दिया गया। सीताराम सिंघल ने बताया कि जब उन्होंने दरोगा से चोरी की घटना का जिक्र किया और वीडियो दिखाया तो वह झूठ बोलने लगा। इसके बाद उसने बदले की भावना से उनके ग्राहकों को डराना और चालान काटना शुरू कर दिया। इससे उनके दुकान में सेल्स पर बुरा असर पड़ा। दुकान मालिक ने यह भी बताया कि टीएसआई की ड्यूटी उनकी दुकान के पास ही थी।

## खाला की बेटी के इश्क में हैवान बना युवक

**आगरा।** आगरा के जोनल पार्क (ताजगंज) के पास शुक्रवार रात ऑटो चालक बिलाल उर्फ भइये (उम्र 23 वर्ष) की हत्या प्रेम त्रिकोण के चलते हुई थी। हत्या करने वाला अपनी खाला की बेटी को चाहता था, वह उससे निकाह करना चाहता था। लेकिन खाला की बेटी की दोस्ती बिलाल से थी। इसके चलते वो बिलाल को अपना प्रतिद्वंद्वी मानने लगा। ताजगंज पुलिस हत्याकांड में एक ही दिन में खुलासे के करीब पहुंच गई है। देर रात एक आरोपी आमिर को गिरफ्तार कर लिया। खाला की बेटी से निकाह करने के लिए फरमान ने अपने दोस्त आमिर के साथ मिलकर बिलाल की बेरहमी से हत्या की।

### बाप रे यह दबंगई!

## बांदा में खनन की जांच कर रहे SDM और सीओ के गाड़ी को 30 लोगों ने घेरा

महानगर संवाददाता
बांदा

उत्तर प्रदेश के बांदा में खनन और ओवरलोडिंग की जांच के दौरान नरैनी के एसडीएम और सीओ की टीम पर हमले की घटना सामने आई है। आरोप है कि दो ओवरलोड ट्रकों को सीज करने के बाद एसडीएम की गाड़ी को 25-30 लोगों ने घेर लिया और उनके ड्राइवर के साथ मारपीट की। हमलावरों ने ट्रक छुड़ाने का दबाव बनाया। इस मामले में एसडीएम के चालक की तहरीर पर गिरवां थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

घटना रविवार रात करीब एक बजे की है। एसडीएम अमित शुक्ला और सीओ कृष्णकांत त्रिपाठी पैगंबरपुर

(गिरवां) के पास ओवरलोड वाहनों की जांच कर रहे थे। इस दौरान जय कामतानाथ लिखे दो ट्रक को मौरंग से ओवरलोड पाए जाने पर सीज कर खुरहंड चौकी भेजा गया। इसके बाद टीम पैगंबरपुर के जरर मोड़ पर चेकिंग में जुटी थी, तभी रात लगभग 10:45 बजे आधा दर्जन चारपहिया गाड़ियों से आए करीब 30 लोगों ने एसडीएम की सरकारी गाड़ी को घेर लिया।

चालक कामता प्रसाद मिश्रा ने बताया कि हमलावरों में ललित गुप्ता निवासी इटरा, खुरहंड, आलोक सिंह, छोटकू द्विवेदी और बड़कू द्विवेदी के नाम शामिल हैं। इनके साथ मौजूद लोगों के पास हॉकी, डंडे और जैक के रॉड थे। हमलावरों ने गाली-गलौज करते हुए गाड़ी को चारों ओर से घेर लिया और लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। एसडीएम की गाड़ी को पलटाने की कोशिश की गई। विरोध करने पर चालक को जमीन पर पटक कर पीटा गया और ट्रक छोड़ने का दबाव बनाया गया। चालक का आरोप है कि जान से मारने की नीयत से उसके सिर पर जैक के रॉड से हमला करने की कोशिश की गई, लेकिन उसने किसी तरह खुद को बचा लिया।

## मुझसे धंधा करा रही, प्लीज बचा लो...

### 9 साल की बच्ची की दर्दभरी पुकार, आगरा पुलिस ने की ये कार्रवाई

महानगर संवाददाता
आगरा

उत्तर प्रदेश के आगरा से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। 9 साल की एक बच्ची एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसतमें वह गोद लेने वाली अपनी मां पर जबरन देह व्यापार कराने का आरोप लगाती दिख रही है। वायरल वीडियो में बच्ची का रो-रोकर अपने जख्म दिखाती है। बच्ची का वीडियो सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में बच्ची अपनी मां सहित दो और नाम लेते हुए धंधा कराने का आरोप लगाती है।

आगरा से वायरल इस वीडियो में बच्ची कहती सुनाई देती है कि ये लोग मार-मारकर मुझसे धंधा कराते हैं। बच्ची की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी महिला को

हिरासत लिया है। वीडियो में सुनाई देता है कि ये मेरे से धंधा करा रही है। प्लीज मुझे बचा लो। ये मुझे मारने के लिए लाई है। वहां से मुझे धंधा कराने के लिए लाई है। मेरे से मार-मार कर धंधा कराती है।

वायरल वीडियो में बच्ची तीन नाम लेती दिखती है। बच्ची कहती है कि इनके नाम गीता, अमित और छुट्टन है। ये मार-मार कर मेरे से धंधा कराती है। मैं नहीं करना चाहती, जबरदस्ती करा रही है। ये देखिए खून निकल रहा है। इसके बाद बच्ची वीडियो में अपने चोटों को दिखाती है। वायरल वीडियो को देखने वाले लोग भी हैरान हैं। सोशल मीडिया यूजर्स इस वीडियो पर त्वरित कार्रवाई की मांग करते दिखते हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस भी एक्शन में आई है। पुलिस ने कथित मां को अरेस्ट कर लिया है। मामले की जांच में पुलिस जुट गई है। आगरा के एसीपी सदर हेमंत कुमार का बयान मामले में आया है। उनका कहना है कि गोद ली हुई 9 वर्षीय बालिका की ओर से अपनी मां पर लगाए गए आरोपों के संबंध में थाना सदर बाजार पर सूचना प्राप्त हुई थी। एसीपी सदर ने कहा कि वायरल वीडियो के आधार पर मामले में थाना सदर बाजार ने तत्काल संज्ञान लेते हुए केस रजिस्टर किया है।

# कई देश बनेंगे इजरायल और अमेरिका का निशाना

**मुस्लिम देशों पर क्यों भड़के फारूक अब्दुल्ला**

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

इजरायल और अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस चीफ फारूक अब्दुल्ला सुन्नी बहुल मुस्लिम देशों पर ही भड़क गए हैं। उन्होंने कहा कि आज अरब के देश सोचते हैं कि ईरान पर हमला हुआ है। लेकिन कल अरब के अन्य देशों पर भी हमला होगा। वे देश अमेरिका की नीति के खिलाफ हैं लेकिन उनमें बोलनी का साहस ही नहीं है। फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को अरब देशों को चेतावनी दी कि इजराइल और अमेरिका का अगला निशाना वही होंगे क्योंकि उनके तेल और गैस पर दोनों देशों की नजर है। उन्होंने कहा, 'यह उनकी (अमेरिका की) लंबे समय से नीति रही है कि ईरान को परमाणु शक्ति नहीं बनना चाहिए। यहां तक कि क्षेत्र के सुन्नी देश भी इसके खिलाफ हैं, लेकिन उनमें बोलने का साहस नहीं है।''

अब्दुल्ला ने यहां नवा-ए-सुबह में पार्टी की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, 'आज वे सोचते हैं कि ईरान पर हमला हुआ है, लेकिन मैं आपके माध्यम से उन्हें चेतावनी देना चाहता हूं कि एक दिन इजराइल उन पर भी हमला करेगा, क्योंकि वे तेल और गैस जैसी उनकी संपत्ति चाहते हैं। इजराइल केवल एक मुखौटा है, अमेरिका उसके ठीक पीछे खड़ा है।'पश्चिम एशिया में युद्ध के विकराल रूप लेने के असर के बारे में पूछे जाने पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे सभी देशों की आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि (अन्य) विश्व शक्तियां स्थिति पर नजर रख रही हैं।

अगर यह (युद्ध) बढ़ता है, तो हर देश की आर्थिक स्थिति बर्बादी की ओर बढ़ जाएगी। उन्हें इसे रोकने की कोशिश करनी चाहिए और मैं प्रार्थना करता हूं कि वे सफल हों, क्योंकि भारत में भी हमारी स्थिति बहुत खराब है।'

# पाक ने फिर उगला जहर

## बिलावल बोले- अगर भारत ने पानी डायवर्ट किया और डैम बनाए तो...

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारतीय सेना से कई बार 'पीटने' के बाद भी पाकिस्तान और वहां के राजनेता सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। आतंकवाद का समर्थन छोड़ने के बजाय पाकिस्तानी राजनेता भारत के खिलाफ जहर उगलने का काम लगातार कर रहे हैं। अब पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक बार फिर से भारत के खिलाफ जहर उगला है। प्राप्त खबर के अनुसार सिंधु जल संधि को लेकर बिलावल ने पाकिस्तान की नेशनल एसेंबली में बोलते हुए कहा कि उनका मुल्क भारत के खिलाफ एक और लड़ाई लड़ेगा। भारत को गीदड़भभकी देते हुए बिलावल ने कहा कि अगर सिंधु जल संधि का पालन नहीं किया गया तो उसे परिणाम भुगतने होंगे। बिलावल ने कहा कि अगर भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर नदी को डायवर्ट करने या डैम बनाने की कोशिश की तो भारत के खिलाफ जंग लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि हम अपने देश के लिए सभी छह नदियों का पानी हासिल करेंगे।

पाकिस्तानी नेशनल असेंबली में बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि ईरान और इजरायल के बीच जारी संघर्ष में पाकिस्तान को खुलकर ईरान के पक्ष में बात करनी चाहिए। बिलावल ने कहा कि पहले उन्होंने फिलिस्तान पर प्रहार किया, लेकिन कोई कुछ नहीं बोला। इसके बाद उन्होंने लेबनान पर हमला किया लेकिन कोई कुछ नहीं बोला, फिर उन्होंने यमन पर हमला किया लेकिन हम नहीं बोले। बिलावल ने आगे कहा कि अब वो ईरान पर हमले कर रहे हैं, अगर हम नहीं बोलेंगे तो जब वो हम पर प्रहार करेंगे तो हमारा पक्ष लेने के लिए कोई नहीं बचेगा।

# अमेरिका पर अटैक को तैयार बैठे हैं ईरानी 'स्लीपर सेल'

- G7 समिट में ट्रंप को मिली थी धमकी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

ईरान के परमाणु केंद्रों पर अमेरिकी सेना द्वारा किए गए भीषण हवाई हमलों ने ईरान-इजरायल युद्ध को और भयावह कर दिया है। खुफिया रिपोर्ट है कि ईरान ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इन हमलों से पहले एक गंभीर चेतावनी दी थी कि यदि अमेरिका ने युद्ध में हस्तक्षेप किया, तो अमेरिका के भीतर 'स्लीपर सेल' ऐक्टिव किए जा सकते हैं। ट्रंप को यह संदेश कनाडा में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एक मध्यस्थ के माध्यम से पहुंचाया गया था। यह जानकारी NBC और अन्य स्वतंत्र रिपोर्टों में सामने आई है। 'स्लीपर सेल' वे गुप्त एजेंट होते हैं जो किसी देश में सामान्य जीवन जीते हैं और गुप्त रूप से जासूसी, हमला या तोड़फोड़ करने के लिए तैयार रहते हैं। ये बाहरी तौर पर किसी आम नागरिक की तरह जीवन बिताते हैं, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर इन्हें सक्रिय किया जाता है। रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका में ईरान समर्थित हिज़बुल्लाह संगठन से जुड़े संभावित स्लीपर सेल पहले से मौजूद हैं।

**अमेरिका का जवाबी हमला**

शनिवार को अमेरिका ने फोर्डो, नतांज़ और इस्फ़हान स्थित ईरान के तीन प्रमुख यूरेनियम संवर्धन केंद्रों पर हमले किए। यह हमला बंकर-भेदी बमवर्षकों और मिसाइलों के माध्यम से किया गया और इसे अमेरिकी सेना ने "पूरी तरह सफल" बताया।

वाइट हाउस और संघीय जांच एजेंसी अब पूरी तरह सतर्क है। अमेरिकी सीमा सुरक्षा विभाग ने कहा है कि "ईरानी स्लीपर सेल्स का ख़तरा पहले से कहीं अधिक है।"

# 'ईरान के साथ भारत को मजबूती से खड़ा होना चाहिए'

- कांग्रेस के मुस्लिम सांसद बोले
- वो हमारा पुराना मित्र, उनके साथ हमारे सांस्कृतिक रिश्ते

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

इजरायल-ईरान युद्ध में अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बम बरसा दिए तो पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव फैल गया। भारत में इसको लेकर विपक्षी दल अमेरिका की आलोचना कर रहे हैं और ईरान को मित्र राष्ट्र बता रहे हैं। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भी कहा है कि भारत को ईरान के साथ खड़ा होना चाहिए, क्योंकि वो हमारा पुराना मित्र है। इमरान मसूद ने कहा कि ईरान के साथ भारत के सांस्कृतिक रिश्ते हैं।

कांग्रेस चेयरपर्सन सोनिया गांधी पहले ही भारत सरकार से ईरान का समर्थन करने की मांग कर चुकी हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर एक अंग्रेजी अखबार में लेख के जरिए भारत सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाए थे। वहीं इमरान मसूद ने कहा कि ईरान ने भारत का हमेशा साथ दिया था।

दरअसल, यूपी की सहारनपुर सीट से कांग्रेस के लोकसभा सांसद इमरान मसूद ने बातचीत में कहा कि हमें ईरान के साथ खड़ा होना चाहिए। ईरान हमारा पुराना दोस्त है। हमारे उनके साथ व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंध हैं, इसलिए हमें ईरान के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए। ईरान ने हमेशा हर तरह से हमारा साथ दिया है। इसलिए हमें इस मुश्किल समय में ईरान के साथ खड़ा दिखना चाहिए। इमरान मसूद ने कहा कि ईरान ने हमला नहीं किया। हमला ईरान पर ही हुआ है। ईरान ने कहा कि उसके सभी परमाणु कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की निगरानी में हैं और आप आकर उनका निरीक्षण कर सकते हैं।

**अमेरिका का हमला उग्रता को बढ़ावा**

इससे पहले चंडीगढ़ से कांग्रेस के लोकसभा सांसद और पार्टी के विदेश मामलों के विभाग के महासचिव मनीष तिवारी ने कहा था कि यह हमला स्पष्ट रूप से उग्रता बढ़ाने वाला है और इससे मध्य-पूर्व में गतिशीलता और भी उलझ जाएगी। यह स्पष्ट नहीं है कि यह हमला अमेरिकी युद्ध शक्ति संकल्पों का उल्लंघन है या नहीं, जिसके तहत युद्ध की घोषणा करने का अधिकार अमेरिकी कांग्रेस के पास है।

# 'तुम विमान उड़ाने लायक नहीं हो, जाओ जूते सिलो'

- इंडिगो के ट्रेनी पायलट ने वरिष्ठ अधिकारियों पर लगाया आरोप, FIR

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

इंडिगो फ्लाइट के ट्रेनी पायलट ने तीन वरिष्ठ अधिकारियों पर जातिवाद का आरोप लगाया है। पायलट ने कहा कि उन्होंने उससे कहा कि वह विमान उड़ाने के लिए फिट नहीं है और इसके बजाय उसे जूते सिलने चाहिए। ये पायलट एससी कैटेगरी से ताल्लुक रखता है। इस मामले पर उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इंडिगो के अधिकारियों तपस डे, मनीष साहनी और कैप्टन राहुल पाटिल के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

शिकायतकर्ता ने सबसे पहले बेंगलुरु में पुलिस से संपर्क किया। वहां पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज की। यह एफआईआर अब गुरुग्राम भेज दी गई है, जहां इंडिगो का हेडक्वार्टर है। बता दें कि जीरो एफआईआर को कहीं पर भी दर्ज किया जा सकता है, चाहे अपराध कहीं पर भी हुआ हो। ट्रेनी पायलट ने अपनी शिकायत में 28 अप्रैल को इंडिगो के गुरुग्राम ऑफिस में हुई मीटिंग का हवाला दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि 30 मिनट की मीटिंग के दौरान तीनों अफसरों ने जातिवादी गालियां दीं। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि तुम विमान उड़ाने के लायक नहीं हो, वापस जाओ और चप्पल सिलो। तुम यहां चौकीदार बनने के भी लायक नहीं हो। ट्रेनी पायलट ने कहा है कि उत्पीड़न का उद्देश्य उसे इस्तीफा देने के लिए मजबूर करना था। उन्होंने कहा कि अपमानजनक टिप्पणी का उद्देश्य एससी कैटेगरी के व्यक्ति के रूप में उसकी पहचान को कम करना था। इसके अलावा पायलट ने यह भी आरोप लगाया कि प्रोफेशनल उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है।

## पश्चिम बंगाल विधानसभा से भाजपा के चार विधायक निलंबित

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष ने सोमवार को भाजपा के चार विधायकों को सदन में कथित तौर पर अभद्र व्यवहार करने पर मौजूदा मानसून सत्र के लिए निलंबित कर दिया। इस कार्रवाई के विरोध में भाजपा विधायकों ने नारेबाजी करते हुए विधानसभा से बहिर्गमन किया। निलंबित भाजपा विधायकों में अग्निमित्र पॉल, शंकर घोष, शंकर ओरांव और दिलीप बर्मन शामिल हैं। अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने जब मार्शल को निलंबित भाजपा विधायकों को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया, तब सदन में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी सहित अन्य पार्टी विधायक नाराज होकर कुछ देर तक आसन के पास खड़े रहे।

# इंदौर में रनवे से वापस लौटी इंडिगो की फ्लाइट

**इंदौर।** मध्य प्रदेश के इंदौर से भुवनेश्वर की उड़ान भरने को तैयार इंडिगो की फ्लाइट 6E 6332 ने सोमवार सुबह उस वक्त सभी की सांसें थाम दीं, जब टेक ऑफ से ठीक पहले तकनीकी खराबी का पता चला। 140 यात्रियों से भरे इस विमान को रनवे से वापस लौटना पड़ा, जिसके बाद हवाई अड्डे पर हलचल मच गई। देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट पर सुबह 9 बजे उड़ान भरने वाली फ्लाइट 6E 6332 रनवे की ओर बढ़ रही थी, तभी पायलट को तकनीकी गड़बड़ी का अहसास हुआ। एयरपोर्ट डायरेक्टर विपिनकांत सेठ ने बताया कि पायलट की त्वरित सतर्कता के कारण विमान को तुरंत 'एप्रन' की ओर मोड़ दिया गया। 'एप्रन' वह क्षेत्र है, जहां विमानों का रख-रखाव, ईंधन भरण और यात्री उतार-चढ़ाव होता है। विमान के 'एप्रन' पर पहुंचते ही इंडिगो के इंजीनियरों ने मोर्चा संभाला। सेठ के मुताबिक खराबी मामूली थी, जिसे जल्द ही ठीक कर लिया गया।

खास बात यह रही कि इस दौरान यात्रियों को विमान से उतारने की जरूरत नहीं पड़ी। हालांकि तकनीकी खराबी का सटीक विवरण नहीं दिया गया। तय शेड्यूल के अनुसार फ्लाइट को सुबह 9 बजे भुवनेश्वर के लिए रवाना होना था, लेकिन मरम्मत कार्य के कारण यह सुबह 10:16 बजे उड़ान भर सकी।

# हरियाणा में ऐसा खौफ कि शराब कारोबार से ही तौबा

- 5 बार फेल हुई नीलामी
- CM को बुलानी पड़ी मीटिंग

महानगर नेटवर्क

चंडीगढ़

दारू और बारू यानी बालू के ठेकों को अच्छी कमाई का जरिया माना जाता रहा है। किसी भी राज्य में शराब के ठेकों के लिए बोली लगाने की होड़ रहती है और इसकी वजह इनसे होने वाली मोटी कमाई है। लेकिन हरियाणा में लोग शराब के ठेकों के लिए बोली ही नहीं लगा रहे हैं। इसकी कई वजहें हैं, लेकिन सबसे प्रमुख कारण इस धंधे में गैंगस्टरों का शामिल होना है। इसके चलते कोई भी ऐसा व्यक्ति इस धंधे के लिए बोली नहीं लगाना चाहता है, जो बाहुबली न हो और क्राइम से उसका वास्ता न हो। हरियाणा में सरकार के लिए शराब उद्योग से मिलने वाला रेवेन्यू विकास और गरीब कल्याण की नीतियां बनाने में काम आता रहा है। नायब सिंह सैनी सरकार के लिए चिंता की बात यह है कि प्रदेश के 22 जिलों में से 20 ऐसे हैं, जहां शराब के ठेकों के लिए कोई बोली ही नहीं लगी है। 5 बार ऑनलाइन नीलामी का विज्ञापन जारी किया जा चुका है, लेकिन कोई भी बोली लगाने के लिए आगे नहीं आ रहा।

# वोटों की गिनती के दौरान बंगाल में बम धमाका

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में सोमवार को कालीगंज सीट पर हुए उपचुनाव के लिए वोटों की गिनती के दौरान एक देसी बम फटने से नौ साल की एक लड़की की मौत हो गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपुष्ट रिपोर्टों में दावा किया गया है कि राज्य की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पार्टी की जीत का जश्न मना रहे तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एक सीपीएम समर्थक के घर पर देसी बम फेंक दिए, जिसके विफोट में 9 साल की बच्ची तमन्ना खातून गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार कालीगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत बारोचंदगर में सोमवार दोपहर को हुए बम विस्फोट में लड़की कथित रूप से घायल हो गयी थी। हालांकि, उसे अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन वह बच नहीं सकी, उसकी मौत हो गई। हालांकि, जिले के पुलिस प्रमुख के अमरनाथ इस बात की पुष्टि नहीं कर पाए कि इस दुखद घटना का कोई राजनीतिक संबंध है या नहीं।

**एक लड़की की मौत, आरोपों के घेरे में क्यों TMC**

**उपचुनाव में TMC की जीत**

कालीगंज सीट पर इस उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार अलीफा अहमद ने जीत दर्ज की है, जो सीटिंग विधायक नसीरुद्दीन अहमद की मौत के कारण खाली हुई थी। बनर्जी ने इस जीत के लिए निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, "कालीगंज विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में सभी धर्मों, जातियों, समुदायों और सभी वर्गों के लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग करके हमें भारी आशीर्वाद दिया है। मैं विनम्रतापूर्वक उनका आभार व्यक्त करती हूं।"

**CM ममता ने घटना पर जताया दुःख**

उधर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह इस घटना से "स्तब्ध और बहुत दुखी" हूं। उन्होंने कहा है कि पुलिस दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी। बनर्जी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मैं बारोचंदगर में विस्फोट में एक लड़की की मौत से स्तब्ध और बहुत दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी प्रार्थनाएं और संवेदनाएं परिवार के साथ हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस दोषियों के खिलाफ यथाशीघ्र कड़ी एवं निर्णायक कानूनी कार्रवाई करेगी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हम विस्फोट के कारणों की जांच कर रहे हैं।

# पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में लगी भीषण आग

**जलकर खाक हो गए कई कमरे**

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के परिसर में सोमवार को भीषण आग लग गई। आग में लेडीज बार रूम और रूम नंबर 4 पूरी तरह जलकर राख हो गया। मुख्य बार रूम का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर तुरंत काबू पाया। आग लगने के कारणों का पता अभी नहीं चल सका है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से जारी बयान में बताया गया कि आग से 35 लाख का नुकसान हुआ है। हालांकि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सरतेज सिंह नरूला ने बताया कि उन्हें सुबह 4:45 बजे हाईकोर्ट परिसर से कॉल आया, जिसके बाद वे तुरंत मौके पर पहुंचे। लेडीज बार रूम और रूम नंबर 4 में भीषण आग लगी थी। तुरंत फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। सुबह 5:15 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने के सही कारण की पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन ने आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। फायर डिपार्टमेंट की समय रहते कार्रवाई से आग के और फैलने से रोक लिया गया। अगर समय रहते आग न बुझाई जाती तो यह मुख्य बार रूम तक पहुंच सकती थी। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट को इसके आधुनिक वास्तुशिल्प के लिए जाना जाता है, जिसे फ्रांस के प्रसिद्ध वास्तुकार ली कॉर्बूज़िए ने डिज़ाइन किया था। इस से पहले साल 2019 में भी पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में उस परिसर की कैंटीन में अचानक से आग लग गई थी। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया था। इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ था।

# अमेरिका-इजरायल के खिलाफ युद्ध में कूदा यमन

- ईरान का देगा साथ

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

अमेरिका और इजरायल के खिलाफ जारी युद्ध में अब ईरान को मध्य पूर्व से एक और देश का खुला समर्थन मिला है। यमन ने आधिकारिक तौर पर इस युद्ध में शामिल होने का ऐलान कर दिया है। यमनी सशस्त्र बलों के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरीअ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए घोषणा की। इस घोषणा के साथ ही तीसरे विश्व युद्ध की आशंका और बढ़ गई है। ईरान और इजरायल के बीच 13 जून को शुरू हुए युद्ध में अब यमन भी आधिकारिक रूप से शामिल हो गया है। यमनी सशस्त्र बलों के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरीअ ने कहा कि यमन अब आधिकारिक रूप से अमेरिका और इजरायल के खिलाफ युद्ध में प्रवेश कर चुका है। अपने जहाजों को हमारी समुद्री सीमा से दूर रखें। यमन सेना का यह बयान ईरान पर अमेरिकी हवाई हमलों के बाद आया है।

# तेहरान की खतरनाक एविन जेल पर इजरायल ने कर दिया हमला

**तेहरान।** ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के बाद इजरायल ने फिर से हमला कर दिया है। इस बार इजरायल ने तेहरान की सरकारी इमारतों और कुख्यात एविन जेल को भी निशाना बनाया है। इजरायली सेना का दावा है कि मिसाइल और ड्रोन से तेहरान में पैरामिलिट्री रिवोलूशनरी गार्ड के मुख्यालय को भी तबाह कर दिया गया। इजरायल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान के तानाशाह को सजा दी जाएगी। ईरान के भूमिगत परमाणु ठिकाने फोर्दो पर सोमवार को इजरायल ने अटैक कर दिया। इससे पहले अमेरिका ने फोर्तो, नतांज और इस्फहान के परमाणु छइकानों को तबाह किया था। अमेरिका ने अपने ऑपरेशन का नाम 'मिडनाइट हैमर' दिया था। वहीं इजरायल ने ईरान के परमाणु ठिकानों और सरकारी इमारतों को दिन में ही निशाना बनाया है। ईरान के अधिकारियों ने कहा है कि परमाणु ठिकानों को खाली कर दिया गया है।


## बृहन्मुंबई महानगरपालिका

(ठोस कचरा प्रबंधन विभाग)

क्र. ए.ई./एसडब्ल्यूएम/4229/एम/डब्ल्यू दिनांक : 23.06.2025

विषय : एम/पश्चिम वार्ड में स्वच्छ मुंबई प्रबोधन अभियान के अंतर्गत सफाई कार्य हेतु जनशक्ति आपूर्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करने के संबंध में

### अभिरुचि की अभिव्यक्ति विज्ञापन

स्वच्छ मुंबई प्रबोधन अभियान के अंतर्गत ठोस कचरा प्रबंधन विभाग, एम/पश्चिम वार्ड में सफाई कार्य हेतु ऐसे संस्था/मंडल से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं, जिनमें जनभागीदारी के माध्यम से जनसंचालन एवं जनजागृति गतिविधियों को व्यवस्थित करने की क्षमता हो तथा जो गोल्डन जुबली नागरी रोजगार योजना के अंतर्गत महानगरपालिका में पंजीकरण कर लॉटरी प्रणाली के माध्यम से स्थापित समूहों का चयन एवं नियुक्ति कर इस योजना में कार्य करने हेतु सक्षम हों.

| अ.क्र. | योजना का नाम | कार्य हेतु चयनित संस्था की संख्या | आवेदन शुल्क (₹) |
|---|---|---|---|
| 1 | स्वच्छ मुंबई प्रबोधन अभियान (एसएमपीए) | 38 | ₹ 1452 + 18% जीएसटी = ₹ 1714/- |

आवेदन प्रत प्राप्त करने हेतु एम/पश्चिम वार्ड के सहायक अभियंता (एसडब्ल्यूएम) विभाग के कार्यालय से दिनांक 24.06.2025 से 01.07.2025 तक कार्यालयीन समय में ₹ 1452/- + 18% जीएसटी = कुल ₹ 1714/- (अप्रतिदेय) नगद अथवा 'बृहन्मुंबई महानगरपालिका' नामक राष्ट्रीयकृत बैंक के डिमांड ड्राफ्ट द्वारा नागरिक सुविधा केंद्र (सीएफसी) में जमा कर प्राप्त किया जा सकता है.

आवेदन जमा करते समय सभी आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर पूर्ण रूप से आवेदन करना अनिवार्य है. अन्यथा संस्था की पात्रता सूची में समावेश नहीं किया जाएगा. अपूर्ण दस्तावेज के आधार पर कोई पात्रता स्वीकार नहीं की जाएगी. पात्र संस्थाओं की सूची तथा लॉटरी ड्रॉ की तिथि एम/पश्चिम विभाग कार्यालय द्वारा संबंधित विभाग के सहायक आयुक्त के अनुसार योजना की शर्तों पर कार्य का आवंटन किया जाएगा. प्रत्येक कार्य हेतु पृथक आवेदन एवं पृथक शुल्क भरना अनिवार्य है.

इच्छुक संस्थाएं अधिक जानकारी, आवेदन पत्र एवं शपथपत्र नमूने के लिए एम/पश्चिम वार्ड के ठोस कचरा प्रबंधन कार्यालय से संपर्क करें. आवेदन की अंतिम तिथि दिनांक 01.07.2025 को शाम 5.00 बजे तक है.

निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे.

हस्ता./-

पीआरओ/765/विज्ञा./2025-26

सहायक अभियंता (एसडब्ल्यूएम) एम/पश्चिम

जहां-जहां होगा पानी का जमाव, वहां-वहां होगा मच्छरों का फैलाव


# भारतीय मिशनों ने दुनियाभर में धूमधाम से मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

देश के विभिन्न स्थानों के साथ ही दुनियाभर में 21 जून को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। अमेरिका से लेकर रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, कतर, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका के अलग-अलग शहरों में हजारों लोगों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया और भारत की इस प्राचीन विद्या को सम्मान दिया।

न्यूयॉर्क और जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र में भी विशेष योग शिविर लगाए गए, जिनमें भारतीय मूल के लोगों के साथ ही स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान दुनियाभर में स्थित भारतीय मिशनों ने विशेष योग सत्र आयोजित किए, जहां हजारों लोगों ने योग विशेषज्ञों से योग के नायाब गुर सीखे। योग दिवस के मौके पर न्यूयॉर्क के विख्यात टाइम्स स्क्वायर पर सैकड़ों लोग एकजुट हुए और योग को अपनी जीवनशैली में उतारने का संकल्प लिया। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में योग गुरु दीपक चोपड़ा ने ध्यान सत्र का नेतृत्व किया, जिसमें 1,200 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए।

भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने कहा कि इस वर्ष की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' है, जो 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को दर्शाती है। लंदन में महाराजा चार्ल्स तृतीय का विशेष संदेश पढ़ा गया।

मैं हार की जिम्मेदारी लेता हूं...

# प्रदेश अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने दिया इस्तीफा

महानगर नेटवर्क

अहमदाबाद

गुजरात विधानसभा उपचुनावों के कांग्रेस के शर्मनाक प्रदर्शन पर प्रदेश अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिला ने इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने चुनाव नतीजे घोषित होने के बाद कहा कि सोमवार को गुजरात में हमारे उपचुनाव के नतीजे आए हैं, जहां हम पिछले 30 सालों से सत्ता में नहीं हैं। वहां हमारे कार्यकर्ताओं ने बब्बर शेर की तरह चुनाव लड़ा, लेकिन नतीजे बहुत बुरे आए। मैं प्रदेश अध्यक्ष हूं और इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मैंने कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को अपना इस्तीफा भेज दिया है। गोहिल 2022 विधानसभा चुनावों के बाद प्रदेश अध्यक्ष बने थे। वह राज्यसभा के भी सदस्य हैं। राज्यसभा के सदस्य शक्ति सिंह गोहिल कांग्रेस आलाकमान में राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं।

उनके इस्तीफे से गुजरात की राजनीति गरमा गई है, तो वहीं कांग्रेस के अंदर सरगर्मी बढ़ गई कि गोहिल का इस्तीफा अगर स्वीकार होता है तो फिर नया अध्यक्ष कौन होगा? गोहिल के इस्तीफे के बाद अहमदाबाद की दाणीलीमड़ा सीट से विधायक शैलेष परमार को अंतरिम अध्यक्ष का चार्ज सौंपा है।

# अमावस्या का दिन पितरों की शांति, पितृ दोष निवारण के लिए सर्वश्रेष्ठ

आषाढ़ मास की अमावस्या तिथि को अत्यंत पुण्यदायी और लाभकारी माना गया है। इस अमावस्या को दर्श अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। अमावस्या का दिन पितरों की शांति, पितृ दोष निवारण और देवी-देवताओं की कृपा पाने के लिए सर्वश्रेष्ठ होता है। आषाढ़ मास की अमावस्या तिथि 24 जून को शाम 7 बजे शुरू होगी और इस तिथि का समापन 25 जून को शाम 4:02 बजे होगा। ऐसे में आषाढ़ अमावस्या 25 जून 2025 को मनाई जाएगी। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस दिन किए गए उपाय न सिर्फ वर्तमान जीवन को खुशहाल बनाते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन को भी शुभ फल देते हैं।

## आषाढ़ अमावस्या के उपाय

**पीपल के पेड़ की पूजा**
आषाढ़ अमावस्या पर सुबह स्नान करके पीपल के पेड़ पर जल अर्पित करें, वहां दीपक जलाएं और सात बार परिक्रमा करें। पीपल में पितरों और त्रिदेवों का वास माना गया है। ऐसा करने से पितृ दोष भी शांत होता है और परिवार में समृद्धि आती है।

**नदी में स्नान**
आषाढ़ अमावस्या के दिन गंगा या यमुना आदि किसी पवित्र नदी में स्नान करना पुण्यदायी होता है। अगर नदी न हो, तो घर में जल में गंगाजल का सेवन करें और दक्षिण दिशा की ओर मुख करके जल में तिल डालकर अर्पित करें।

**पितरों के नाम पर भोजन**
आषाढ़ अमावस्या पर पितरों के लिए भोजन बनाकर काली गाय, काला कुत्ता, कौआ, ब्राह्मण और जरूरतमंद को भोजन कराना चाहिए। इस उपाय को करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है पारिवारिक कष्ट दूर होते हैं।

**महामृत्युंजय मंत्र का जाप**
आषाढ़ अमावस्या के दिन विशेष रूप से भगवान शिव की उपासना करें और महामृत्युंजय मंत्र का जाप 108 बार करना चाहिए। इस उपाय के करने से सेहत और लंबी उम्र मिलती है, साथ ही सभी रोगों से मुक्ति मिलती है।

**काले तिल और लोहे का दान**
आषाढ़ अमावस्या पर काले तिल, लोहा, तेल और कपड़े आदि का दान विशेष फलदायी होता है। ऐसा माना जाता है कि इन चीजों को दान करने से राहु-केतु के अशुभ प्रभाव शांत होते हैं और आर्थिक समस्याओं से राहत मिलती है।

**गरीबों को दान दें**
धार्मिक मान्यता है कि आषाढ़ अमावस्या पर छाता और कपड़े दान करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और सालभर घर में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहती है।

# नींबू से घर में नकारात्मक ऊर्जा कैसे चेक करें?

घर में नेगेटिव एनर्जी की वजह से परिवार के लोगों को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ता है। वास्तु शास्त्र में सकारात्मक ऊर्जा और नकरात्मक ऊर्जा के बारे में बताया गया है। आइए आपको बताते हैं कि आप नींबू से घर में नकारात्मक ऊर्जा कैसे चेक कर सकते हैं। वास्तु शास्त्र में सकारात्मक ऊर्जा और नकरात्मक ऊर्जा के बारे में बताया गया है। घर में अगर नकारात्मक ऊर्जा हो तो परिवार को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आइए आपको बताते हैं कि नींबू से घर में नकारात्मक ऊर्जा कैसे चेक कर सकते हैं।

*वैसे तो आप वास्तु शास्त्र में बताए गए कई तरीकों से घर में नकारात्मक ऊर्जा चेक कर सकते हैं, लेकिन नींबू से घर की नेगेटिव एनर्जी दूर चेक करना सबसे आसान तरीका है। आइए आपको बताते हैं कि कैसे।*

नींबू से घर में नकारात्मक ऊर्जा चेक करने के लिए एक कांच का गिलास लें और इसमें ऊपर तक साफ पानी भर लें। अब इस कांच के गिलास में एक नींबू डालकर 10-20 मिनट के लिए छोड़ दें।
अगर गिलास मे नींबू पानी में तैरता है, तो इसका मतलब है कि आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा है। वहीं, अगर गिलास में नींबू डूब जाता है, तो इसका मतलब है कि आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास है।
वास्तु शास्त्र के अनुसार, नींबू में नकारात्मक ऊर्जा को अवशोषित करने की क्षमता होती है। नींबू से घर में नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिए एक कांच के गिलास में पानी के साथ नींबू रखने से घर की नेगेटिव एनर्जी दूर हो जाती है।
इसके अलावा, आप एक और आसान तरीके से घर की नकारात्मक ऊर्जा का पता लगा सकते हैं। इसके लिए एक कांच के गिलास में पानी भरकर में थोड़ा गंगाजल डालें। फिर उस पानी में गुलाब की पत्तियां डाल दें। इसके बाद इस गिलास को घर के किसी कोने में छिपाकर रख दें। 24 घंटों के लिए इसे सबकी नजरों से दूर रखें। 24 घंटे बाद अगर पानी का रंग पूरी तरह बदल गया है तो समझें आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा है।

# घर में बाथरूम से जुड़ी इन बातों का रखें ध्यान...

वास्तु का हमारा जीवन में बहुत प्रभाव है। घर में वास्तु दोष के कारण लोगों को जीवन में बहुत सी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। घर के बाथरूम में वास्तु से जुड़ी इन बातों का ख्याल रखने से घर में फैल रही नकारात्मकता को रोका जा सकता है। टॉयलेट सीट को खुला नहीं रखना चाहिए। इसे हमेशा बंद रखें। टॉयलेट सीट खुली रहने से मानिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है।

बाथरूम में शीशा हमेशा सही जगह पर होना चाहिए। इस बात का ख्याल रखें और बाथरूम में शीशा हमेशा उत्तर या पूर्व दिशा में ही लगाएं। साथ ही इस बात का ख्याल भी रखें शीशा कभी गंदा ना रहेगा।
बाथरूम के पास मंदिर नहीं होना चाहिए। वास्तु के अनुसार इसको शुभ नहीं माना जाता है। यह एक बहुत बड़ा वास्तु दोष है। अगर आपके घ में भी ऐसा है तो इसे तुरंत ठीक करें और बाथरूम और मंदिर के बीच में कोई लकड़ी का पार्टिशन डलवाएं।

**बाथरूम को हमेशा साफ-**सुथरा रखें। फैला हुआ बाथरूम नकारात्मकता को आकृर्षित करता है। इसीलिए सामान को फैला कर ना रखें और व्यवस्थित रखना चाहिए।
बाथरूम में नल का पानी जांच लें। बाथरूम से पानी का टपकना शुभ नहीं माना जाता है। बाथरूम का नल कसकर बंद करें। टपकता हुआ पानी आर्थिक हानि को दर्शाता है। बाथरूम का दरवाजा खुला हुआ रखने की अगर आदत है तो इस बात में सुधार लाएं। बाथरूम का दरवाजा हमेशा बंद रखना चाहिए।

# मुंह के छाले का प्राकृतिक और घरेलू उपाय

मुंह के छाले गाल के अंदर, जीभ पर या होठों के किनारे निकलते हैं और खाने-पीने, बोलने में जलन और दर्द पैदा करते हैं। मुंह में छाले के कारण पेट से संबंधित हो सकते हैं। माऊथ अल्सर गंभीर बीमारी नहीं होती, लेकिन बार-बार हो तो कारण जानना जरूरी है। मानसून के मौसम में पाचन में गड़बड़ी, एसिडिटी या इम्युनिटी कमजोर होने के कारण मुंह में छाले यानी Mouth Ulcers निकलना सकते हैं। कभी-कभी हार्मोनल चेंजेस, रोग-प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होना मुंह में दांतों से चोट लगना या कुछ तीखा हो एसीडिक खाने से एलर्जी होने से भी मुंह के छाले निकल आते हैं। मुंह के छालों से छुटकारा पाने के लिए ओरल हाइजीन अच्छा रखना बेहद जरूरी है।

### हल्दी और नारियल पानी को मिलाकर पिएं
मुंह के छाले होने पर सख्त भोजन करने में तकलीफ होती है तो ऐसे में नारियल पानी अच्छा विकल्प है। एक गिलास ताजा नारियल पानी लें, 1 चौथाई हल्दी मिला लें। अच्छे से मिक्स करके दिन में 3 बार पिएं। एक साथ नहीं पी सकते तो हल्की-हल्की सिप लेकर पीते रहें।

### हल्दी के गरारे करें
आधा गिलास गुनगुना पानी लें। उसमें चुटकी भर हल्दी मिला लें। इस गुनगुने पानी से दिन में 2 बार कुल्ला करने से मुंह के छालों में आराम मिलता है।

### नारियल पानी क्यों फायदेमंद है?
ठंडा और प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट से भरपूर। शरीर की गर्मी कम करता है। मुंह के छालों को शांत करता है। हाइड्रेशन बनाए रखता है, जिससे छाले जल्दी भरते हैं।

### हल्दी क्यों असरदार है?
प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल। सूजन कम करती है। घाव जल्दी भरने में मदद करती है।

# स्किन और सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद हल्दी

हल्दी हर भारतीय रसोई में पाई जाती है। पीले रंग की ये हर्ब न केवल खाने का जायका बढ़ाने का काम करती है, बल्कि हल्दी आपकी स्किन और सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर हल्दी एक जैसी नहीं होती? यानी जिस हल्दी को आप दूध में मिलाकर पीते हैं या स जी में डालकर खाते हैं, वो चेहरे पर लगाने वाली हल्दी नहीं होती है। ऐसे में आइए एक्सपर्ट्स से जानते हैं स्किन के लिए किस हल्दी का इस्तेमाल करना चाहिए और खाने के लिए कौन सी हल्दी बेस्ट होती है।

### क्या कहते हैं एक्सपर्ट?
मामले को लेकर फेमस सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट ने वे बताती हैं, अगर स्किन के लिए सही प्रकार की हल्दी का इस्तेमाल न किया जाए, तो लाभ मिलने के बजाय नुकसान हो सकते हैं। इसलिए हल्दी को पहचानना और उसका सही उपयोग करना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं किस हल्दी का इस्तेमाल कैसे करें।

### कितनी तरह की होती है हल्दी?
न्यूट्रिशनिस्ट्स के अनुसार, हल्दी को मुख्य रूप से तीन भागों में बांटा जा सकता है, पहला स्किन की देखभाल के लिए, दूसरा स्वास्थ्य लाभ के लिए और तीसरा रोज भोजन में डालने के लिए।

### त्वचा के लिए हल्दी
इसके लिए न्यूट्रिशनिस्ट्स कस्तूरी हल्दी और सफेद हल्दी का इस्तेमाल करने की सलाह देती हैं।
कस्तूरी हल्दी त्वचा की चमक बढ़ाने, टैन हटाने और एक्ने-पिंपल को ठीक करने में फायदेमंद होती है। इसे चेहरे पर लगाया जाता है लेकिन यह खाने योग्य नहीं होती।
वहीं, दूसरी ओर सफेद हल्दी का इस्तेमाल उबटन बनाने और जख्मों पर मरहम में किया जाता है, साथ ही यह पाचन में भी मदद करती है। पर इसे भी सीधे भोजन में नहीं डालना चाहिए।

### इम्यूनिटी और हीलिंग के लिए हल्दी
श्वेता शाह बताती हैं, लाकाडोंग हल्दी में सबसे ज्यादा कर्क्यूमिन पाया जाता है (7-12%), जिससे इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण बढ़ जाते हैं। ऐसे में हल्दी वाला दूध बनाने के लिए लाकाडोंग हल्दी का इस्तेमाल करें। वहीं, अगर आप पाचन से जुड़ी समस्याओं को दूर करना चाहते हैं, तो इसके लिए हल्दी का इस्तेमाल करें।
ये मुख्य रूप से केरल में पाई जाती है और यह पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करती है। इसे काढ़ों या गर्म पानी में मिलाकर लिया जाता है।

### रोजाना खाना पकाने के लिए हल्दी
न्यूट्रिशनिस्ट्स इरोड हल्दी को खाना बनाने के लिए सबसे अच्छा बताती हैं।
इससे अलह राजापुरी हल्दी हल्के पीले रंग की होती है और इसे भी सामान्य भोजन में इस्तेमाल किया जा सकता है।

# डैमेज बालों को चाहिए ये नाइट रूटीन

## हर सुबह मिलेंगे चमकते बाल

ऐसे बहुत से लोग हैं जिनके बाल रूखे बेजान और डैमेज हो चुके हैं। इसे ठीक करने के लिए ज्यादातर लोग महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं लेकिन फिर भी कोई फर्क नहीं पड़ता। माना जाता है कि डैमेज बालों को ठीक करने के लिए सिर्फ दिन की देखभाल काफी नहीं होती। रात का समय बालों की मरम्मत के लिए सबसे सही माना जाता है क्योंकि इस दौरान शरीर के बाकी हिस्सों की तरह बाल भी आराम की स्थिति में होते हैं और रिपेयर प्रोसेस तेजी से काम करता है। तो आइए जानते हैं कि रोजाना रात में कौन-से असरदार तरीकों को अपनाना चाहिए, जिससे डैमेज बाल अच्छे और सुंदर नज़र आएंगे।



- **हेयर ऑयलिंग** - ऐसा माना जाता है कि हेयर ऑयलिंग करने से बाल काफी अच्छे होते हैं। आप रोजाना या हफ्ते में एक से दो बार रात को सोने से पहले हल्के हाथों से स्कैल्प पर तेल की मालिश करें। आप चाहें तो नारियल, बादाम या अरंडी का तेल बालों में लगा सकते हैं। यह आपके बालों को गहराई से पोषण देगा और टूट-फूट से भी बचाएगा।
- **हेयर ब्रशिंग** - रोजाना सोने से पहले बालों को सॉफ्ट ब्रश से धीरे-धीरे सुलझाएं। इससे स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और बालों की जड़ें मजबूत होती हैं। यह आदत आपको डैमेज बालों से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकती है।
- **ढीली चोटी या बन** -ऐसे कई लोग हैं जो रात को सोते समय टाइट हेयरस्टाइल बनाकर सो जाते हैं। यह बालों को नुकसान पहुंचा सकता है, क्योंकि इससे बालों पर खिंचाव पड़ता है और वे टूट सकते हैं। आप सोने से पहले बालों को हल्के से बांधें या ढीली चोटी बना लें ताकि रातभर वे सुरक्षित रहें।
- **साटन हेयर कैप से कवर करें** - आप चाहें तो कॉटन तकिए की जगह साटन हेयर कैप या साटन तकिए का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे बालों में फ्रिज, टूटने और ड्राइनेस की समस्या कम होती है।

# बारिश में बच्चों को बार-बार क्यों होता है खांसी

आज हम आपको बताने जा रहे हैं खांसी-जुकाम और सर्दी से बचाव के लिए कुछ आसान घरेलू उपाय, लेकिन उससे पहले आपको बताते हैं कि आखिर बारिश के मौसम में बच्चे बार-बार खांसी-जुकाम या सर्दी के शिकार क्यों बन जाते हैं. बारिश में बच्चों को बार-बार क्यों होता है खांसी-जुकाम?

**मौसम का अचानक बदलना :-** अक्सर बारिश के मौसम में कभी तेज गर्मी, कभी ठंडी हवा, तो कभी नमी बच्चों की सेहत को प्रभावित करते हैं। बच्चों की इम्यूनिटी बड़ों के मुकाबले काफी कमजोर होती है, इस वजह से वो जल्दी ही वायरस या बैक्टीरिया के शिकार बन जाते हैं।

**संक्रमण का तेजी से फैलना :-** बच्चे अक्सर स्कूल, पार्क या पार्टी में एक-दूसरे के संपर्क में आ जाते हैं। इस दौरान छींकने या खांसने पर निकलने वाली बूंदें आसानी से दूसरे बच्चों को भी संक्रमित कर देती हैं।

**भीगना या गंदे पानी में खेलना :-** बच्चों को बारिश में भीगना काफी अच्छा लगता है। जाहिर है कि बारिश में भीगने, गंदे पानी में खेलने या गीले कपड़ों देर तक पहने रहने के कारण भी बच्चे सर्दी-जुकाम, खांसी या वायरल इंफेक्शन के शिकार बन जाते हैं।

# मुंबई क्रिकेट से नाता तोड़ना चाहते हैं पृथ्वी शॉ

## MCA से मांगी NOC

### फिटनेस-फॉर्म के कारण विजय हजारे ट्रॉफी से किये गए थे बाहर

**मुंबई।** मुंबई के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को सूचित किया है कि वह 'पेशेवर' के रूप में दूसरे राज्य का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। उन्होंने अपने मूल संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा है। एमसीए के एक सूत्र ने इंडियन एक्सप्रेस को इसकी पुष्टि की है। सूत्र ने बताया, 'उन्होंने हमसे एनओसी मांगी है और हम जल्द ही इस पर निर्णय लेंगे।'

पृथ्वी शॉ को पिछले साल मुंबई की सीनियर चयन समिति ने खराब फिटनेस के कारण रणजी ट्रॉफी मैच से बाहर कर दिया था। उनके लिए एमसीए प्रशिक्षकों द्वारा तैयार दो सप्ताह का फिटनेस कार्यक्रम तय किया गया था। टीम प्रबंधन ने एमसीए को सूचित किया था कि पृथ्वी शॉ के शरीर में 35 प्रतिशत वसा है और टीम में वापसी से पहले उन्हें कठोर प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

पता चला है कि पृथ्वी शॉ को इस महीने की शुरुआत में 2-3 राज्यों से ऑफर मिले थे। अक्टूबर 2024 में, एमसीए की चयन समिति ने फैसला किया था कि अगर पृथ्वी शॉ को फिर से मुंबई के लिए खेलना है, तो उन्हें कुछ किलो वजन कम करना होगा। उनकी फिटनेस और फॉर्म में सुधार नहीं हुआ और परिणामस्वरूप चयन समिति ने उन्हें विजय हजारे ट्रॉफी से भी बाहर करने का फैसला किया। विजय हजारे ट्रॉफी दिसंबर 2024 में खेली गई थी।

25 वर्षीय खिलाड़ी ने इस बर्खास्तगी पर प्रतिक्रिया देते हुए सवाल किया था कि चयनकर्ताओं को मनाने के लिए उन्हें और क्या करने की ज़रूरत है। पृथ्वी शॉ ने सोशल मीडिया पोस्ट में अपने लिस्ट ए नंबरों का हवाला दिया और वादा किया कि वे लौटेंगे। उन्होंने लिखा, 'मुझे बताओ भगवान, मुझे और क्या देखना है.. अगर 65 पारियां, 55.7 के औसत से 3399 रन और 126 की स्ट्राइक रेट के बावजूद, मैं काफी अच्छा नहीं हूं लेकिन मैं आप पर अपना विश्वास बनाए रखूंगा और उम्मीद है कि लोग मुझ पर अब भी विश्वास करेंगे क्योंकि मैं निश्चित रूप से वापस आऊंगा ओम साई राम।'

#### 2022 के बाद से भारत में लिस्ट ए मैच नहीं खेला

पृथ्वी शॉ ने 2022 के विजय हजारे टूर्नामेंट के बाद से भारत में लिस्ट ए नहीं खेला है। हालांकि, वह इंग्लैंड में नॉर्थम्पटनशायर काउंटी के लिए वन डे कप के लिए खेले। उनकी आखिरी पांच पारियां 97, 72, 9, 23, 17 थीं। वहीं, जब उन्होंने 2 साल पहले आखिरी बार मुंबई के लिए खेला था, तो उनके आखिरी पांच स्कोर 32, 54, 39, 51 और 10 थे।

#### श्रेयस अय्यर ने भी दिखाई थी 'बेरुखी'

पिछले साल बेंगलुरु में मध्य प्रदेश को हराकर मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती थी। इसके बाद मुंबई के कप्तान श्रेयस अय्यर से पृथ्वी शॉ के बारे में पूछा गया था। श्रेयस अय्यर ने कहा था, 'हम किसी की देखभाल नहीं कर सकते, है न? उसने बहुत क्रिकेट खेली है। सभी ने उसे इनपुट दिए हैं। आखिरकार, यह उसका काम है कि वह खुद ही चीजों का पता लगाए। और उसने अतीत में भी ऐसा किया है। ऐसा नहीं है कि उसने ऐसा नहीं किया है। उसे ध्यान केंद्रित करना होगा। उसे बैठकर सोचना होगा। उसे खुद ही जवाब मिल जाएगा। कोई भी उसे कुछ करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता।'

# ऋषभ पंत ने दोनों पारियों में शतक जड़कर लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

## ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी

**हेडिंग्ले।** भारत के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है. उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट 2025 की दोनों पारियों में शतक जड़कर भारतीय क्रिकेट इतिहास में खास जगह बना ली है. पहली पारी में पंत ने शानदार 134 रन बनाए, जबकि दूसरी पारी में उनके बल्ले से 118 रन आए. यह कारनामा करने वाले पंत भारत के सातवें बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया है. उनसे पहले यह उपलब्धि विजय हज़ारे, सुनील गावस्कर (3 बार), राहुल द्रविड़ (2 बार), विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे और रोहित शर्मा ने हासिल की थी. हालांकि पंत ने इस सूची में एक खास रिकॉर्ड भी जोड़ा है. वह इंग्लैंड में टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं. इतना ही नहीं, पंत एक टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले दुनिया के केवल दूसरे नामित विकेटकीपर हैं. इससे पहले यह रिकॉर्ड जिम्बाब्वे के एंडी फ्लावर के नाम था, जिन्होंने 2001 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 142 और नाबाद 199 रन बनाए थे।

#### भारतीय टीम की कुल बढ़त 300 रनों के पार

**हेडिंग्ले।** लीड्स में पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। आज मुकाबले का चौथे दिन है, जो भारत के नजरिए से बड़ा अहम है। तीसरे सेशन का खेला जारी है। फिलहाल, भारत के लिए दूसरी पारी में केएल राहुल (121)* और करुण नायर (4)* बल्लेबाजी कर रहे हैं। दूसरे सेशन में भारत ने 145 रन जुटाए और ऋषभ पंत (118) के रूप में एक विकेट गंवाया। दिन के पहले सेशन में भारत ने एक के नुकसान पर 63 रन जोड़े थे। कप्तान शुभमन गिल (8) सस्ते में पवेलियन लौटे। भारत की कुल बढ़त 305 रनों की हो गई है। रविवार को स्टंप्स तक भारत ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 90 रन बनाए। भारत की दूसरी पारी में शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहली पारी में शतक जड़ने वाले यशस्वी जायसवाल महज चार रन ही बना सके। राहुल ने साई सुदर्शन (30) के संग दूसरे विकेट के लिए 66 रनों की साझेदारी की।

# पंजाब किंग्स ने जिसे एक मैच खिलाकर किया बाहर

## मिचेल ओवन ने जड़े 17 छक्के, 52 गेंदों पर टीम को जिताया मैच

**नई दिल्ली।** किसी भी खिलाड़ी को परखने के लिए उसे मौके देने होते हैं. पंजाब किंग्स ने वही नहीं किया. IPL 2025 में पंजाब किंग्स ने जिसे सिर्फ 1 मैच खिलाकर बाहर कर दिया, उस खिलाड़ी ने MLC 2025 के एक मैच में सिर्फ 52 गेंदों पर धमाल मचाकर टीम को जीत दिलाई है. हम बात कर रहे हैं मिचेल ओवन की, जिन्हें पंजाब किंग्स ने ग्लेन मैक्सवेल के रिप्लेसमेंट के तौर पर 3 करोड़ रुपये में खुद से जोड़ा था. मगर वो 1 मैच से ज्यादा नहीं खेल पाए. आईपीएल 2025 में मिचेल ओवन ने पंजाब किंग्स की ओर से राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ डेब्यू किया था. उस मैच में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने उतरे मिचेल ओवन ने एक भी रन नहीं बनाए और बिना खाता खोले ही आउट हो गए थे. मगर अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट में उनका सूरतेहाल वैसा नहीं है. वहां वो धमाका पर धमाका किए जा रहे हैं. नतीजा ये है कि 24 घंटे के अंदर वो दूसरी बार अपनी टीम की जीत के हीरो बने हैं। MLC 2025 में मिचेल

ओवन का लेटेस्ट धमाका टेक्सस सुपर किंग्स के खिलाफ देखने को मिला. इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए टेक्सस सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 220 रन बनाए, जिसमें उसके कप्तान फाफ डु प्लेसी ने सबसे ज्यादा 69 रन बनाए।

# केएल ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

## SENA देशों में सर्वाधिक 50+ रन बनाने वाले संयुक्त दूसरे भारतीय ओपनर

**लीड्स।** भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने सोमवार को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में अपने टेस्ट करियर का 18वां पचासा जड़ा। इसी के साथ उन्होंने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह SENA देशों यानी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में सर्वाधिक 50+ स्कोर बनाने वाले संयुक्त दूसरे भारतीय ओपनर बन गए। 33 वर्षीय बल्लेबाज ने दूसरी पारी में 87 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा। इससे पहले उन्होंने पहली पारी में 78 गेंदों में आठ चौके की मदद से 42 रन बनाए थे। अपने टेस्ट करियर के 18वें अर्धशतक के साथ केएल ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह SENA देशों में सर्वाधिक 50+ स्कोर बनाने वाले संयुक्त दूसरे भारतीय ओपनर बन गए। इस मामले में उन्होंने वीरेंद्र सहवाग और मुरली विजय की बराबरी कर ली। केएल राहुल ने नौ बार SENA देशों में 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया है।

| SENA देशों में सर्वाधिक 50+ स्कोर बनाने वाले भारतीय ओपनर | |
|---|---|
| 19 | सुनील गावस्कर (57 पारी) |
| 9* | केएल राहुल(49 पारी) |
| 9 | वीरेंद्र सहवाग (49 पारी) |
| 9 | मुरली विजय (42 पारी) |

# मैंने टीम में अपनी जगह को लेकर हो रही चर्चाओं पर ध्यान नहीं दिया : ओली पोप

**लीड्स।** इंग्लैंड की पहली पारी में शानदार शतक लगाने वाले शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ओली पोप ने कहा कि पिछले साल भारत के खिलाफ उसकी धरती पर खेली गई टेस्ट श्रृंखला में असफल रहने के बाद टीम में उनकी जगह को लेकर हो रही चर्चाओं पर ध्यान न देने से उन्हें वापसी करने में मदद मिली। इंग्लैंड के उप-कप्तान पोप ने पिछले साल भारत के खिलाफ हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट में 196 रन बना कर शानदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद जसप्रीत बुमराह और भारतीय स्पिनर ने उनकी कमजोरी का खुलासा करने में देर नहीं लगाई। वह अगले चार मैच में केवल 40 रन बना पाए जिससे टीम में उनकी जगह को लेकर चर्चा होने लगी थी। भारत के खिलाफ यहां पहले टेस्ट मैच में 106 रन बनाने वाले पोप ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, 'मैंने कोशिश की है कि इन चर्चाओं का मुझ पर ज्यादा असर न पड़े।' उन्होंने कहा, 'मैं बस यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा हूं कि मेरा खेल यथासंभव बेहतर स्थिति में रहे और जब मैं बल्लेबाजी के लिए मैदान में उतरूं तो मौके का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करूं। मैंने बाहर हो रही चर्चाओं पर ध्यान नहीं दिया और खुद को मानसिक रूप से मजबूत करने और अपने खेल को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया।' पोप ने अपनी मानसिकता में बदलाव लाने की कोशिश की है, जिससे उन्हें अपने पहले 30 रन तक पहुंचने के लिए बहुत अधिक दबाव महसूस नहीं होता और फिर वह बड़ी पारी खेलने के लिए तैयार हो जाते हैं। उन्होंने कहा, 'यह अपने खेल को थोड़ा बेहतर बनाने का प्रयास है। यह प्रक्रिया से जुड़ा है जिसका मैं पूरा आनंद लेकर आगे बढ़ना चाहता हूं। मैं रन बनाने के लिए किसी तरह की जल्दबाजी नहीं दिखाना चाहता हूं। मेरा प्रयास रहता है कि मेरा डिफेंस यथासंभव अच्छा रहे।' अपनी शतकीय पारी के बारे में पोप ने कहा, 'यह निश्चित रूप से (एक ऐसी पारी) थी जिसका मैंने वास्तव में आनंद लिया।

# ललित ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से लिया संन्यास

## टोक्यो-पेरिस ओलंपिक में टीम को दिलाया पदक

**नई दिल्ली।** अनुभवी फॉरवर्ड ललित उपाध्याय ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास लेने का फैसला किया है। इसकी जानकारी उन्होंने रविवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिये दी। उन्होंने लिखा, 'आज मैं अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा करता हूं।' ललित टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम का हिस्सा थे। ललित ने 2014 में विश्व कप में अंतरराष्ट्रीय हॉकी में डेब्यू किया था तथा ओलंपिक में दो पदक जीतना उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि रहीं। वह टोक्यो 2020 ओलंपिक में इतिहास रचने वाली टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा थे। भारत ने तब लंबे समय के बाद ओलंपिक में पदक जीता था। भारत ने 2024 में पेरिस ओलंपिक खेलों में फिर से कांस्य पदक जीता और ललित इस टीम का भी अभिन्न अंग थे।ललित ने रविवार को बेल्जियम के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग 2024-25 सत्र के यूरोपीय चरण के भारत के अंतिम मैच के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर जारी की गई पोस्ट में अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने कहा, 'यह सफर एक छोटे से गांव से शुरू हुआ, जहां संसाधन सीमित थे, लेकिन सपने असीम थे। स्टिंग ऑपरेशन का सामना करने से लेकर एक बार नहीं बल्कि दो बार ओलंपिक पोडियम पर पहुंचने का यह सफर चुनौतियों, विकास और अविस्मरणीय गौरव से भरा रहा। 26 वर्षों के बाद अपने शहर से पहला ओलंपियन बनना ऐसी बात है जिसे मैं हमेशा पूरे सम्मान के साथ संजोकर रखूंगा।'गोल करने की अद्भुत क्षमता वाले ललित ने सीनियर स्तर पर भारत के लिए 183 मैच खेले, जिनमें 67 गोल किए। 31 वर्षीय खिलाड़ी ने भारतीय टीम के लिए अपना अंतिम मैच 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। ललित के भारतीय हॉकी में योगदान का जिक्र करते हुए हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, ललित अपनी पीढ़ी के सबसे शानदार और समर्पित फॉरवर्ड में से एक रहे हैं। चाहे वह महत्वपूर्ण ओलंपिक मैच हो या लीग मैच, उन्होंने हमेशा भारतीय जर्सी को गर्व के साथ पहना और दिल से खेला। वाराणसी की संकरी गलियों से निकलकर दो बार ओलंपिक पोडियम पर खड़े होने तक का उनका सफर किसी प्रेरणा से कम नहीं है। हम भारतीय हॉकी के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं और उनके जीवन की अगली पारी के लिए शुभकामनाएं देते हैं।'

### अश्विन की तूफानी पारी

# वरुण चक्रवर्ती बने फिनिशर

**नई दिल्ली।** तमिलनाडु प्रीमियर लीग (TNPL) में रविवार को डिंडीगुल ड्रैगन्स ने सलेम स्पार्टन्स के खिलाफ आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत हासिल की। वरुण चक्रवर्ती ने आखिरी दो गेंदों पर छक्का और चौका लगाकर दो विकेट से जीत दिलाने में मदद की। आर अश्विन ने बल्ले और गेंद से दमदार प्रदर्शन किया। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। डिंडीगुल ड्रैगन्स के कप्तान अश्विन ने पहले तो 14 गेंदों पर 5 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 36 रन की तूफानी पारी खेली, फिर कंजूसी से गेंदबाजी भी की। उन्होंने अपने कोटे के 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट चटकाए। मैच का अंतिम ओवर ड्रैगन्स के लिए बेहद रोमांचक रहा। उन्हें जीत के लिए 11 रन की जरूरत थी। पहली गेंद पर कोई रन नहीं बना। दूसरी गेंद पर एम कार्तिक सरन आउट हो गए। तीसरी गेंद पर डीटी चंद्रशेखर ने 1 रन चुराया। चौथी गेंद पर वरुण चक्रवर्ती ने 2 रन लिए। 5वीं बॉल नो थी जिसका वरुण ने पूरा फायदा उठाया और फ्री हिट पर छक्का जड़ दिया। आखिरी गेंद पर वरुण ने चौका लगातार टीम को जीत दिला दी। ड्रैगन्स ने पावरप्ले ओवरों में 2 विकेट पर 70 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की। मिडिल ऑर्डर में कई बल्लेबाजों ने अहम योगदान दिया। शिवम सिंह ने 24 गेंदों पर 34 रन बनाए, जबकि आर के जयंत ने 15 गेंदों पर 25 रन बनाए। हनी सैनी ने 28 गेंदों पर 35 रन जोड़े और विमल खुमार ने भी अंतिम ओवर से पहले 24 रन का योगदान दिया। मुकाबले की बात करें तो डिंडीगुल ड्रैगन्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी।

# वगाड़िया की भारत-इंग्लैंड टेस्ट के दौरान बीच मैदान में हुई एंट्री

**नई दिल्ली।** भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच लीड्स में खेला जा रहा है। भारत ने पहली पारी में 471 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 465 रन पर सिमट गई। भारत ने दूसरी पारी में 2 विकेट के नुकसान पर 90 रन बना लिए हैं। तीसरे दिन के खेल के दौरान एक चौंकाने वाली घटना घटी। भारत की दूसरी पारी के दौरान बीच मैदान एक ऐसा खिलाड़ी नजर आया, जो इंग्लैंड की स्क्वाड का हिस्सा तक नहीं है। इस खिलाड़ी को देख हर कोई हैरान रह गया। हर कोई आश्चर्यचकित था। शायद हर किसी के मन में यह सावल उठा कि आखिरी यह खिलाड़ी कौन है? आइए हम आपको बतातें हैं। दरअसल, भारत की दूसरी पारी के दौरान इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को कुछ देर के लिए किसी कारणवश मैदान छोड़ना पड़ा था। उनकी जगह यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब के युवा खिलाड़ी यश वगाड़िया मैदान पर सब्स्टिट्यूट के रूप में फील्डिंग करते हुए नजर आए। बात दें कि 21 साल के यश वगाड़िया एक ऑलराउंडर हैं, जो यॉर्कशर के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। यश को टेस्ट मैच के लिए 12वें खिलाड़ी के रूप में इंग्लैंड टीम के साथ जोड़ा गया है। वह इस टेस्ट में सब्स्टिट्यूट फील्डर की भूमिका निभा रहे हैं। यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब के मुताबिक, यश को इंग्लैंड के ड्रेसिंग रूम में शामिल होने और मैच के दौरान ड्रिंक्स लाने, वॉर्म-अप में मदद करने और जरूरत पड़ने पर मैदान पर फील्डिंग करने का मौका दिया गया है। बता दें कि यश वगाड़िया का जन्म न्यूकैसल में हुआ है। वह अंडर-14 और अंडर-18 टीमों के लिए खेल चुके हैं। अगस्त 2024 में उन्होंने यॉर्कशर के लिए वन-डे कप में डेब्यू किया था। वह अभी तक 2 लिस्ट ए मैच खेल चुके हैं।

# अर्शिन कुलकर्णी ने 18 छक्के उड़ाते हुए टीम को बनाया चैंपियन

## वैभव सूर्यवंशी से छीन लिया था बल्ला

**मुंबई।** जिस खिलाड़ी के खून में क्रिकेट हो, उसे भला कौन हरा सकता है? हालांकि, ये महज कहने की बाते हैं. मैदान मारने के लिए लड़ना पड़ता है. और, यही MPL यानी महाराष्ट्र प्रीमियर लीग में वैभव से उनका बल्ला छीन लेने वाले खिलाड़ी ने किया. उसने लीग में 18 छक्के उड़ाते हुए अपनी टीम को चैंपियन बना दिया. हम बात कर रहे हैं अर्शिन की, जो एक खानदानी क्रिकेटर हैं. हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि क्रिकेट उन्हें अपने दादा से विरासत में मिला है. 20 साल के ऑलराउंडर अर्शिन कुलकर्णी के दादा एक तेज गेंदबाज थे. अर्शिन कुलकर्णी, जैक कैलिस को अपना आइडल मानते हैं और उन्हीं की तरह बेहतरीन ऑलराउंडर बनना चाहते हैं. IPL 2025 में 30 लाख की बेस प्राइस पर अर्शिन कुलकर्णी को लखनऊ सुपर जायंट्स ने खुद से जोड़ा था. हालांकि, वहां मिले 2 मौके को वो अच्छे से भुना नहीं सके थे. मगर महाराष्ट्र प्रीमियर लीग में उन्होंने ना सिर्फ 18 छक्के जड़े बल्कि अपनी टीम को चैंपियन भी बनाया. MPL 2025 के खिताबी मुकाबले में रायगढ़ रॉयल्स की टक्कर ईगल नासिक टाइटंस से थी. अर्शिन कुलकर्णी इस मैच में ईगल नासिक टाइटंस का हिस्सा थे. मुकाबले की शुरुआत रायगढ़ रॉयल्स की बल्लेबाजी से हुई। उसने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 190 रन बनाए. रायगढ़ की ओर से सबसे ज्यादा रन फाइनल में सिधेश वीर ने मारे, जो कि पूरे MPL 2025 में भी सबसे ज्यादा 450 रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

# मेमोरी तकनीक में विश्व रिकॉर्डधारी सी.ए. डॉ. महेश गौड़ को सम्मान

**मुंबई।** देश की शिक्षा प्रणाली में अभिनव बदलाव लाने वाले और मेमोरी तकनीक के क्षेत्र में विश्व रिकॉर्डधारी सी. ए. डॉ. महेश गौड़ को महाराष्ट्र रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें यूएनआई-ग्लोबल इंटेलेक्चुअल्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित वार्षिक शिक्षा शिखर सम्मेलन 2025 में प्रदान किया गया, जो नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट (एनजीएमए), मुंबई और भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आयोजित हुआ। इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही, जिनमें मंगल प्रभात लोढ़ा (कौशल विकास, रोजगार, नवाचार मंत्री, महाराष्ट्र सरकार), एडवोकेट आशीष शेलार (सूचना प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक मामलों के कैबिनेट मंत्री), निधि चौधरी (आईएएस, निदेशक, एनजीएमए मुंबई) और प्रेम शुक्ला (भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता) शामिल थे। इस सम्मेलन में देशभर से कई व्यक्तित्वों को शिक्षा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इनमें डॉ. गौड़ विशेष रूप से चर्चित रहे, जिनकी मेमोरी तकनीक न केवल छात्रों को संपूर्ण पुस्तक याद रखने में सहायता करती है, बल्कि यह तकनीक वैज्ञानिक रूप से सिद्ध है और रटने (रटंत विद्या) को प्रोत्साहित नहीं करती।

# 'निकिता रॉय' में सोनाक्षी की कास्टिंग पर भाई कुश सिन्हा ने तोड़ी चुप्पी

फिल्ममेकर कुश सिन्हा ने अपनी पहली फिल्म 'निकिता रॉय' में बहन सोनाक्षी सिन्हा को लीड रोल देने की वजह को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि भले ही कुछ लोगों को ये फैसला पर्सनल लग सकता है, लेकिन उन्होंने सोनाक्षी को उनकी टैलेंट और एक्टिंग स्किल्स की वजह से चुना है। कुश ने कहा, "मेरे लिए सोनाक्षी इस किरदार के लिए एकदम परफेक्ट हैं। मुझे पता था कि वो काफी एक्सपीरियंस्ड और बेहद काबिल एक्ट्रेस हैं। उन्होंने अकीरा, लुटेरा और दबंग जैसी फिल्मों में आप देख सकते हैं कि वो कितनी शिद्दत के साथ एक्टिंग करती हैं। ये कास्टिंग भाई-बहन के रिश्ते की वजह से नहीं, बल्कि सोनाक्षी की काबिलियत की वजह से की गई है।"

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें "निकिता रॉय"जैसी फिल्म निर्देशित करने के लिए किस बात ने प्रेरित किया, तो कुश सिन्हा ने कहा, "ईमानदारी से कहूं तो यह कहानी की ताकत थी जिसने मुझे आकर्षित किया। निकिता रॉय में हमने जो दुनिया तलाशी है, वह कुछ नया पेश करती है – कुछ ऐसा जो दर्शकों को दिलचस्प और नया लगेगा। साथ ही, निकिता रॉय, जॉली, अमरदेव और फ्रेया के किरदार – वे सभी अच्छी तरह से विकसित और स्तरित हैं। जब आपके किरदार मजबूत होते हैं, तो आपकी कहानी शक्तिशाली बनने की क्षमता रखती है। कहानियां किरदारों के माध्यम से बनती हैं, और यही बात मेरे लिए इसे रोमांचक बनाती है।"

# कॉस्ट्यूम को लेकर डायरेक्टर का 44 साल बाद खुलासा

फिल्म 'उमराव जान' को रिलीज़ हुए 44 साल हो चुके हैं, लेकिन इसके निर्देशन मुजफ्फर अली फिल्म के कॉस्ट्यूम डिज़ाइन को लेकर एक दिलचस्प खुलासा किया है। मुजफ्फर अली ने बताया कि फिल्म के कपड़े बाजार से नहीं, बल्कि लोगों के घरों और पुरानी अलमारियों से जुटाए गए थे। इन कपड़ों में इतिहास की झलक के साथ बुनकरों के काम की खूबसूरती भी शामिल थी।

बता दें मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक की फिल्म साल 1981 में रिलीज हुई थी। लेकिन कल्ट क्लासिक 'उमराव जान' एक बार फिर से सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। अपनी शानदार कहानी, म्यूजिक के साथ-साथ 19वीं सदी के लखनऊ की शाही वेशभूषा के लिए मशहूर फिल्म को लेकर मुजफ्फर अली ने और क्या बताया, चलिए जानते हैं। मुजफ्फर अली ने बताया कि 'उमराव जान' सिर्फ डायलॉग्स से नहीं, बल्कि कपड़ों के ज़रिए भी अपनी कहानी कहती है। ये सारे कपड़े हाथ से बनाए गए थे और उनमें प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया गया था। आजकल बाजार में मिलने वाले तैयार कपड़ों ने उस दौर की खासियत को पीछे छोड़ दिया है, जब लोग अपने कपड़े खुद सिलते, रंगते और पहनते थे। मुजफ्फर अली ने कहा, "फिल्म का हर सीन कपड़ों के ज़रिए कुछ कहता है। ये कपड़े लोगों के घरों से या पुरानी जगहों से इकट्ठा किए गए थे। उस ज़माने में केमिकल वाले रंग या नायलॉन नहीं, बल्कि हाथ से बुने हुए कपड़े और प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल होता था। इन्हें बनाने में मेहनत लगती थी, लेकिन नतीजा बेहद खूबसूरत होता था।"उन्होंने आगे कहा, "उस दौर में कपड़े, संगीत या कोई भी चीज बनाने में लोग पूरी तरह डूब जाते थे। आज के समय में वह चीजें नहीं मिलतीं, कह सकते हैं कि वह समय अब जा चुका है।" 'उमराव जान' की रिलीज के तीन दशक बाद, यह फिल्म 27 जून को 4के रिस्टोर्ड वर्जन में फिर से सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

# बच्ची के साथ गोविंदा का वीडियो देख भड़के लोग

## बोले- हद कर दी आपने

गोविंदा को शनिवार को एक नए लुक में देखा गया। बड़ी मूंछें, धूप का चश्मा और एक टक्सीडो-स्टाइल ड्रेस, जिसने फैंस को एक्साइटेड कर दिया। कई लोगों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि क्या यह मेकओवर किसी आगामी प्रोजेक्ट के लिए है। अब फ्लाइट के अंदर से एक्टर का हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ है और सोशल मीडिया पर कई लोग उन्हें भला-बुरा कह रहे हैं। इसके अलावा, कुछ लोगों को यह भी लगता है कि वीडियो में दिख रही छोटी लड़की रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की तरह दिखती है। नेटिजंस ने गोविंदा के व्यवहार की आलोचना की। वायरल हो रहे वीडियो में 61 वर्षीय गोविंदा एक फ्लाइट में एक छोटी लड़की के बगल में बैठे दिखाई दे रहे हैं। वह लड़की के कंधे पर झुकते हुए एक सेल्फी वीडियो रिकॉर्ड करते हैं। लड़की अजीब तरीके से मुंह बनाने लगती है, जबकि गोविंदा कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराते हैं।

यह व्यवहार नेटिजंस को पसंद नहीं आया। एक यूजर ने लिखा- डरावना नंबर 1। दूसरे ने पूछा- वह क्या कर रहे हैं? वह छोटी लड़की कौन है? कुछ ने आगे कहा- हे भगवान, यह कितना डरावना है! उफ्फ और हद कर दी आपने। कई लोगों को लगा कि लड़की असहज लग रही थी। कई लोगों ने पूछा कि क्या वह रवीना टंडन की बेटी है? सोशल मीडिया पर कई लोगों ने बताया कि वह रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की तरह दिखती है। एक ने लिखा- वह रवीना की तरह क्यों दिखती है? दूसरे ने कहा-क्या वह राशा है? दिलचस्प बात यह है कि कुछ यूजर्स का मानना था कि वीडियो में दिख रहा व्यक्ति गोविंदा नहीं हो सकता। कुछ ने कहा- लगता है कि यह उनका बॉडी डबल है। दूसरों ने कहा- मुझे नहीं लगता कि यह गोविंदा है। डुप्लीकेट आदमी। लेकिन ये डरावना है। इन सबके बावजूद क्लिप जल्दी ही वायरल हो गई और अधिकांश लोगों का मानना था कि यह गोविंदा ही हैं।

# औरंगजेब के बाद फिर परदे पर कहर ढाएंगे अक्षय खन्ना

छावा' में बेहद खतरनाक और क्रूर औरंगजेब का किरदार निभाकर अक्षय खन्ना ने सभी का दिल जीत लिया था। किसी को उम्मीद नहीं थी कि अक्षय खन्ना इस अंदाज में वापसी करेंगे। उनके करियर को लेकर अक्सर कहा जाता रहा है कि उन्हें वो सफलता नहीं मिली जो मिलनी चाहिए थी। लेकिन कहते हैं न किस्मत कभी न कभी सब पर मेहरबान होती ही है। 'छावा' में अक्षय पूरी स्टारकास्ट पर भारी पड़ते नजर आए।अब एक बार फिर वह सुर्खियों में हैं और इस बार वजह है उनकी 4 साल पुरानी फिल्म, जो अब ओटीटी के बाद नए नाम से सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

अक्षय खन्ना की 2021 की एक्शन से भरपूर ओटीटी फिल्म स्टेट ऑफ सीज: टेंपल अटैक के मेकर्स अब इसे बड़े पर्दे पर लाने जा रहे हैं। इस बार फिल्म नए नाम अक्षरधाम: ऑपरेशन वज्र शक्ति के साथ रिलीज होगी। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के करीब 4 साल बाद यह हाई-इंटेंस ड्रामा 4 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसमें दर्शकों को भारत की सबसे खतरनाक आतंकी घटनाओं में से एक की झलक देखने को मिलेगी। केन घोष द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2002 में गुजरात के अक्षरधाम मंदिर पर हुए आतंकी हमले पर आधारित है। इसमें हमले की भयावहता के साथ-साथ इसे रोकने के लिए एनएसजी कमांडो की बहादुरी और रणनीति को भी दिखाया गया है। एक सच्ची घटना से प्रेरित इस कहानी में देशभक्ति, रोमांच और जबरदस्त एक्शन का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा। फिल्ममेकर्स ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर इसका नया पोस्टर शेयर किया है। फिल्म में अक्षय खन्ना एक साहसी और चतुर एनएसजी ऑफिसर मेजर हनुत सिंह की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, फिल्म की मुख्य स्टारकास्ट में मेजर समर के रूप में गौतम रोडे, कैप्टन रोहित बग्गा के रूप में विवेक दहिया और कैप्टन बिबेक के रूप में अक्षय ओबेरॉय शामिल हैं।

# थलपति विजय की आखिरी फिल्म 'जन नायकन'

## फैन्स को दिया तगड़ा बर्थडे सरप्राइज

साउथ के सुपरस्टार थलपति विजय अपना 51वां जन्मदिन मना रहे हैं. इस खास मौके पर एक्टर ने अपनी आखिरी फिल्म 'जन नायकन' का टीजर जारी किया है. इसी के साथ एक्टर का फर्स्ट लुक भी सभी के सामने आ गया है. टीजर में एक्टर का खतरनाक पुलिस वाला अवतार देखने को मिल रहा है. विजय के फैंस उनके दमदार पुलिस लुक को देखकर काफी खुश नजर आ रहे हैं. फिल्म 'जन नायकन' के टीजर में एक्टर को पुलिस की वर्दी में देखा गया है. जिसके आसपास हिंसक माहौल और आग दिखाई गई है. टीजर के शुरुआत में एक डायलॉग आता है. जिसमें लिखा होता है, 'एक सच्चा नेता सत्ता के लिए बल्कि जनता के लिए उठता है.' इसके बाद एक्टर विजय हाथ में तलवार लेकर गुंडों पर हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं. बताया जा रहा है कि एक्टर विजय की ये फिल्म 'जन नायकन' उनकी आखिरी फिल्म हो सकती है, क्योंकि इसके बाद वो राजनीति में सक्रिय रूप से नजर आने वाले हैं. यह फिल्म थिएटर में मकर संक्रांति और पोंगल से ठीक पहले 9 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. 1992 में एक्टिंग डेब्यू करने वाले विजय ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं. पिछले साल उन्होंने अपनी पॉलिटिकल पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम लॉन्च की थी. जिसका हिंदी में तमिलनाडु विजय पार्टी है. माना जा रहा है कि एक्टर विजय फिल्में छोड़ राजनीति में नजर आएंगे और 2026 में विधानसभा चुनाव भी लड़ेंगे.

# सितारे जमीन पर ने की बंपर कमाई

## केसरी 2 को छोड़ा पीछे

आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर काफी शानदार हुई है। फिल्म ने दूसरे दिन ही दुनियाभर में करीब 50 करोड़ की कमाई कर ली है। आमिर खान की फिल्म ने दूसरे दिन कई फिल्मों के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। इन फिल्मों में कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी और अक्षय कुमार की फिल्म केसरी चैप्टर 2 का नाम शामिल है। Sacnilk के मुताबिक, सितारे जमीन पर ने शुक्रवार को भारत में 10 .7 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। दूसरे दिन यानी शनिवार को फिल्म के प्रदर्शन में 88 .79 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला। दूसरे ने दिन फिल्म ने भारत में 37 करोड़ की कमाई की। फिल्म ने विदेशों में भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

विदेशों में फिल्म की कमाई करीब 13 करोड़ की हुई है। इस तरह फिल्म ने दो दिन में फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 50 करोड़ रुपये हो गया है। सितारे जमीन पर ने कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। कंगना रनौत की फिल्म का कलेक्शन 23.75 करोड़ था। सितारे जमीन पर ने अक्षय की फिल्म केसरी चैप्टर 2 को भी पीछे छोड़ा है। अक्षय की फिल्म केसरी 2 ने दो दिन में दुनियाभर में 30 करोड़ कमाए थे। सितारे जमीन पर की बात करें तो ये फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म में आमिर खान के साथ जेनेलिया डिसूजा नजर आई हैं। इस फिल्म को आरएस प्रसन्ना ने डायरेक्ट किया है।

# 89 की उम्र में धर्मेंद्र ने एकता जैन के साथ किया योग

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र ने 89 वर्ष की उम्र में यह साबित कर दिया कि उम्र केवल एक संख्या है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अपने लोनावला स्थित फार्महाउस में एक विशेष योग सत्र में हिस्सा लिया। इस सत्र में उनके साथ अभिनेत्री, मॉडल, एंकर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एकता जैन भी शामिल हुईं। दोनों ने अनुलोम-विलोम, प्राणायाम और अन्य श्वास नियंत्रण अभ्यास किए।

यह योग सत्र स्वास्थ्य, एकाग्रता और सम्पूर्ण जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान एकता जैन ने धर्मेन्द्र जी की ऊर्जा की प्रशंसा करते हुए कहा, "धर्मेन्द्र सर में बहुत ऊर्जा है। उन्होंने साबित कर दिया कि उम्र महज एक संख्या है।" उन्होंने यह भी कहा कि योग आज की पीढ़ी के लिए मानसिक और शारीरिक संतुलन बनाए रखने का एक शक्तिशाली माध्यम है। अपने सरल जीवन और अनुशासन के लिए मशहूर धर्मेन्द्र ने सभी आयु वर्ग के लोगों को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, "योग सभी को करना चाहिए, स्वस्थ जीवन के लिए," और यह भी बताया कि योग केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि आत्म-संपर्क का मार्ग है। इस अवसर पर प्रसिद्ध एक्शन डायरेक्टर मोहन बग्गड़ और उनके बेटे सोनू बग्गड़ भी उपस्थित थे। सोनू बग्गड़ धर्मेन्द्र की आने वाली फिल्म मैंने प्यार किया फिर से में नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म रोनी रोड्रिग्स द्वारा PBC मोशन पिक्चर प्रा. लि. के बैनर तले निर्मित की जा रही है, और भावनात्मक कहानी के साथ धर्मेन्द्र की वापसी को दर्शकों के बीच लेकर आ रही है। योग दिवस के साथ-साथ धर्मेन्द्र ने विश्व संगीत दिवस पर भी अपने विचार साझा किए, जो इसी दिन मनाया जाता है।

# '59 का हूं, मेरी बस 3-4 गर्लफ्रेंड रहीं'

- सलमान खान ने आज की डेटिंग को कहा खरा
- बोले- मेरा आंकड़ा बहुत कम है

सलमान खान की लव लाइफ ने फैंस को बांधे रखा है और गॉसिप मिल्स में हलचल मची हुई है। अपने 36 साल के करियर में कई मशहूर एक्ट्रेसेस से नाम जुड़ने के बावजूद सलमान इंडस्ट्री के हैंडसम बैचलर्स में से एक हैं। फैंस अक्सर सोचते हैं कि इतनी सारी हीरोइनों के साथ ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री शेयर करने वाला यह सितारा 59 साल की उम्र में भी अविवाहित क्यों है। 'बजरंगी भाईजान' एक्टर 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 3' में दिखाई दिए और उन्होंने इस पर भी बात की। कैजुअल टी-शर्ट और डेनिम पहने हुए वह कॉमेडियन कपिल शर्मा के साथ बैठे और प्यार, रिश्तों और आज की तेजी से आगे बढ़ रही डेटिंग कल्चर के बारे में बातें कीं। कपिल ने मजाक में कहा कि गर्लफ्रेंड के मामले में सलमान भाग्यशाली रहे हैं। लेकिन सलमान खान ने तुरंत असहमति जताई और ऐसा जवाब दिया जिससे दर्शक हंस पड़े। उन्होंने कहा, 'यह सच नहीं है, अगर आप मेरा औसत लें, तो यह बहुत खराब है। मैं 59 साल का हूं, लेकिन मेरी सिर्फ 3-4 गर्लफ्रेंड रही हैं। इसलिए अगर आप इस पर विचार करें, तो वे रिश्ते लगभग 7-8 और कभी-कभी 12 साल तक भी चले हैं। इस उम्र के लड़के-लड़कियों की तुलना में यह बहुत खराब औसत है। आप जानते हैं कि वे एक रिश्ते से दूसरे रिश्ते में कैसे कूदते रहते हैं। इसलिए उनकी तुलना में मैं पुराने जमाने का हूं।'

# रितेश पर फूटा फैन का गुस्सा

'हाउसफुल 5' की सफलता का स्वाद चख रहे एक्टर रितेश देशमुख अक्सर पपाराजी के सामने अच्छे से पेश आते हैं। इतना ही नहीं, पत्नी जिनिलिया डिसूजा और दोनों बच्चे भी हाथ जोड़े दिखाई देते हैं। मगर एक्टर ने इस बार कुछ ऐसा किया, जिससे इंटरनेट का दिल टूट गया। उनको अब लोग ताने मार रहे हैं। उनके बर्ताव के लिए भला-बुरा कह रहे हैं। रितेश देशमुख का डाउन-टू-अर्थ बिहेवियर सबको पसंद आता है। मगर जब फैन ने उनका ये वीडियो देखा तो उनको गुस्सा आया।

दरअसल, जिनिलिया डिसूजा की फिल्म 'सितारे जमीन पर' के प्रीमियर में पपाराजी ने एक्टर को वीडियो में कैद किया, जब वह अपनी पत्नी का हाथ पकड़कर उन्हें फैंस की भीड़ के बीच से स्क्रीनिंग हॉल में ले जा रहे थे।

इस सब के बीच, एक छोटा लड़का, कपल के पास आया और उनके साथ सेल्फी लेने के लिए अपना फोन निकाला। लेकिन रितेश ने उस लड़के का हाथ, जिसमें फोन था, उसे नीचे की तरफ धकेल दिया और सेल्फी से इनकार कर दिया और उसकी तरफ देखे बगैर वह आगे की तरफ बढ़ गए। इससे वह फैन मायूस हो गया। और इंटरनेट का गुस्सा फूट पड़ा। रितेश देशमुख का ये वीडियो देखकर लोगों ने उनकी आलोचना की। एक यूजर ने लिखा, 'पहली बार मुझे रितेश का एटीट्यूड पसंद नहीं आया।' एक ने लिखा, 'रितेश से ऐसी उम्मीद नहीं थी, बहुत गलत एटीट्यूड है, माफ कीजिए, अब आपको अनफॉलो कर रहा हूं।' एक ने लिखा, 'कल्पना कीजिए कि उसके माता-पिता ने उसे आपके पास एक तस्वीर के लिए भेजा होगा और वह विनम्रता से आपके पास आया और एक सेल्फी लेने की कोशिश की, इसमें क्या गलत था? विनम्र रहो भाई और तुम इससे कुछ नहीं खोओगे।' एक ने लिखा, 'क्या ये आपके असली रंग हैं?' एक ने लिखा, 'हाउसफुल जैसी फिल्म बनाने के बाद ऐसा रवैया है भाई।'